फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 176 प्रभात जयपुर, रविवार 26 जनवरी, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

When They Fly Past...

IAF could reconstruct what now can be termed as 'an incredible act of heroism' by an airman, who decided to stand up and fight, when this should have been the last option for a pilot, who had barely enough fuel to land back home

Indian Republic Day

इस सप्ताह साठ वर्ष पूर्व चर्चिल की मृत्यु हुई थी

क्या यह सही समय नहीं, आज हमारे गणतंत्र दिवस की 76वीं वर्षगाँठ के दिन चर्चिल की भारत के मुताल्लिक भूमिका का पुर्नमूल्यांकन करने के लिए?

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 जनवरी। पिछले कुछ समय से, सर विंस्टन चर्चिल के जीवन और समय में बहुत रूचि बढ़ी है, जिनका साठ वर्ष पूर्व, 24 जनवरी 1960 को निधन हो गया था।

भारत के गणतंत्र दिवस की 76वीं वर्षगांठ पर, उस काल के ऐतिहासिक व्यक्तियों की भूमिकाओं पर नए दृष्टिकोण सामने आ रहे हैं, जब भारत उपनिवेश से एक सम्प्रभु राज्य में परिवर्तित हो रहा था।

भारतीय दृष्टिकोण से, क्लैमेंट ऐटली चर्चिल जितने महान ऐतिहासिक व्यक्तित्व के रूप में दिखाई पड़ते है। द्वितीय विश्व युद्ध के अन्त में ऐटली ने समय की ज़रूरतों को कहीं अधिक गहराई और समझदारी से महसूस किया था, जबकि, चर्चिल "सैल्फ आब्सैस्ड" थे।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने 1950 के दशक की शुरूआत में, बी.बी.सी. के साथ एक इंटरव्यू में भारत को उपनिवेशी शासन से मुक्त कराने के ऐटली के फैसले के संदर्भ में बात की थी। हालांकि, उन्हें उस समय ऐटली के निर्णय का कारण स्पष्ट नहीं हुआ था। लेकिन उन्होंने महसूस किया था कि इस संदर्भ में ऐटली की "स्टेट्समैनशिप" की गहराई से जांच करने की आवश्यकता है।

- भारत के दृष्टिकोण से चर्चिल के बाद इंगलैंड के प्र.मंत्री बने क्लैमेंट एटली की भूमिका ज्यादा समझदारीपूर्ण व समय संगत थी।
- द्वितीय विश्व के हीरो विंस्टन चर्चिल भारत को ब्रिटेन के साम्राज्य का हिस्सा बनाए रखने की कल्पना में ही बसर कर रहे थे, जबकि एटली भारत से इंगलैंड की सम्मानजनक वापसी को विकल्प मान रहे थे।
- एटली ने 1920 के दशक में हिन्दुस्तान का विस्तार से दौरा किया था तथा स्वतंत्रता आंदोलन का जमीनी असर देखकर उन्होंने भारत को स्वतंत्र करने की व्यवहारिकता को पहचाना था।
- एक मत यह भी है, चर्चिल भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की गंभीरता को समझ नहीं पाये, बल्कि, भारत के प्रति असंवेदनशीलता का कलंक भी उन पर 1942, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लगा था।
- चर्चिल ने बंगाल के लिये भेजे गये अनाज से भरे जहाजों को "डाइवर्ट" करके ब्रिटिश सेना की खपत के लिये भेजने का निर्णय लिया था, जिससे "ग्रेट बंगाल फैमिन", बंगाल में भारी भूखमरी फैली थी।

ब्रिटेनवासी जहां आजकल चर्चिल की जरूरत से ज्यादा तारीफ कर रहे है, वहीं यह भी बता दें कि चर्चिल के दिलों दिमाग पर भारत एक जुनून की तरह छाया हुआ था।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मिली चुनावी हार के बाद, जब वो सत्ता में नहीं थे, तब भी चर्चिल भारत को इंगलैंड के अंग के रूप में देखते थे। वो किसी भी हाल में "भारतीय संपत्तियों" से जुड़े रहना चाहते थे।

इस दृष्टिकोण से युद्ध खत्म होने तक चर्चिल "आउटडेटेड" हो गए थे। चर्चिल के बाद प्रधानमंत्री बने क्लैमेंट ऐटली बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने वाले आधुनिक सोच वाले व्यक्ति थे। वे समझ गए थे कि सम्मानजनक तरीके से भारत छोड़ देना ही एक मात्र विकल्प है। हालांकि ब्रिटेन की भारत से वापसी की प्रक्रिया काफी अव्यवस्थित और भयावह रही लोग इसमें मारे गए।

भले ही चर्चिल की वॉर हीरो के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेटली और सुषमा स्वराज को मरणोपरांत पद्म विभूषण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। शनिवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरूण जेटली तथा सुषमा स्वराज को मरणोपरान्त दूसरा सर्वोच्च अवॉर्ड "पद्म विभूषण" प्रदान करने की घोषणा की गई। इसी प्रकार, मरणोपरान्त पद्म विभूषण अवॉर्ड जॉर्ज फर्नान्डीज तथा उडुपी के आध्यात्मिक गुरु विश्वेषातीर्थ स्वामी को देने की घोषणा की गई। मणिपुर की स्पोर्ट्स स्टार एम.सी. मैरी कोम,

- जॉर्ज फर्नांडिस (मरणोपरांत), मैरीकॉम, स्वामी विश्वेश तीर्थ, छन्नूलाल मिश्र और ए.जुगनाथ (मॉरिशस) को भी पद्म विभूषण दिया गया है।

मॉरीशस के अमेरुद जुगनाय तथा उत्तर प्रदेश के छन्नूलाल मिश्र को पद्म विभूषण दिये जाने की भी घोषणा भी की गई है।

देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में उपरोक्त सात पद्म विभूषण पुरस्कारों के अतिरिक्त 19 पद्म भूषण तथा 113 पद्मश्री पुरस्कारों की घोषणा की गई है। पुरस्कार पाने वालों में 23 महिलाएं, दस विदेशी, एन.आर.आई., पी.ई.ओ. और ओ.सी.आई. श्रेणी के है। तेरह हस्तियों को ये पुरस्कार मरणोपरांत दिए जा रहे हैं।

तुरंत प्रभाव से विदेशों को मदद के सभी प्रस्ताव व कार्यक्रम स्थगित किये

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के इस आदेश में केवल दो अपवाद मंजूर किये गये हैं, मिस्र इज़रायल व मित्र को दी जाने वाली सहायता के प्रस्ताव

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका के स्टेट डिपार्टमैंट के एक आदेश पर शुक्रवार को मौजूदा सभी विदेशी सहायता के लिये "स्टाप वर्क" आदेश जारी कर दिया गया। यह कदम राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के एक आदेश की अनुपालना में उठाया गया।

स्टेट डिपार्टमैंट के फॉरेन एड ब्यूरो द्वारा ड्राफ्ट किये गये तथा सैक्रेटरी ऑफ स्टेट, मार्को रूबियों द्वारा अनुमोदित केवल में कहा गया कि इज़रायल तथा मिस्र के सैन्य वित्तीय पोषण के लिए छूट दी गई है। इनके अलावा, केबल में किसी अन्यदेश का उल्लेख नहीं किया गया है।

सोमवार को, अपना पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही, ट्रम्प ने विदेशी विकास सहायता को 90 दिन के रोकने के आदेश दिये थे। इस बीच, उनकी विदेश नीति की क्षमताओं और जारी रखे जाने की समीक्षा लम्बित रहेगी।

लेकिन इस आदेश के क्षेत्र की जानकारी तुरन्त नहीं मिल सकी थी तथा यह अस्पष्ट था कि कौन-कौन सी फन्डिंग रोकी जायेंगी, क्योंकि अमेरिकन कांग्रेस संघीय सरकार का बजट तैयार करती है।

- आदेश के अनुसार, सैक्रेटरी ऑफ स्टेट (विदेश मंत्री) मार्को रुबियो अगले 85 दिनों में अमेरिका द्वारा विदेशों में दी जा रही सहायता की सार्थकता व इफैक्टिवनैस" का मुआयना करेंगे तथा फिर इस मूल्यांकन के बाद निर्णय लेंगे कि किन देशों को किन-किन प्रोग्रामों के अंतर्गत सहायता दी जाये या नहीं।
- जैसा कि विदित ही है, राष्ट्रपति ट्रम्प ने घोषणा की थी कि अमेरिका द्वारा विदेशों को दी जा रही सहायता को 90 दिन "स्टॉप वर्क" के आदेश से स्थगित किया जायेगा। ट्रम्प की इस घोषणा के अंतर्गत अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने अन्य देशों को दी जा रही सहायता के मुताल्लिक यह स्थगन आदेश निकाला है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रम्प का उक्त आदेश गैर कानूनी है क्योंकि इस कांग्रेस में चुनौती मिलना तय है।

एक विशेषज्ञ ने अपना नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा, "इन अंतर्राष्ट्रीय निवेशों को फ्रीज कर देने से हमारे अंतर्राष्ट्रीय पार्टनर इसकी पूर्ति के लिये फन्डिंग पार्टनर तलाश करेंगे, जो या तो अमेरिका के साथ प्रतिस्पर्धा रखने वाले होंगे या उसके विरोधी। तथा जब तक यह गैर कानूनी रोक जारी रहेगी, वे देश अमेरिका के प्रभाव की जगह जरूरतमंद देशों पर अपना प्रभाव कायम रखेंगे।"

स्टेट डिपार्टमैंट का मीमो, जो तत्काल प्रभावी हो गया है, में कहा गया है कि वरिष्ठ अधिकारी "यह सुनिश्चित करेंगे कि, कानून के अंतर्गत अधिकतम सीमा तक, विदेशी सहायता के लिये तब तक और कोई नया अनुबंध नहीं किया जायेगा", जब तक रुबियो, समीक्षा के बाद, कोई निर्णय नहीं ले लेते।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मध्य प्रदेश में शराबबंदी लागू करने की तैयारी

राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 17 धार्मिक शहरों में शराबबंदी लागू करने की घोषणा की

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। मध्य प्रदेश, मद्य-निषेध क्लब में शामिल होने के लिए तैयार दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य के 17 धार्मिक नगरों में शराबबंदी की घोषणा कर दी है। इस कदम को पूर्ण शराबबंदी की दिशा में एक चरणबद्ध तरीका माना जा सकता है। इस समय गुजरात, बिहार, नागालैंड और मिज़ोरम में शराब पर रोक लगी हुई है। इसके अलावा, केन्द्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप में भी शराब पर आंशिक पाबंदी है। कई राज्यों ने इससे पहले भी शराबबंदी कानून लागू किया, लेकिन बाद में इसे अव्यवहारिक होने के कारण पर निरस्त कर दिया। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, हरियाणा, केरल, मणिपुर, मिज़ोरम तथा तमिलनाडु शामिल हैं।

मद्य-निषेध लागू करने वाले राज्यों में, महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा की घटनाओं में कमी आने की खबरें हैं। लेकिन शराबबंदी के कारण शराब का गैरकानूनी उत्पादन बढ़ा है तथा प्रदूषित मैथेनॉल के कारण लोगों की मौतें हुई हैं। जुलाई 2022 में, गुजरात में इस कारण कम से कम 42 लोग मर गये तथा 97 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हुए थे। पिछले वर्ष, बिहार के सिवान तथा सारन जिलों में देशी शराब दुखान्तिका में 35 से अधिक लोग मर गये थे। जहाँ मद्य-निषेध नीति के लाभ साफ जाहिर हैं, वहीं इस प्रकार की नीतियों के नकारात्मक प्रभाव के बारे में प्रतिकूल तर्क भी दिये जाते रहे हैं। विभिन्न राज्यों, जिनमें बिहार और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस समय चार राज्यों में पूर्ण शराबबंदी है। गुजरात, बिहार, नागालैंड और मिज़ोरम।
- पूर्ण शराबबंदी से महिलाओं के खिलाफ अपराधों की संख्या घटी है, पर, अवैध शराब का बाज़ार तेजी से पनपा है।
- यही नहीं, इन राज्यों में दूषित शराब पीने के मामले भी देखे गए। गुजरात में ऐसे ही एक हादसे में जुलाई 2022 में 42 लोग मारे गए थे। गत वर्ष बिहार के सिवान व सारन में भी ऐसे दो हादसे हुए।

अवकाश की सूचना

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रदूत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

-प्रधान सम्पादक

साधुओं के मन की बात

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात से प्रेरित "साधुओं के मन की बात" नामक एक विशेष कार्यक्रम शनिवार को महाकुंभ में आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में, 10,000 संत महाकुंभ पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। यह कार्यक्रम साधुओं को सनातन धर्म के मुख्य पहलुओं पर अपने विचार साझा करने का एक मंच उपलब्ध करायेगा।

- महाकुंभ में शनिवार को "साधुओं के मन की बात" कार्यक्रम हुआ, इसमें साधू-संतों ने सनातन धर्म पर अपने विचार व्यक्त किये।

ट्रम्प द्वारा चयनित नये डिफैन्स मंत्री के "सलैक्शन" को कमज़ोर माना जा रहा है

सेना विशेषज्ञ, नये डिफैन्स मंत्री में "अनुभव" व नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता की कमी देख रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। ऐसा लगता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प अपने मंत्रिमंडल में ऐसे लोगों को नियुक्त करने की आदत है, जिनमें न तो अनुभव है और ना ही नेतृत्व क्षमता। पीट हैगसैथ ऐसे ही व्यक्ति हैं, जिन्हें डिफेंस सैक्रेटरी (रक्षा मंत्री) बनाया गया है। फॉक्स न्यूज़ के पूर्व होस्ट व पूर्व सैन्य अधिकारी रहे पीट को ट्रम्प ने रक्षा मंत्री बनाया है। सीनेट में एक वोट के अतंर से उनकी नियुक्ति को मंजूरी मिली। टाई होने पर यह वोट उपराष्ट्रपति जे.डी. वैन्स ने दिया था।

हैगसेथ की नियुक्ति विवादों से घिरी है, उनकी शैक्षणिक योग्यता और पूर्व आचरण के आधार पर चिंता जताई जा रही है कि क्या वे के इस पद के उपयुक्त हैं।

पीट के आलोचक रक्षा क्षेत्र और नीति निर्माण में उनके कम अनुभव के आधार पर उन्हें अमेरिका के रक्षा सचिव के पद के उपयुक्त नहीं मानते हैं। हैगसेथ जब सेना में थे, तब इराक व अफगानिस्तान में तैनात रहे थे, उन्हें जमीनी क्षेत्र का अनुभव तो है, पर रक्षा मंत्रालय चलाने के लिए जिस रणनीतिक व प्रशासनिक अनुभव की जरुरत होती है वह उनमें नहीं है।

रक्षा मंत्री के लिए जटिल रक्षा नीतियों पेंटागन के विशाल संसाधनों के बजट प्रबंधन तथा भू राजनैतिक परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय हितों के अनुरुप सैन्य रणनीति बनाने की गहरी समझ होने की जरुरत होती है। आलोचक कहते हैं, मीडिया पर्सन का काम कर चुके पीट के पास इस दर्जे के उच्चस्तरीय निर्णय लेने का विवेक नहीं है।

इसके अतिरिक्त, आलोचकों ने हैगसेथ के अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियों के साथ समन्वय करने, सैन्य कूटनीति को संभालने और रक्षा विभाग जैसे बड़े नौकरशाही संगठनों का नेतृत्व करने के लिए उनमें पर्याप्त अनुभव नहीं होने पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिका के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में, "डिफैन्स मंत्री" को राष्ट्रपति के बाद दूसरे नबंर की वरीयता दी जाती है, डिफैन्स के मामलों में तथा वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन भी किसी सैन्य कार्यवाही से पूर्व, डिफैन्स मंत्री के मार्फत, राष्ट्रपति से इजाजत लेकर आगे कार्यवाही करते हैं।
- नये डिफैन्स मंत्री एक मीडिया पर्सनैलिटी हैं, वे वरिष्ठ टी.वी. कमैंटटेटर रहे हैं, वे एक सेना में भी रहे हैं तथा इराक व अफगानिस्तानें सेवाएं दे चुके हैं, लेकिन सैन्य रणनीतिकार नहीं रहे हैं।

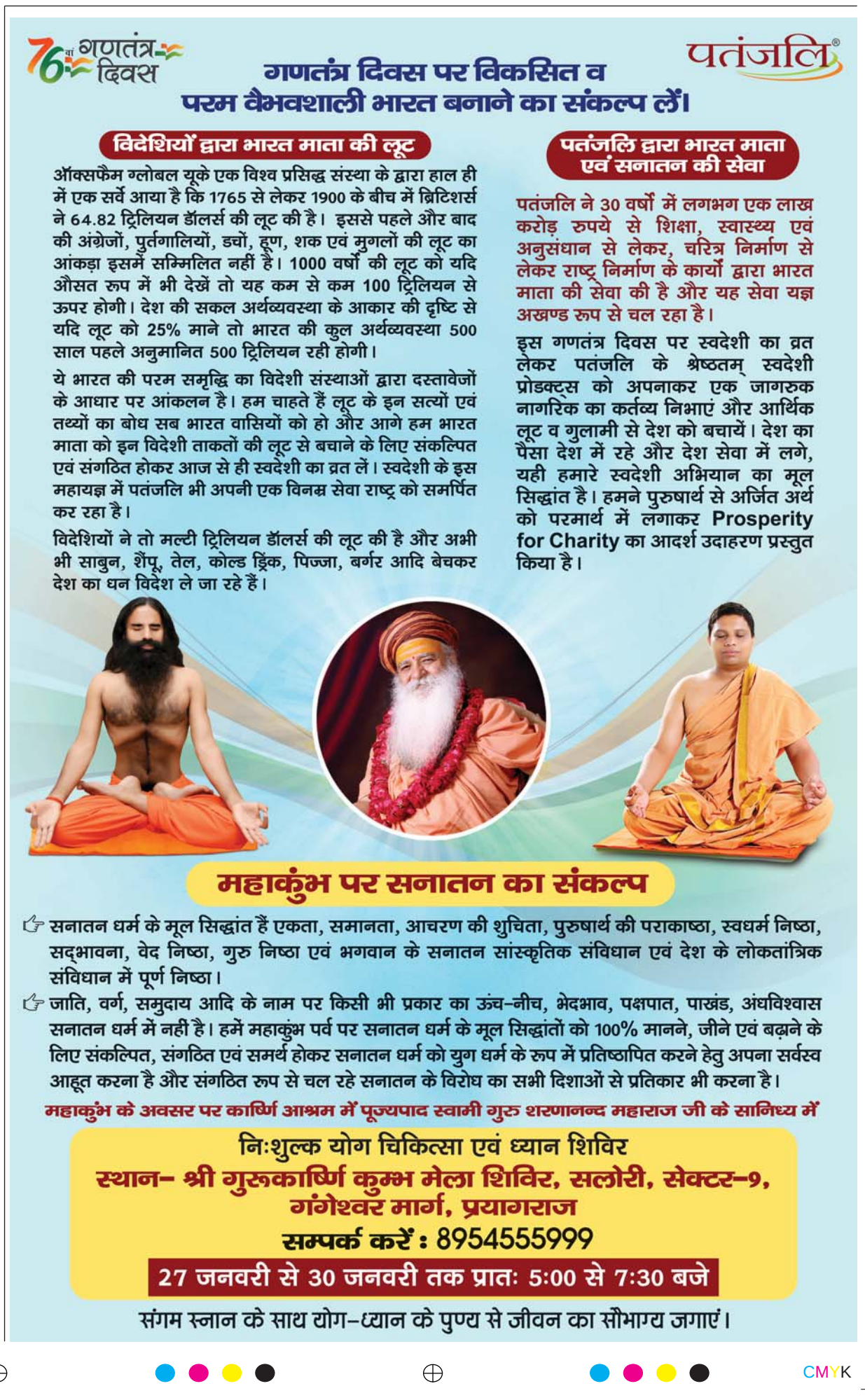

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

आयुर्वेदोक्त भोजन से जरा-व्याधि-मुक्त भारत की परिकल्पना साकार हो सकती है

आयुर्वेद में आहार का विज्ञान बहुत विशाल है जो, रसायन और औषधियों के साथ मिलकर, हमें स्वस्थ रखने और रोगों को दूर करने में मदद करता है। आधुनिक वैज्ञानिक शोध से अब यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि शरीर में फ्री-रेडिकल्स के बढ़ने से होने वाला ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, यह दो बाते हैं जो अंततः मानव शरीर के नाश का कारण बनती हैं। अतः यदि इन दोनों को नियंत्रित कर लें तो जरा व्याधि से मुक्ति मिल सकती है। शोध से यह भी सिद्ध हो चुका है कि आयुर्वेद-सम्मत भोजन और रसायन यही दोनों काम-एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटीइन्फ्लेमेटोरी कार्य-बेहद मज़बूत तरीके से करते हैं।

वर्ष 2016 का चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार जापानी जीवविज्ञानी योशीनोरी ओहसुमी को जिस शोध के लिये मिला है उससे एक संभावना और उभरी है कि आयुर्वेदोक्त भोजन और रसायन, ऑटोफैगी नामक प्रक्रिया को बढ़ावा देने का कार्य भी करते हैं। ऑटोफैगी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हमारे शरीर की कोशिकायें स्वयं को खाकर द्रव्यों का पुनर्चक्रण कर लेती हैं। इस प्रक्रिया के बाधित होने पर पार्किनसन और मधुमेह जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ऑटोफैगी एक मौलिक प्रक्रिया है जिसका हमारे स्वास्थ्य एवं बीमारियों के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण स्थान है।

महर्षि चरक के अनुसार आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्य हैं (च.सं., सू.स्था., 30.26): स्वस्थस्य स्वास्थ्यरक्षणम् आतुरस्य विकारप्रशमनम्। अर्थात, स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और पीड़ित व्यक्ति के विकार का शमन। आचार्य सुश्रुत द्वारा दी गयी स्वास्थ्य की परिभाषा के अनुरूप उपयुक्त आहार हमारे शरीर के दोष, अग्नि, धातु, व मलक्रिया को सम करता है एवं प्रसन्नता प्रदान करता है: समदोषः समाग्निश्च समधातु मलक्रियः। प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थइत्यभिधीयते।। (सु.सं.,सू.स्था.,15.41)। जिस व्यक्ति के दोष, अग्नि, धातु, और मल-त्याग सन्तुलित हों, इन्द्रिय, आत्मा एवं मन प्रसन्न हो, वही स्वस्थ कहलाता है। आहार से संतुष्टि, तत्क्षण शक्ति, और संबल मिलता है, तथा आयु, तेज, उत्साह, याददाश्त, ओज, एवं पाचन में वृद्धि होती है: आहारः प्रीणनः सद्योबलकृद्देहधारकः। आयुस्तेजःसमुत्साहस्मृत्योजोऽग्निविवर्द्धनः।। (सु.सं., चि.स्था. 24.68)।

यहाँ भोजन से प्राप्त होने वाला ओज जीने के लिये बहुत महत्वपूर्ण है, जैसा कि आचार्य चरक ने लिखा है (च.सं., सू.स्था., 17.73-74): बिभेति दुर्बलोऽभीक्ष्णं ध्यायति व्यथितेन्द्रियः। दुश्छायो दुर्मना रूक्षः क्षामश्चैवौजसः क्षये।। हृदि तिष्ठित यच्छुद्धं रक्तमीषत्सपीतकम्। ओजः शरीरे संख्यातं तन्नाशान्ना विनश्यति।। सार यह है कि ओजस के क्षय हो जाने से भय, दुर्बलता, चिंता, अकर्मण्यता, पीड़ा, निरुत्साह, निस्तेज इन्द्रियाँ, शरीर की चमक में फीकापन, मन में दुःख, चेहरे में शुष्कता, और दमदार आवाज में कमी आ जाती है। ओजस हृदय में पाया जाता है और ओजस का नाश होने से शरीर विनष्ट हो जाता है। तथाकथित-व्यंजनों के नाम पर बाज़ार में उपलब्ध कचरा-भोजन या जंक-फूड के भरोसे ओजस का सत्यानाश हो रहा है। साफ़ बात यह है कि यदि हम आयुर्वेद में दी गयी सलाह के अनुसार अपना भोजन लें तो ओजस को नष्ट होने और अंततः शरीर को नष्ट होने से बचा सकते हैं। इस दिशा में सात बातें महत्वपूर्ण हैं।

सबसे पहली बात यह है कि भोजन करने के पूर्व शरीर के समस्त आवेग शान्त हों। मन प्रसन्न व निर्मल हो। अपने स्वाभाविक भोजन-समय से बहुत पहले या बाद में भोजन करना अनुचित रहता है। रात में भोजन नहीं करना चाहिये। आधुनिक विज्ञान में हुये शोध, अनुभवजन्य ज्ञान एवं शास्त्रोक्त विचारों को एकीकृत करते हुये वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह मान लेना उचित होगा कि ग्रीष्मकाल में रात्रि 8.00 बजे, शरद ऋतु में 7.00 बजे एवं वर्षा ऋतु में सूर्यास्त के पूर्व ही भोजन करना हितकारी होगा। यथासंभव जमीन पर सुखासन या पालथी लगा कर, अपनों के साथ, प्रसन्न मन से संतुलित, पोषक और स्वादिष्ट भोजन करने का अपना आनंद है।

दूसरी बात यह है कि भोजन हितकारी, पोषक और संतुलित हो तथा अपनी पाचन शक्ति को देखते हुये ही ग्रहण किया जाये। भोजन में छः रसों-मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त, व कसाय-का होना आवश्यक है। आहार की मात्रा व प्रकार, और इन दोनों के संदर्भ में शरीर की क्षमता, ये तीनों बहुत महत्वपूर्ण संकेतक हैं। उदाहरण के लिये, शालि व साठी चावल, मूंग आदि भले ही शीघ्र पचने वाले होते हैं परंतु इन्हें भी ठूँस-ठूँस कर खा लिया जाये तो पाचन में कठिनाई होती है। इसके विपरीत रोटी, पूड़ी, हलवा, गुड़, चीनी, दूध से बनी रबड़ी, खोवा, तिल, उड़द आदि स्वभाव से गरिष्ठ होते हैं, किन्तु समुचित या अल्प मात्रा में ग्रहण करने पर यह भी पच जाते हैं। लघु या हलके तथा सुपाच्य खाद्य पदार्थ वायु व अग्नि गुण प्रधान होने के कारण पाचकाग्नि को प्रदीप्त करने वाले स्वभाव के होते हैं और इन्हें तृप्तिपूर्वक खा लेने पर भी बहुत अधिक दोष उत्पन्न नहीं होते। किंतु गुरू या गरिष्ठ द्रव्य पृथ्वी तथा सोम गुण की अधिकता होने के कारण अग्नि को उदीप्त नहीं कर पाते, अतः जब तक कठोर व्यायाम से अग्नि-बल बढ़ा न लिया गया हो, तब तक इन्हें तृप्तिपूर्वक खाते ही दोष खड़े होने लगते हैं। अतः गरिष्ठ भोजन खाने से पूर्व अपने अग्नि-बल की हैसियत का खयाल रख लेना चाहिये। आचार्य चरक ने कहा है कि गरिष्ठ भोजन को पेट के आधे भाग की तृप्ति तक ही लेना चाहिये। लघु पदार्थों को भी उचित मात्रा में ही खाना चाहिये, क्योंकि समुचित मात्रा में किया गया भोजन ही हमें बल, वर्ण, सुख तथा आयु प्रदान करता है। पीठी की तरह गूंथे गये आटे व उड़द आदि की पीठी से बना हुआ भोजन भी गरिष्ठ होता है। अतः भोजन करने के पश्चात् पीठी से निर्मित व्यंजन, चावल या चेवड़ा आदि को अत्यल्प मात्रा में ही खाना चाहिये। असल में बहुत तेज भूखे होने पर ही इस प्रकार के खाद्य पदार्थों का लेना उचित रहता है। सुखाई हुई सब्जियाँ, कमल की जड़, कमल की नाल आदि भी गुरू द्रव्य हैं, अतः इनका सेवन भी निरंतर नहीं करना चाहिये। दही या छाछ के साथ दूध को पका कर या फटे हुये दूध से बनाये गये बनाये गये व्यंजन एवं छैना, दही, उड़द, ज़ई आदि को भी लगातार प्रतिदिन नहीं खाना चाहिये।

> **शालिधान्य, गेहूं, जौ, साठी चावल, वनों में मिलने वाले खाद्य, हरड़, आमला, दाख-मुनक्का, परवल, मूंग, खांड, घी, वर्षा का स्वच्छ जल, दूध, मधु, अनार, सैन्धव लवण, और आँखों की ताक़त बढ़ाने के लिये रात में मधु और घी के साथ त्रिफला का सेवन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही स्वास्थ्य की रक्षा के लिये या रोगों से मुक्ति के लिये जो भी उपयोगी आहार हो उसे लिया जा सकता है।**

तीसरी बात यह है कि आयुर्वेद में भोजन व्यक्ति-व्यक्ति की स्थिति, प्रकृति, एवं ऋतुओं के आधार पर तय होता है। उदाहरण के लिये, सूखे मेवे, आलू, टमाटर, सेब, मटर, चना आदि वात को कुपित करते हैं, इसलिये वात प्रकृति के लोगों को इन पदार्थों को कभी-कभार ही लेना चाहये। जबकि मीठे फल, जैसे अंगूर, केला, संतरा, नारियल, व लाल चावल वात प्रकृति के लोगों के लिये लाभकारी हैं। इसी प्रकार अधिक मसालेदार भोजन, मूंगफली का तेल, खट्टे फल, केला, पपीता, टमाटर, लहसुन आदि पित्त दोष को कुपित करते हैं। जबकि, आम, संतरा, नाशपाती, हरी सलाद आदि पित्त दोष को शान्त करते हैं। इसी प्रकार केला, नारियल, खजूर, पपीता, अनन्नास व विभिन्न दुग्ध-उत्पाद कफ को कुपित करते हैं, जबकि सूखे मेवे, अनार, सफ़ेद चावल, अंकुरित अनाज आदि कफ प्रकृति के लोगों के लिये उपयोगी रहते हैं।

चौथी बात, शालिधान्य, गेहूं, जौ, साठी चावल, वनों में मिलने वाले खाद्य, हरड़, आमला, दाख-मुनक्का, परवल, मूंग, खांड, घी, वर्षा का स्वच्छ जल, दूध, मधु, अनार, सैन्धव लवण, और आँखों की ताक़त बढ़ाने के लिये रात में मधु और घी के साथ त्रिफला का सेवन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही स्वास्थ्य की रक्षा के लिये या रोगों से मुक्ति के लिये जो भी उपयोगी आहार हो उसे लिया जा सकता है। अनुभव के अनुसार जिन पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य ना बिगड़े या कोई नया रोग उत्पन्न नहीं हो, उन्हें खाया जा सकता है। नियमित भोजन में ऐसे द्रव्यों को भी थोड़ी मात्रा में शामिल किया जा सकता है जो आहार, रसायन और औषधि, तीनों ही प्रकारों में वर्गीकृत हैं। विविध प्रकार व विविध रंगों के स्थानीय मौसमी फल, खजूर, द्राक्षा, मुनक्का, बादाम, तिल, आँवला, लहसुन, सोंठ, कालीमिर्च, पिपली, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, शहद, गुड़, एवं त्रिफला आदि ऐसे द्रव्य हैं जिनका थोड़ा सेवन उपयोगी रहता है। वर्षा से संग्रहित किया हुआ साफ जल ही सबसे उत्तम माना जाता है। भोजन के अंत में पानी पीना हानिकारक है। जरूरी हो तो अत्यल्प मात्रा में ही लेना चाहिये।

पांचवीं बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ पकाने के बाद देर तक रख देने पर, बासी हो जाने पर या स्वरुप बदल जाने के बाद नहीं खाए जाने चाहिये। सूची तो बड़ी लम्बी है, पर सारांश में देखें तो ठंडा होने पर पुनः गर्म किया हुआ भोजन, सूख जाने के बाद पानी मिलाकर पुनः गीला किया हुआ भोजन, व कांसे के पात्र में कई दिनों तक रखा हुआ घी नहीं खाना चाहिये। अधपका, दुर्गन्धयुक्त, जला हुआ, स्वाभाविक रंग से भिन्न या रंग बदला हुये, पानी छोड़ चुके, बहुत नमक-युक्त, या बार-बार गरम किया हुआ बासी भोजन खाना हानिकारक है। गरम की हुई शहद, या शहद लेने के बाद गरम पानी पीना, रात्रि में दही या अधिक मिठाई, भोजन के अंत में मीठा और शुरुआत में तिक्त और कटु पदार्थ, गर्म पेय के तुरंत बाद ठंडा जल वर्जित हैं।

छठी बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं जो प्रायः एक-दूसरे के साथ नहीं चलते। दही व छाछ के साथ केला; नमक के साथ दूध; गुड, पिप्पली, शहद व कालीमिर्च के साथ पूड़ी; उड़द की दाल के साथ मूली; दही व दूध के साथ मूली; बासी या सूखी मूली; खट्टे फलों के साथ दूध; खीर, खोया, मलाई, व दूध के साथ खिचड़ी और अल्कोहल; खीर के साथ छाछ; दही के साथ खजूर; कमल-ककड़ी के साथ अंकुरित अनाज; शहद के साथ खजूर और दारू; और बराबर मात्रा में घी को शहद के साथ, या शहद, घी, वसा, तेल और जल को एक साथ मिलाकर नहीं खाना चाहिये। शोध में पाया गया है कि ग्रीन चाय के साथ दूध, चाय के साथ लहसुन, अनार-रस के साथ अंगूर-रस, हरे टमाटर और आलू के साथ अल्कोहल नहीं लेना चाहिये।

और अंत में, आयुर्वेद के इतिहास में 5000 वर्षों के दौरान लिखे गये अनेकानेक ग्रंथों को खंगाल डालने पर कहीं भी पिज़्ज़ादिवर्ग, बर्गरादिवर्ग, कुर्कुरादिवर्ग, फिंगरचिप्सादिवर्ग या मैग्यादिवर्ग जैसे आहार द्रव्यों का वर्णन नहीं प्राप्त होता। अतः आयुर्वेद के जन्मदाता समाज के मध्य इनका उपयोग वर्ष में एकाध-दो बार स्वाद बदलने के लिये ही किया जाना हितकारी हो सकता है!

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहा महाकुंभ

विनोद पाठक

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर इन दिनों दुनिया का सबसे बड़ा अस्थाई शहर बस चुका है। इसी अस्थाई शहर में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक दुनिया का सबसे बड़ा मेला महाकुंभ आयोजित हो रहा है। 4200 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले महाकुंभ मेला क्षेत्र में न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर से श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचना शुरू हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दावा है कि 40-45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक इस बार महाकुंभ मेले में आएंगे। यही कारण है कि छोटी से लेकर बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों की नजरें महाकुंभ मेले पर हैं। महाकुंभ मेले की तैयारियों पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी भारी राशि का निवेश किया है। अनुमान है कि महाकुंभ मेले से न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलने वाली है।

भारत को धार्मिक स्थलों और मेलों का देश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। देश में उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक सैकड़ों छोटे-बड़े मेले लगते हैं। 5000 से अधिक धार्मिक स्थल हैं। भारत ही नहीं, दुनिया भर में धार्मिक स्थल और मेले अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने के केंद्र बिंदु हैं। भारत के करीब-करीब सभी राज्यों में अनेक बड़े धार्मिक स्थल हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अभी अयोध्या और काशी में ही देखा गया, यहां से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिला है। अयोध्या में पिछले वर्ष जनवरी से सितंबर तक 13.56 करोड़ लोग दर्शन करने पहुंचे थे, जबकि इसी अवधि में आगरा में 12.51 करोड़ लोग ताजमहल को देखने के लिए पहुंचे थे। इस बार नववर्ष के पहले ही दिन 8 लाख लोग काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में दर्शनों को पहुंच गए। गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में मंदिरों से होने वाली आय राज्य सरकार को बड़ा संबल प्रदान कर रही है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों में बड़े मेले लगते हैं।

प्रयागराज में महाकुंभ मेले के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने करीब 15,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। 566 प्रोजेक्ट्स महाकुंभ के लिए चलाए गए हैं। मेले क्षेत्र को बसाने में 21 विभागों की भागीदारी रही है। इस बार मेले का आकार भी बढ़ाया गया है। वर्ष 2019 के अर्द्धकुंभ में 3200 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र था, जो इस बार 4200 हेक्टेयर हो गया है। सेक्टरों की संख्या 20 से बढ़कर 25 हो गई है। घाटों की लंबाई 8 किलोमीटर से बढ़कर 12 किलोमीटर हुई है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए 1850 हेक्टेयर में पार्किंग बनाई गई है। पांटून पुल की संख्या 22 बढ़ाकर 30 की गई है। 1.5 लाख अस्थाई और 500 स्थाई शौचालय बनाए गए हैं। मेला क्षेत्र में पौने दो लाख से अधिक टेंट लगे हैं और 25,000 लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है। 67,000 एलईडी लाइट्स मेला क्षेत्र को दूधिया रोशनी प्रदान कर रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने 7260.45 करोड़ रुपए का बजट जारी किया है, जिससे 441 प्रोजेक्ट और 125 डिपार्टमेंटल प्रोजेक्ट्स पूर्ण हुए हैं। इनमें 75 प्रतिशत पर स्थाई स्ट्रक्चर हैं। सबसे अधिक 42 प्रतिशत बजट पुल और रोड डेवलपमेंट पर खर्च हुआ है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि महाकुंभ मेले से राज्य में 2 लाख करोड़ रुपए की आर्थिक वृद्धि दर्ज होगी। वर्ष 2019 के कुंभ ने राज्य की अर्थव्यवस्था में 1.2 लाख करोड़ रुपए का योगदान दिया था। उत्तर प्रदेश सरकार को महाकुंभ मेले से 25,000 करोड़ रुपए का सीधे राजस्व की प्राप्ति होगी, जो किराए, सेवा शुल्क और टैक्स के रूप में मिलेगा। छोटे दुकानदार से लेकर होटल इंडस्ट्री, ट्रांसपोर्टेशन, फूड इंडस्ट्री, रिटेल टूर एंड ट्रैवल, गारमेंट जैसे अनेक सेगमेंट्स को फायदा मिल रहा है। महाकुंभ मेले क्षेत्र में बसी टेंट सिटी में 2000 से लेकर 80,000 रुपए तक के लक्जरी टेंट उपलब्ध हैं। केवल महाकुंभ मेले की तैयारियों से 45,000 से अधिक परिवारों को सीधा रोजगार मिला है। देश भर में महाकुंभ मेले से लोगों को रोजगार और आर्थिक लाभ हो रहा है। इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 1882 में ब्रिटिश सरकार के समय प्रयागराज में कुंभ मेले के आयोजन पर सरकारी कोष से 20,228 रुपए खर्च हुए थे, जबकि 49,840 रुपए की आमदनी के साथ 29,612 रुपए का लाभ सरकार को हुआ था।

केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में देश में धार्मिक पर्यटन के लिए 67.7 करोड़ लोग निकले थे, यह संख्या वर्ष 2022 में 143.9 करोड़ तक पहुंच गई। वर्ष 2022 में धार्मिक पर्यटन से राजस्व 7.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 16.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। वर्ष 2023 में भारत में धार्मिक पर्यटन मार्केट 1172.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का था, जो वर्ष 2024 से 2032 के बीच 17.75 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 5102.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों को लुभाने के लिए छोटे-बड़े ब्रांड जुटे हैं। रिटेल स्टेट सलाहकार सीबीआरआई ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि तिरुपति, पुरी, अमृतसर, अजमेर जैसे मझले आकार के शहरों में रिटेल ब्रांड अपने प्रॉडक्ट्स को उतार चुके हैं। अमृतसर, अजमेर, कटरा, सोमनाथ, वाराणसी, शिरडी, पुरी, अयोध्या, मथुरा, तिरुपति, द्वारका, बोधगया, गुरुवयूर और मदुरै में आध्यात्मिक पर्यटन में वृद्धि का लाभ रिटेल ब्रांड उठा रहे हैं। दुनिया की सभी बड़ी फूड इंडस्ट्रीज भारत में धार्मिक पर्यटन स्थलों की ओर रुख कर चुकी हैं।

वर्ष 2014 में देश की सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धार्मिक स्थलों के विकास पर खास जोर दिया है। धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार और कनेक्टिविटी पर सरकार बहुत तेजी से काम कर रही है। स्वदेश दर्शन और प्रसाद जैसी कई योजनाओं के माध्यम से 120 परियोजनाएं चलाई गई हैं, जिन पर 6800 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुए हैं। देश में 1.5 लाख किलोमीटर का रोड नेटवर्क बिछाया जा चुका है। 500 से अधिक नए हवाई मार्ग और 150 से अधिक नए एयरपोर्ट्स से एयर कनेक्टिविटी में बढ़ोतरी हुई है। 100 से अधिक पर्यटक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं पिछले 10 साल में पूरी की गई हैं।

महाकुंभ का प्रचार भारत समेत दुनियाभर में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार कर रही है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को तीर्थराज प्रयाग में लगाया जा सके। पहली बार महाकुंभ में उच्च तकनीक का प्रयोग हो रहा है। डिजिटल एक्सपीरियंस सेंटर से लेकर कुंभ सहायक चैटबॉट, जो 11 भारतीय भाषाओं में संवाद में सक्षम है, को लॉन्च किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैस फेस रीडिंग कैमरे लगाए गए हैं। एंटी ड्रोन सिस्टम एक्टिवेट किया गया है। टॉयलेट सफाई से लेकर पुलिस व्यवस्था के लिए एप्स बनाए गए हैं। पहली बार दुनिया में किसी अस्थाई शहर में गूगल नेविगेशन की सुविधा दे रहा है।

पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रयागराज आए थे और गंगा पूजन किया था, तब उन्होंने महाकुंभ को महापर्व कहा था। अगले 45 दिनों में इसी महापर्व में विश्व का सबसे बड़ा मानवों का एकत्रीकरण होने वाला है। 6 बड़े स्नान पर्वों पर करोड़ों लोग पावन गंगा, यमुना व सरस्वती की त्रिवेणी में डुबकी लगाएंगे और यह डुबकी देश की अर्थव्यवस्था को एक नया मार्ग दिखाने वाली होगी। आध्यात्मिक-सांस्कृतिक रूप से देश को और आगे बढ़ाने वाली होगी। महाकुंभ केवल स्नान और पुण्य कमाने का पर्व नहीं, बल्कि देश की इकोनॉमी को नई दिशा और नई गति देने वाला भी होगा।

–विनोद पाठक,
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)।

यूजर चार्ज का विरोध, अजमेर में व्यापारियों ने बाजार बंद किये

नगर निगम की कार्रवाई पर व्यापारियों ने प्रदर्शन कर विरोध जताया

अजमेर, (निसं)। नगर निगम द्वारा व्यापारियों को यूजर्स चार्जेस, फायर एनओसी और यूडीएच कर की वसूली के लिए डराने-धमकाने और दुकानों को सीज करने की धमकी दिए जाने के विरोध में शनिवार को अजमेर के करीब 35 बाजारों में स्वेच्छा से बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

श्री टॉकीज अहाता मोहल्ला क्षेत्र में बाबा गेस्ट हाउस के बाहर श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र बंसल और महासचिव रमेश लालवानी के नेतृत्व में व्यापारियों ने विरोध रैली निकाली। इस रैली में न्यू मैजेस्टिक बाजार, गिदवानी बाजार, डिग्गी बाजार, सोदागर मोहल्ला धसेटी बाजार, सदर बाजार सहित कई बाजारों के प्रतिनिधि शामिल हुए। व्यापारियों ने नारे लगाते हुए नगर निगम की कार्रवाई को तानाशाही करार दिया। व्यापारियों का आरोप है कि नगर निगम के कर्मचारी समूह बनाकर बाजारों में दुकानों को सीज करने की धमकी दे रहे हैं और यूजर्स चार्जेस और फायर एनओसी के नाम पर डराने-धमकाने का काम कर रहे हैं। महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कई दुकानदार पहले ही फायर सिलेंडर लगवा चुके हैं, इसके बावजूद फायर एनओसी के नाम पर उन्हें परेशान किया जा रहा है।

> **■ आरोप है कि निगम कर्मी समूह बनाकर बाजारों में दुकानों को सीज करने की धमकी दे रहे हैं**

महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र बंसल ने कहा कि निगम की यह तानाशाही नीति व्यापारियों के लिए असहनीय है। यदि निगम ने अपनी हठधर्मिता नहीं छोड़ी, तो आंदोलन और उग्र होगा। जरूरत पड़ी तो अजमेर में अनिश्चितकालीन बंद भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महासंघ लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को सामने रख रहा है, लेकिन निगम का रवैया सरकार की बदनामी करने वाला है।

रैली और सभा का आयोजन :-अहाता मोहल्ला से शुरू हुई रैली डिग्गी बाजार, सोदागर मोहल्ला, उतार घसेटी होते हुए सदर बाजार तक पहुंची। रैली के दौरान व्यापारियों ने नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सभा को संबोधित करते हुए महासचिव रमेश लालवानी ने कहा कि निगम की नीतियां व्यापारियों को बेवजह परेशान करने वाली हैं। व्यापारियों ने सामूहिक रूप से मांग की कि यूजर्स चार्जेस और फायर एनओसी के नाम पर हो रही वसूली को रोका जाए।

व्यापारिक संघों का समर्थन :-विरोध प्रदर्शन में खजाना गली, नला बाजार, डिग्गी बाजार, बालाजी व्यापार मंडल, अहाता मौहल्ला खारी कुई, रावण की बगीची, जटियावास, और घी मंडी सहित कई बाजारों के व्यापारिक संगठनों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से विजय गोयल, हीरालाल जिंगर, अशोक छतवानी, नरेंद्र सोनी, गौरीशंकर पंवार, विजय ग्वालानी, अशोक बालानी और नवीन पारवानी सहित अन्य व्यापारियों ने भाग लिया।

नए राजस्व ग्राम घोषित करने के आदेश की क्रियान्विति पर हाईकोर्ट की रोक

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के नए राजस्व ग्राम घोषित करने के लिए जारी परिपत्र में तय निर्धारित मापदंडों के विपरीत जाकर तीन नए राजस्व ग्राम घोषित करने के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई है। नियमानुसार नए राजस्व ग्राम का नाम किसी व्यक्ति विशेष, धर्म, जाति, और उपजाति के नाम पर किये जाने पर स्पष्ट मनाही है। बावजूद इसके नियम कायदों को दरकिनार कर नए प्रस्तावित गांवों के नाम स्थानीय वार्ड पंच और पार्टी कार्यकर्ता के पूर्वजों के नाम पर कर प्रस्तावित कर दिए गए। याची की तरफ से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी ने पैरवी की। राजस्थान हाइकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की एकलपीठ में मामले की सुनवाई हुई। राज्य सरकार सहित ज़िला कलेक्टर जोधपुर से जवाब तलब किया है। अगली सुनवाई 14 फ़रवरी 2025 को होगी।

जोधपुर जिले की शेरगढ़ तहसील के ग्राम पंचायत ख़िरजा फतेहसिंह के मूल राजस्व ग्राम ख़िरजा भोजा निवासी डूंगरसिंह सहित पांच अन्य की ओर से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी व विनीता चांगल ने रिट याचिका दायर कर बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसी भी राजस्व ग्राम में आबादी बढ़ जाने और मूलभूत सुविधाओं के सुलभ और नज़दीक उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत परिपत्र जारी कर नये ग्राम बनाये जाने के लिए निर्धारित मापदंड और नियम बना रखे हैं और उसी के अनुरूप समय की जरूरत अनुसार नए राजस्व गांव प्रस्तावित होते रहे हैं, लेकिन राजनीतिक दुर्भावनापूर्वक और राजनैतिक पार्टी के व्यक्ति विशेष को उपकृत करने के एक मात्र उद्देश्य से याचिकाकर्ताओं के मूल राजस्व ग्राम ख़िरजा भोजा में से तीन नये ग्राम प्रस्तावित कर दिए गए । जिस पर याचिकाकर्ताओं सहित सभी ग्रामवासियों ने लिखित में आपत्तियां भी पेश की लेकिन स्थानीय विधायक की विशेष अनुशंषा और दख़ल अंदाजी होने से सभी आपत्तियों को दरकिनार कर दिया गया और अपेक्षित मापदंडों को कंसीडर किये बिना ही व्यक्ति विशेष के पूर्वजों के नाम से तीन नए राजस्व गांव बनाते हुए 10 जनवरी 2025 को अधिसूचना जारी कर दी गयी, जिसे रिट याचिका दायर कर चुनौती दी गई।

> **■ नियमानुसार नए राजस्व ग्राम का नाम किसी व्यक्ति विशेष, धर्म, जाति, और उपजाति के नाम पर किये जाने पर स्पष्ट मनाही है**

याचीगण की ओर से अधिवक्ता ख़िलेरी ने बताया कि नियमानुसार नए राजस्व ग्राम के लिए आबादी, चरागाह, सिवायचक जमीन, आबादी जमीन, आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के विस्तार इत्यादि के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए ही नए राजस्व गांव का सृजन किया जा सकता है, लेकिन राजस्व विभाग द्वारा ग्राम ख़िरजा भोजा से तीन नए गांव घोषित करने के लिए जारी की गई अधिसूचना राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 16 में विहित प्रक्रिया और प्रावधानों के विपरीत होकर मात्र राजनैतिक व गैरवाजिब, गैरकानूनी और असवैधानिक है।

प्रकरण के तथ्यों और मामले की परिस्थितियों का अनुशीलन कर और याची के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होकर राजस्थान हाइकोर्ट एकलपीठ न्यायाधीश ने शेरगढ़ तहसील के नवसृजित तीन राजस्व गांव के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार को जवाब तलब किया।

राशिफल रविवार 26 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, ज्येष्ठा नक्षत्र प्रातः 8:26 तक, व्याघात योग रात्रि 3:57 तक, कौलव करण प्रातः 8:43 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 8:26 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 8:26 से सूर्योदय तक है। आज भारतीय गणतंत्र दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:39 से 9:59 तक, लाभ-अमृत 9:59 से 12:39 तक, शुभ 1:59 से 3:19 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 6:00

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। मित्रों/रिश्तेदारों संबंध खराब हो सकते हैं।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिंता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह
आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कन्या
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

PMCH HEALTH ADVISORS

NABH ACCREDITED — PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE
H-2024-1409

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर

नि:शुल्क

चिकित्सा परामर्श, जाँच, भर्ती एवं ऑपरेशन शिविर

जनवरी 26 2025 से फरवरी 25 2025

समय: प्रात 9.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक

- नि:शुल्क परामर्श
- नि:शुल्क रक्त एवं मूत्र की जाँच
- नि:शुल्क वार्ड में भर्ती
- नि:शुल्क ECG, X-Ray, इकोकार्डियोग्राफी मैमोग्राफी
- नि:शुल्क सभी तरह के ऑपरेशन
- नि:शुल्क बच्चेदानी का ऑपरेशन (दवाइयों सहित)
- CT Scan मात्र ₹1500/-
- MRI मात्र ₹2500/-

बवासीर (पाईल्स), फिशर, फिस्टुला एवं अन्य गठान का नि:शुल्क ऑपरेशन

(दवाइयों सहित)

रजिस्ट्रेशन अनिवार्य : 9587894326

नि:शुल्क डिलीवरी

(सामान्य एवं सिजेरियन)

गर्भधारण से डिलीवरी तक आपके एवं शिशु के सम्पूर्ण ईलाज की नि:शुल्क सुविधा (जाँच एवं दवाईयों सहित)

डिलीवरी के 4 माह पूर्व पंजीकरण कराने पर प्राईवेट रूम की नि:शुल्क सुविधा

रजिस्ट्रेशन अनिवार्य : 9828144314

हर्निया, अपेंडिक्स एवं पित्त की थैली की पथरी का ऑपरेशन

मात्र ₹5000/- (दवाइयों सहित)

रजिस्ट्रेशन अनिवार्य : 9587894326

डॉ. अतुलाभ वाजपेयी — लकवा एवं मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ | डॉ. सी.पी. पुरोहित — इन्टरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट | डॉ. मनोज महाजन — कैंसर रोग विशेषज्ञ | डॉ. आशीष मेहता — पेट एवं लीवर रोग विशेषज्ञ | डॉ. वीरेन्द चौधरी — फिजिशियन | डॉ. गिरीश वर्मा — फिजिशियन | डॉ. नीलेश पतिरा — फिजिशियन | डॉ. जगदीश विश्नोई — फिजिशियन | डॉ. वीरेन्द्र कुमार गोयल — फिजिशियन | डॉ. शौकत अली बोहरा — फिजिशियन | डॉ. सौरभ गुप्ता — एंडोक्राइनोलॉजी | डॉ. जयेश त्रिवेदी — फिजिशियन | डॉ. बी. कुमार — फिजिशियन | डॉ. रसीद खान — फिजिशियन | डॉ. मोहित नरेडी — नैफ्रोलॉजिस्ट | डॉ. एस.जी.मेहता — मनोरोग विशेषज्ञ | डॉ. सुनील कुमार — वक्ष एवं क्षय रोग विशेषज्ञ | डॉ. अतुल लोहाडिया — पल्मेनोलॉजिस्ट एवं वक्ष एवं क्षय रोग विशेषज्ञ

डॉ. विश्वास जौहरी — जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन | डॉ. धवल शर्मा — जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन | डॉ. गौरव वधावन — जनरल सर्जन | डॉ. एम.एम. मंगल — जनरल सर्जन | डॉ. के.सी. व्यास — जनरल सर्जन | डॉ. हनुवंत सिंह राठौड़ — यूरोलॉजिस्ट एवं रिकन्स्ट्रक्शनल सर्जन | डॉ. प्रवीण झंवर — बाल एवं नवजात शिशु सर्जन | डॉ. विकेश कुमार जोशी — कान्सलटेन्ट जी.आई. सर्जन | डॉ. सौरभ शर्मा — कैंसर रोग सर्जन | डॉ. गुरु भूषण — बर्न एंव प्लास्टिक सर्जन | डॉ. अनुरोध शाडिल्य — स्पाइन एवं जोड़ प्रत्यारोपण सर्जन | डॉ. शिव कौशिक — नाक–कान–गला विशेषज्ञ | डॉ. राजरानी शर्मा — स्त्री एवं प्रसूति रोग सर्जन | डॉ. वैभव कुमार — नेत्र रोग सर्जन | डॉ. शिवानी भारद्वाज — चर्म रोग एवं सौन्दर्य विशेषज्ञ | डॉ. पुनीत जैन — बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ | डॉ. मनीषा वाजपेयी — साइंटिफिक डायरेक्टर, आई.वी.एफ

मेडिसिन विभाग

- मस्तिष्क रोग विभाग
- हृदय रोग विभाग
- पेट एवं लीवर रोग विभाग
- कैंसर रोग विभाग
- मधुमेह, थायराइड एवं हार्मोन रोग विभाग
- जनरल मेडिसिन विभाग
- गुर्दा रोग विभाग

सर्जरी विभाग

- मूत्र रोग सर्जरी विभाग
- कैंसर रोग सर्जरी विभाग
- पेट एवं लीवर रोग सर्जरी विभाग
- बाल एवं नवजात शिशु सर्जरी विभाग
- जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग
- बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग

- नाक-कान-गला रोग विभाग
- वक्ष एवं क्षय रोग विभाग
- बाल एवं शिशु रोग विभाग
- ऑर्थो एवं स्पाइन विभाग
- स्त्री एवं प्रसुति रोग विभाग
- मनो चिकित्सा विभाग
- नेत्र रोग विभाग
- चर्म रोग विभाग

IVF@₹70,000*
इंजेक्शन सहित
*नियम व शर्तें लागू।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना | RGHS राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना | कर्मचारी राज्य बीमा योजना ESIC | जननी सुरक्षा योजना JSY

अंबेरी पुलिया से पेसिफिक हॉस्पिटल बेदला के लिए आने एवं जाने के लिए मरीजों को नि:शुल्क वाहन की सुविधा

योजनाओं एवं सभी इंश्योरेंस एवं TPA के कैशलेस ईलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

*नियम व शर्तें लागू। *दवाईयां, इम्प्लांट एवं कन्ज्यूमेबल अतिरिक्त

24/7 सुविधाऐं उपलब्ध

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

भीलों का बेदला, एन.एच.-27, प्रताप पुरा, अम्बेरी, उदयपुर - 313011 (राजस्थान)
फोन : 9549597248, 8239278607

अजमेर दरगाह वाद मामले के परिवादी विष्णु गुप्ता पर बदमाशों ने फायरिंग की

किसी तरह अपनी जान बचाते हुए विष्णु गुप्ता और ड्राइवर ने गाड़ी की रफ्तार दोगुनी कर ली और अपनी जान बचाई

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने मौके पर जाकर जांच की।

- हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता अपने ड्राइवर के साथ दिल्ली जा रहे थे, बाइक सवार दो बदमाशों ने फायरिंग की और फरार हो गए
- गोलीबारी की वारदात अजमेर-दिल्ली हाईवे पर गगवाना के निकट लाडपुरा पुलिया के पास हुई, पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे, एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए
- दरगाह वाद प्रकरण में याचिका दायर करने के बाद से विष्णु गुप्ता को लगातार धमकियां मिल रही थी, इसी के चलते पुलिस ने एक पीएसओ तैनात किया था

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा साहब की दरगाह में मंदिर होने के दावे के प्रकरण में परिवादी और हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता पर शनिवार सुबह अज्ञात बदमाशों ने गोलीबारी की और फरार हो गए। यह वारदात अजमेर-दिल्ली हाईवे पर गगवाना के निकट लाडपुरा पुलिया के पास हुई। गुप्ता अपने ड्राइवर के साथ दिल्ली जा रहे थे, तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने उनका पीछा करते हुए फायरिंग की घटना को अंजाम दिया और मौके बदमाश फरार हो गए।

परिवादी विष्णु गुप्ता ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि कार से दिल्ली जा रहे थे, तभी गगवाना के निकट लाडपुरा पुलिस के पास शनिवार सुबह करीब छह बजे उनकी कार पर अज्ञात बदमाशों ने पहली गोली चलाई गई, जिसके बाद ड्राइवर ने कार की गति तेज कर दी। थोड़ी ही देर बाद बदमाशों ने दूसरी गोली चलाई, जो कार के नीचले हिस्से में लगी। किसी तरह अपनी जान बचाते हुए गुप्ता और उनके ड्राइवर ने गाड़ी की रफ्तार दोगुनी कर ली, जिसके बाद हमलावर फरार हो गए। गुप्ता ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद गेगल थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा और जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल को सील कर एफएसएल टीम ने जांच शुरू कर दी। कार पर गोली लगने के निशान मिले हैं और साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि बदमाशों की पहचान हो सके।

दरगाह वाद प्रकरण में याचिका दायर करने के बाद से विष्णु गुप्ता को लगातार धमकियां मिल रही थीं। इसी के चलते पुलिस ने उनके लिए एक पीएसओ तैनात किया था। हालांकि घटना के समय सुरक्षा गार्ड उनके साथ मौजूद नहीं था। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि एफएसएल टीम ने गाड़ी की जांच कर गोलीबारी के साक्ष्य जुटाए हैं। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग और आस-पास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हमलावर कौन थे और वे किस उद्देश्य से फायरिंग कर रहे थे।

गुप्ता ने कहा मैं डरने वाली नहीं... :- बदमाशों द्वारा फायरिंग की घटना के बाद विष्णु गुप्ता ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें पहले भी धमकियां मिल चुकी हैं, लेकिन वे इस तरह के हमलों से डरेंगे नहीं। वहीं हमले ने उनकी सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि यह पहली बार नहीं है, जब विष्णु गुप्ता को निशाना बनाया गया हो। करीब तीन महीने पहले उन्होंने अजमेर के क्रिश्चियनगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें धमकी भरे फोन कॉल्स आ रहे हैं। कॉलर ने उनसे दरगाह में हिंदू मंदिर होने के मामले को वापस लेने की धमकी दी थी और जान से मारने की बात कही थी। इसके अलावा कॉल पर गाली-गलौच और अपमानजनक भाषा का उपयोग किया गया था।

डिस्कॉम का तकनीशियन दस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

आरोपी तकनीशियन ने परिवादी को जुर्माने का भय दिखाकर रिश्वत मांगी थी

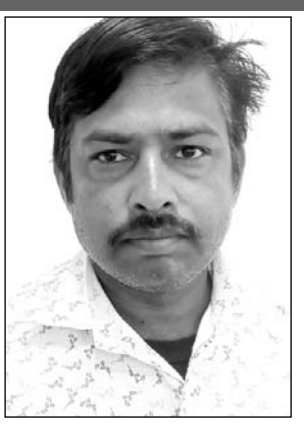

आरोपी तकनीशियन

जोधपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जोधपुर के केतूकला में विद्युत विभाग के तकनीशियन प्रथम (लाइनमैन) को दस हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी ने परिवादी को जुर्माने का भय दिखाकर रिश्वत मांगी थी। सत्यापन के बाद शनिवार को उसे गिरफ्तार किया।

ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की जोधपुर ग्रामीण इकाई द्वारा शनिवार को कार्रवाई करते हुए आरोपी तकनीशियन प्रथम (लाइनमैन) केतुकला कार्यालय सहायक अभियन्ता विद्युत विभाग सेखाला डिस्कॉम के खेमचंद को पकड़ा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी जोधपुर ग्रामीण इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके बिजली कनेक्शन पर केतूकला के विद्युत विभाग के तकनीशियन प्रथम (लाइनमैन) खेमचन्द द्वारा एक लाख रूपए की शीट फाड़ने का भय दिखाकर 15 हजार रूपए की रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है।

ब्यूरो के डीआईजी हरेन्द्र महावर के सुपरविजन में एसीबी जोधपुर ग्रामीण इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस सोनी के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी खेमचन्द तकनीशियन प्रथम (लाइनमेन) केतुकला कार्यालय सहायक अभियन्ता विद्युत विभाग सेखाला डिस्कॉम जोधपुर को परिवादी से 10 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी खेमचन्द लाइनमैन द्वारा शिकायत के सत्यापन के समय भी परिवादी से 3 हजार रूपए रिश्वत के रूप में वसूल कर लिए थे। आरोपी से पूछताछ जारी है।

कोचिंग छात्र के अपहरण का खुलासा, दो गिरफ्तार

- पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार को भी जप्त किया
- दिल्ली का रहने वाला छात्र नीट की कोचिंग कर रहा था

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर इलाके में दिल्ली निवासी नीट की कोचिंग कर रहे छात्र का अपहरण कर फिरौती मांगने का मामला सामने आने पर पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार भी जप्त की है।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि नीट की तैयारी कर रहे कोचिंग छात्र ने 24 जनवरी को विज्ञान नगर थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि 21 जनवरी शाम को कुछ लड़के काले रंग की स्कार्पियो कार में लेकर आये और दो घंटे तक कार में उसे इधर से उधर घुमाने के बाद धमकी देते हुए होस्टल पर छोड़ गये। शहर एसपी ने कहा कि मामला सामने आने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक लोकेन्द्र पालीवाल के निर्देशन में विज्ञान नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया एवं सीसीटीवी फुटैज खंगाले। शहर एसपी ने बताया कि टीम ने तकनीकी सहायता एवं मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मोहित मिश्रा उर्फ रोहित एवं अरूपराज रजक उर्फ अरूण को डिटेन किया।

विज्ञान नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि उनके बीच रूपयों के लेन-देन का विवाद है, वह उसको समझाने के लिये लेकर गये थे। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि फरियादी छात्र के एक दोस्त ने अंशुल गुर्जर को 20 हजार रूपये उधार दिये थे। अंशुल गुर्जर के पास लौटाने के रूपये नहीं थे तो फरियादी छात्र के दोस्त ने अंशुल गुर्जर के पिता को फोन करने की बात कही। इस बात से नाराज होकर अंशुल गुर्जर, मोहित, अरूपराज व अन्य ने फरियादी छात्र को स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठाकर ले गये थे और उससे हर माह 5000 रूपये की फिरौती मांगने की बात भी सामने आयी है। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में मोहित मिश्रा उर्फ ऑक्सीजन उर्फ रोहित (22) एवं अरूपराज रजक उर्फ अरूण (20) को गिरफ्तार कर लिया है। प्रकरण में अन्यों आरोपियों की तलाश जारी है।

फरियादी छात्र की मां ने बताया कि छह माह पहले उसका बेटा नीट की तैयारी के लिए कोटा आया है। हॉस्टल से फोन गया कि वे दो दिन से कमरे के बाहर नहीं निकला है। उन्होंने फोन पर अपने बेटे से संपर्क किया लेकिन उसके बेटे ने फोन नहीं उठाया जिसके बाद वो दिल्ली से कोटा पहुंची तब जाकर उन्हें पूरी घटना का पता चला और इसकी जानकारी पुलिस को दी।

नकली नोटों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। जंक्शन सिटी पुलिस ने नकली नोटों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 10 लाख 75 हजार रुपए के नकली नोट बरामद हुए हैं। आरोपी भोले-भाले लोगों को नोट दोगुना करने का झांसा देकर असली नोटों के बदले नकली नोट देकर फरार हो जाते थे। पुलिस फिलहाल दोनों आरोपियों का रिमांड मंजूर करवा कर पूछताछ में जुटी हुई है।

एसीपी अरशद अली ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली कि हनुमानगढ़ में एक ठगी का गिरोह सक्रिय है, जो लोगों को नोट दुगना करने का झांसा देकर ठगी करता है। इस सूचना पर एसपी ने जिला विशेष टीम के माध्यम से गिरोह की गतिविधियों पर नजर रखने के आदेश दिए। पुलिस टीम ने लगातार सूचनाओं का संकलन कर गुरजंट सिंह उर्फ बिटटू और लखवीर सिंह उर्फ लखा को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों से 10 लाख 75 हजार रुपये के नकली नोट (चिल्ड्रन बैंक) और 2200 रुपए की असली भारतीय मुद्रा बरामद की गई। आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना हनुमानगढ़ जंक्शन में मामला दर्ज कर लिया गया है। विशेष रूप से यह भी पता चला है कि इन आरोपियों के खिलाफ पहले भी ठगी के कई मामले दर्ज हैं।

आरोपी लोगों से संपर्क कर उन्हें नोट दुगना करने का झांसा देते थे। वे वीडियो के जरिए नकली नोटों की गडियां दिखाकर विश्वास जीतते थे। शुरुआत में वे कस्टमर को एक असली नोट सैम्पल के रूप में दिखाते थे, ताकि ग्राहक को यह विश्वास हो जाए कि वह नोट असली है। बाद में जब ग्राहक उनसे मिलने के लिए आता था, तो आरोपी नकली नोटों की गड्डियां बनाकर उनके साथ ठगी करते थे, असली नोट के ऊपर-नीचे नकली नोट लगा कर उन्हें धोखा देते थे। मामले में पकड़े गए आरोपियों की पहचान गुरजंट सिंह उर्फ बिटटू उर्फ जन्टा (28) पुत्र कश्मीर सिंह रायसिख, निवासी फतेहपुर थाना संगरिया, हनुमानगढ़ और लखवीर सिंह उर्फ लखविन्द्र सिंह उर्फ लखा (27) पुत्र जगराज सिंह मजबीसिख, निवासी चक ज्वालासिंह वाला, हनुमानगढ़ के रूप में हुई। इस पूरे ऑपरेशन में जिला विशेष टीम (डीएसटी) हनुमानगढ़ की अहम भूमिका रही है, जिनकी सूझबूझ और मेहनत से यह सफलता मिली। सीओ सिटी मीनाक्षी और जंक्शन सिटी थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

जमीन के लिए बुजुर्ग महिला को जलाने का प्रयास

हनुमानगढ़, (निसं)। टिब्बी पुलिस थाने में बुजुर्ग महिला ने बेटे-बहू के खिलाफ घर में घुसकर जेवरात व नकदी चुराने और जमीन अपने नाम करवाने के लिए जलाकर मारने का प्रयास करने का मामला दर्ज कराया है।

टिब्बी थाने के एएसआई देवीलाल ने बताया कि निर्मला (65) पत्नी भूपसिंह बिश्नोई निवासी राधा स्वामी डेरे के पास, टिब्बी ने इस्तगासे के जरिए मुकदमा दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि वह रिहायशी मकान में अपने पुत्र सुरेश कुमार के साथ रहती है। उसके नाम से चक नम्बर 14 जीजीआर में 25 बीघा भूमि है। उसके दो पुत्र सुरेश कुमार व पवन कुमार व दो पुत्रियां हैं। उसने अपने पुत्रों को नोहर तहसील की 20 बीघा जमीन बंटवारे में देकर उनके नाम से दर्ज करवा दी थी, जबकि उक्त 25 बीघा भूमि उसके खुद के कब्जा काश्त में है। उसका पुत्र पवन कुमार व पुत्रवधू रवीना उर्फ रेणु निवासी चक 14 जीजीआर तहसील टिब्बी उसे परेशान करते हैं। आए दिन लड़ाई-झगड़ा व मारपीट करते हैं। पवन कुमार व रवीना ने उसकी भूमि अपने नाम करवाने के लिए एक बार उसे जलाकर मारने का प्रयास भी किया। वह पुत्र व पुत्रवधू से डरकर अपने मकान को ताला लगाकर अपने दूसरे पुत्र सुरेश सहित पुत्री के पास जयपुर चली गई। जब वे 16 जनवरी को जयपुर से वापस घर आकर देखा कि घर के गेट पर लगा ताला टूटा हुआ था। उसके घर में पवन कुमार व पुत्रवधू रवीना उर्फ रेणु किसी समय मकान का ताला तोड़कर जबरदस्ती उसके मकान में घुस गए। उन्होंने सन्दूक में रखे 10 तोला सोने के आभूषण व दो लाख रुपए की नकदी चोरी कर ली।

सरकारी स्कूलों को पांच हजार प्रिंसिपल मिलेंगे

बीकानेर, (निसं)। सरकारी स्कूलों में काम कर रहे पांच हज़ार टीचर्स को प्रिंसिपल की पोस्ट पर प्रमोट किया गया है। अब इन टीचर्स को अन्य स्कूल की जिम्मेदारी दी जाएगी, लेकिन फिलहाल पुराने पद पर काम करते रहेंगे।

राजस्थान शिक्षा (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम-2021 के नियम 31 (ख) के प्रावधानों के अनुसार प्राचार्य एवं समकक्ष पदों पर पदोन्नति के लिए गठित विभागीय पदोन्नति समिति की 17 जनवरी को आयोजित बैठक में की गई अनुशंषा के अनुसार उपप्राचार्य पद के 5005 अभ्यर्थियों का प्राचार्य एवं समकक्ष पद डीपीसी वर्ष 2023-24 के लिए उपलब्ध रिक्ति के प्रति वरिष्ठता-सह-योग्यता के आधार पर चयन किया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने शुक्रवार को विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयनित 5005 कार्मिकों को आगामी आदेशों तक अपने वर्तमान पद को अस्थाई रूप से यथा आवश्यकता अनुसार क्रमोन्नत मानते हुए अपने नाम के सम्मुख अंकित तिथि को अथवा इसके पश्चात कार्यग्रहण कर यथावत कार्यरत रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कार्यग्रहण रिपोर्ट अविलम्ब विभाग को सूचित करने के लिए निर्देशित किया है। समस्त कार्मिकों को आदेश जारी होने से आगामी 15 दिवस तक पदोन्नति पर कार्यग्रहण किया जाना अनिवार्य होगा, अन्यथा स्वत: पदोन्नति परित्याग माना जाएगा और पदोन्नति परित्याग संबंधी आदेश जारी करने की कार्यवाही के लिए विभाग स्वतंत्र रहेगा।

असम राइफल्स में वारंट ऑफिसर की नौकरी लगाने के नाम पर दस लाख की ठगी

पिता-पुत्र ने मिलीभगत कर फर्जी कॉल लेटर जारी करवाया, अब धोखाधड़ी में केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती रममान का हत्था एकता नगर में रहने वाले युवक को उसके भाई की असम राइफल्स में वारंट ऑफिसर पद पर नौकरी लगाने के नाम पर बाप-बेटे ने दस लाख की ठगी कर ली। ना तो दोनों ने नौकरी दिलवाई और ना ही रकम लौटा रहे हैं। बाप-बेटे ने मिलीभगत कर फर्जी कॉल लेटर भी जारी करवाया। पीड़ित ने अब मंडोर थाने में कोर्ट में इस्तगासा दायर कर फर्जीवाड़े का केस दर्ज कराया है। पुलिस ने अग्रिम पड़ताल आरंभ की है।

मामले में मेघवालों का बास गढ़सूरिया बोरूंदा हाल एकता नगर रमजान का हत्था बनाड़ निवासी अर्जुनराम मेघवाल ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि पीपाड़ शहर के जालका निवासी जबराराम और उसके पुत्र रामकिशोर ने मिलकर उसके साथ दस लाख की ठगी कर ली। रिपोर्ट के अनुसार परिवादी के पास में 17 मई 23 को रामकिशोर और उसके पिता जबराराम का कॉल आया था। तब उन्होंने परिवादी के भाई दिलीप परिहार को असम राइफल्स टेक्निकल एंड ट्रेडसमैन रिक्रूटमेंट रैली में वारंट ऑफिसर के पद पर गारण्टी से नौकरी लगाने का विश्वास दिलाया और कहा कि हम तेरे भाई को नौकरी लगा देंगे। नौकरी के एवज में करीबन 10 लाख रूपये की मांग की। रामकिशोर चौपड़ा के परिचित व मित्र होने के कारण परिवादी ने रामकिशोर व उसके पिता जबराराम पर विश्वास व भरोसा करते हुए ऑनलाइन फोन पे के जरिये अलग-अलग 21 मई 2024 से अलग-अलग तारीखों तक करीबन 7 लाख रूपये मोबाईल पर अदा कर दिए।

आरोपियों ने 6 फरवरी 2024 को 3 लाख पहले ही रोकड़ ले लिए थे। इसके कुछ समय बाद प्रार्थी द्वारा रामकिशोर व उसके पिता जबराराम को फोन किया गया जिस पर उनके द्वारा कहा गया कि कुछ दिन तक रुकों तुम्हारे भाई की नौकरी के लिए आगे बात कर ली है और उन्हें रूपयें भी भेज दिए है। आपके भाई की नौकरी का कॉल लेटर व ई-मेल के जरिये सूचना आ जायेगी। उसके बाद प्रार्थी कुछ दिन तक रूका। तब 22 नवंबर 2023 व 5 जुलाई 2024 को प्रोविजिनल अपॉइंटमेंट लेटर का कॉल लेटर आया।

तब परिवादी को 22 नवम्बर 2023 व 5 जुलाई 2024 को प्राप्त कॉल लेटर की सत्यता जानने के लिए विभाग जाने से पूर्व रोक लिया गया। बाद में रामकिशोर चौपड़ा का कॉल व मैसेज आया और कहा कि असम राइफल्स टेक्निकल एंड ट्रेडसमैन रिक्रूटमेंट रैली वारंट ऑफिसर के पद की भर्ती रद्द कर दी गई और रामकिशोर ने यह भी कहा कि अनेक अभ्यर्थियों के फर्जी कॉल-लेटर जारी कर दिए हैं, इसलिए भर्ती रद्द कर दी गई है। बाद में जब उनसे रूपए वापिस मांगे तो वे टालमटोल जवाब देने के साथ नौकरी लगवाने का आश्वासन देते रहे। आखिरकार में रूपए लौटाने से इंकार कर धमकाया और कहा कि उनके द्वारा ही फर्जी कॉल लेटर जारी करवाया गया था।

वध के लिए ले जाते दो ऊंट जब्त

जुरहरा, (निसं)। शनिवार को जुरहरा थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम कुकरपुरी के जंगल में वध के प्रयोजन से राजस्थान सीमा से हरियाणा सीमा की तरफ ले जा रहे दो ऊंटों को जब्त कर कब्जे में लिया। पुलिस टीम ने जमील पुत्र नूर मौहम्मद, हसन पुत्र इलियास, तालिम पुत्र इलियास, शाहिद पुत्र जमील निवासी ग्राम लुहिंगा कला थाना पुन्हाना हरियाणा का काफी पीछा किया, लेकिन दूरी अधिक होने, कच्चे रास्ता, खड़ी फसल एवं हरियाणा सीमा की भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021 (Comptroller Office))
No. : F2/VMOU/Purchase & Store/2024-25/2328 Date : 24/01/2025

NOTICE INVITING TENDERS

Tenders are hereby invited from reputed & registered firms/agencies for "Supply, Installation & Commissioning of Apple Mac Studio" (Estimated Cost Rs. 10.00 Lakh , NIB No. 47/2024-25 ,UBN No. VMU2425GSOB00046). Further details may be obtained from **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in** & **www.vmou.ac.in** w.e.f. 30/01/2025.

Raj.Samwad/C/24/10814 OIC P&S

Reg.No-2621-Y-25-02-2011 GSTIN: 05AAIAS5032P1ZZ

सलुम्बर क्रय विक्रय सहकारी समिति लि.सलुम्बर
जिला सलुम्बर राजस्थान

क्रमांक 11 दिनांक 25-01-2025

मिड-डे-मिल योजनान्तर्गत भारतीय खाद्य निगम/सी.डब्ल्यू.सी./आर.एस.डब्ल्युसी, व अन्य स्थान के गोदाम से उठाकर सलुम्बर जिले के सलुम्बर झल्लारा, सराडा, सेमारी, जयसमन्द और लसाडिया पंचायत ससिति के विद्यालयो में वितरण करने हेत निविदा वर्ष 2025-26 में राजकीय दरों मे कम या ज्यादा प्रतिशत राशि पर मोहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं निविदा प्रपत्र कार्यालय समय में दिनांक 25/01/2025 से 06/02/2025 तक कार्यालय समय में 500 /-रुपये जमा कराकर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा जमा कराने की दिनांक 06/02/2025 को दोपहर 2.00 बजे एवं उसी दिन दोपहर 3.00 बजे निविदाताओ के समक्ष सलुम्बर क्रय विक्रय सहकारी समिति में खोली जावेगी। विस्तृत निविदा शर्तें कार्यालय समय में देखी जा सकती है। निविदा स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार निविदा कमेटी में निहित होगा। निविदा बिना बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित है।

मुख्य प्रबन्धक
सलुम्बर क्रय विक्रय सहकारी समिति लि सलुम्बर

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे डीडवाना जिले के दौरे पर रही

डीडवाना, (निसं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शनिवार को डीडवाना जिले के दौरे पर रही। इस दौरान वे मकराना के बोरावड़ पहुंची, जहां पूर्व विधायक श्रीराम भींचर की पत्नी के निधन पर आयोजित शोक सभा में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का यह दौरा शोक संवेदना व्यक्त करने से जुड़ा था, लेकिन इस दौरे से वसुंधरा राजे ने डीडवाना जिले की सियासत को साधने का काम किया है।

इससे पूर्व वसुंधरा राजे ने खरनाल के सत्यवादी वीर तेजाजी मंदिर के दर्शन कर तेजाजी महाराज को नमन किया। इसके बाद वसुंधरा राजे डीडवाना विधानसभा के ग्राम छोटी खाटू पहुंची, जहां वसुंधरा राजे का स्वागत समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर डीडवाना विधायक यूनुस खान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने वसुंधरा राजे का अभिनंदन किया। वहीं विधायक यूनुस खान ने वसुंधरा राजे को चुनरी ओढ़ाई। इस दौरान राज्यमंत्री मंजू बाघमार, खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में वसुंधरा राजे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अपनी भाजपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डीडवाना और नागौर जिले सहित पूरे प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर किया, जिस डीडवाना व नागौर जिले के लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर थे, उस नागौर को हमारी सरकार ने हिमालय का मीठा पानी पिलाया। पूरे प्रदेश में सड़कों का मजबूत नेटवर्क बनाकर प्रमुख शहरों के साथ ही गांव, ढाणियों को भी सड़कों से जोड़ा। हमारी सरकार ने आमजन को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने के लिए भामाशाह योजना चालू की। महिला सुरक्षा और किसान उत्थान के लिए कई योजनाएं लागू की।

डीडवाना विधायक यूनुस खान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने वसुंधरा राजे का अभिनंदन किया।

- राजे ने मकराना के पूर्व विधायक श्रीराम भींचर की पत्नी के निधन पर शोक जताया
- वसुंधरा राजे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताई

इस अवसर पर वसुंधरा राजे ने कहा कि भाजपा ही राजस्थान का चहुंमुखी विकास कर सकती है। इसलिए जनता ने 2023 में विकास विरोधी व जनविरोधी कांग्रेस सरकार को बदलकर प्रदेश की कमान फिर से भाजपा को सौंप दी है। अब प्रदेश फिर से प्रगति के पथ पर अग्रसित होगा और किसान, युवा, महिला, मजदूर, छात्र, बेरोजगार हर वर्ग को सम्मान से जीवन-यापन करने का मौका मिलेगा।

राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम
कौशल भवन, जे-8-बी, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर-302004 (राजस्थान)
फोन - 0141-5103246, 5103247 वेबसाइट - www.livelihoods.rajasthan.gov.in

क्रमांक :- आरएसएलडीसी/प्रशा./रिक्तियां/2024-25/राजकाज 13177997 दिनांक :- 23/01/2025

विज्ञप्ति

राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम द्वारा राज्य के बेरोजगार युवाओं के कौशल प्रशिक्षण की परियोजना के क्रियान्यवन हेतु निम्नलिखित पदों पर राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/सार्वजनिक उपक्रमों/बोर्ड/संघ के योग्य एवं अनुभवी अधिकारियों से विशेष चयन द्वारा प्रतिनियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

क्र. सं.	पद का नाम	पद की ग्रेड पे/7th पे मेट्रिक्स लेवल	आवश्यक न्यूनतम ग्रेड पे/7th पे मेट्रिक्स लेवल	रिक्त पद
1.	महाप्रबन्धक	8200/L-20	7600/L-19	2
2.	उपमहाप्रबन्धक	7600/L-19	6600/L-16	1
3.	प्रबंधक	6600/L-16	5400/L-14	5

नोट :-
1. विस्तृत विज्ञप्ति, शर्तों एवं आवेदनपत्र का प्रारूप www.livelihoods.rajasthan.gov.in विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। रिक्त पदों की संख्या कम या अधिक भी हो सकती है। जिसके अनुसार प्राप्त आवेदनो में से चयन समिति द्वारा चयन किया जायेगा।
2. उपरोक्त सभी पद विशेष चयन से भरे जाने हैं।
3. विज्ञप्ति में दर्शाये गये पदो का पैनल तैयार किया जाएगा।
4. निगम द्वारा आवदेक के पैतृक विभाग (नियुक्ति अधिकारी) से अग्रेषित प्राप्त आवेदन पत्र पर ही विचार किया जाएगा।
5. एक आवेदक द्वारा अधिकतम दो पदों के लिए आवेदन किया जा सकता है।
6. आवेदन की अन्तिम तिथि 24.02.2025 है।
7. निजी प्रतिष्ठानों में कार्यरत कार्मिक कृपया आवेदन नहीं करें।

राज.संवाद/सी/24/10827 प्रबन्ध निदेशक

खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र 31 जनवरी तक करें 'गिव अप'

नाम नहीं हटवाने वाले अपात्र व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी सरकार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र व्यक्ति के लिये खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा 3 दिसम्बर, 2024 से 'गिव अप' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत अपात्र व्यक्ति अपना नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। अगर 31 जनवरी 2025 तक स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की जायेगी।

कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह प्रत्येक उपखंड में ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी, उचित मूल्य दुकानदारों के माध्यम से इस प्रकार के व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटवाने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए जयपुर ग्रामीण और शहर की सभी उचित मूल्य दुकानों पर नाम हटवाने हेतु आवेदन पत्र उपलब्ध करवाये गये हैं।

- **अब तक जयपुर में 15 हजार से अधिक अपात्र लाभार्थियों ने सूची से नाम हटवाये**
- **जिले की उचित मूल्य दुकानों से प्राप्त किये जा सकते हैं नाम हटवाने के आवेदन पत्र**

जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि आयकरदाता, सरकार कर्मचारी, अर्द्ध सरकारी कर्मचारी, स्वायतशासी संस्था में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी, एक लाख से अधिक वार्षिक पारिवारिक आय वाले व्यक्ति, ट्रेक्टर एवं एक वाणिज्यिक वाहन जो जोविकोपार्जन में प्रयोग आते है, को छोड़कर चौपहिया वाहन धारक व्यक्ति अथवा निष्कासन की श्रेणी में आने वाले अन्य व्यक्तियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने की कार्यवाही सुनिश्चित करावें।

उन्होंने बताया कि कोई भी अपात्र व्यक्ति अपनी निकटतम उचित मूल्य दुकान से आवेदन पत्र प्राप्त कर अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवा सकता है। उन्होंने बताया कि 24 जनवरी तक जयपुर शहर एवं ग्रामीण में 'गिव अप' अभियान में 15 हजार उपभोक्ताओं द्वारा अपने नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाये गये हैं। सरकार अब ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी, जो खाद्य सुरक्षा सूची की निष्कासन श्रेणी में शामिल होने के बावजूद भी इस योजना का लाभ ले रहे हैं। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि 31 जनवरी के पश्चात खाद्य सुरक्षा सूची में पाये जाने वाले कार्मिकों के विरुद्ध वसूली, शास्ति आरोपित की जावेगी। इस पेनल्टी की गणना 27 रुपये प्रति किलोग्राम के अनुसार खाद्य सुरक्षा सूची में नाम अंकित होने की तिथि से नाम हटाने की तिथि तक उस व्यक्ति द्वारा जितना खाद्यान्न प्राप्त किया गया है, के अनुसार की जाकर मय ब्याज वसूली की जायेगी।

जयपुर पुलिस ने अलसुबह छापेमारी कर 200 हार्डकोर बदमाश दबोचे

पुलिस ने इनमें से 130 आरोपियों को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया, शेष से पूछताछ जारी

जयपुर पुलिस ने शनिवार अल सुबह अभियान चलाकर 200 हार्डकोर और संदिग्ध बदमाशों के ठिकानों पर दबिश दी।

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने शनिवार अल सुबह अभियान चलाकर दक्षिण जिले के अलावा सभी थाना क्षेत्रों के लगभग 200 हार्डकोर और संदिग्ध बदमाशों को हिरासत लिया, अब इनसे पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो एवं उन्हें त्वरित न्याय मिल सके, इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की धरपकड के लिए अभियान चलाया गया है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि इस अभियान तहत सक्रिय अपराधियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया एवं उनके खिलाफ विधि एवं न्याय अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस उपायुक्त पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि जिला पूर्व के सभी थाना क्षेत्रों में चलाए गए अभियान में 170 बीएनएस में एनडीपीएस एक्ट, एमवी एक्ट, में लगभग 100 अपराधियों को गिरफ्तार किया। एक वाहन चोर का मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पश्चिम जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अल सुबह दबिश देकर 170 बीएनएस, एनडीपीएस एक्ट, 207 एमवी एक्ट में लगभग 30 अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त उत्तर राशि डूडी डोगरा ने बताया कि उत्तर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अपराधियों के खिलाफ धरपकड अभियान चलाया है। अभियान तहत सक्रिय अपराधियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

राजस्थान पुलिस बैंड की मनमोहक धुनों पर बही राष्ट्रभक्ति की रसधार

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर हुआ विशेष कार्यक्रम का आयोजन

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर राजस्थान पुलिस की कई बटालियन के बैंडवादकों ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दी। फोटो-राष्ट्रदूत

जयपुर। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर राजस्थान पुलिस के बैंड, हाड़ी रानी महिला बटालियन पाइप पुलिस बैंड, तेरहवीं बटालियन बैंड, जयपुर पुलिस आयुक्तालय के बैंड तथा आरएसी की चौथी एवं पांचवी बटालियन के बैंडवादकों ने अपनी सामूहिक प्रस्तुतियों में देशभक्ति की बयार बहाकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

बैंड वादकों ने जय हो..., कदम-कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा, ये जिंदगी है कौम की तू कौम पर लुटाए जा.... जैसे देश भक्ति के नगमों की धुनों की आकर्षक प्रस्तुतियों से समां बांधते हुए माहौल में देश भक्ति का रस घोल दिया जिस को वहां उपस्थित लोगों ने जम कर सराहा। राजस्थान पुलिस के बैंड वादकों के इस दल ने आकर्षक गणवेश में अनुशासन और लयबद्धता के साथ प्रस्तुतियों की अमिट छाप छोड़ी।

- **'राजस्थान पुलिस की प्रतिभा का डंका देशभर में बजा'**

पुलिस महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने पाईप बैण्ड कंन्डक्टर पूनम सपेरा को नागालैण्ड में आयोजित 25वीं अखिल भारतीय पुलिस बैण्ड प्रतियोगिता 2024 में राजस्थान पुलिस महिला पाईप बैण्ड ने गोल्ड मैडल (प्रथम स्थान) एवं पाईप बैण्ड कंन्डक्टर में पाईप बैण्ड का बेस्ट कन्डक्टर चुने जाने एवं ऑल ओवर चैंपियनशिप ट्रॉफी से नवाजा जाने पर उन्हें शुभकामनायें देकर उनका हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में मौजूद पुलिस महानिदेशक एससीआरबी, साईबर क्राईम एवं तकनीकी सेवायें हेमन्त प्रियदर्शी, सहित पुलिस मुख्यालय से एडीजी और आईजी रैंक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बैंडवादक पुलिसकर्मियों की हौसला अफ़ज़ाई की। वहीं बैंडवादकों की प्रस्तुतियों ने आमजन और गणमान्य लोगों से भी खूब तालियां बटोरी।

जयपुर में हितधारक और विषय विशेषज्ञ करेंगे बजट पूर्व संवाद

जयपुर (कासं)। जयपुर जिला कलेक्ट्रेट में 27 से 29 जनवरी तक संभाग स्तरीय बजट पूर्व परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञ एवं हितधारक बजट पूर्व संवाद करेंगे एवं बजट को लेकर अपने सुझाव भी देंगे।

कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी द्वारा हितधारकों से सुझाव प्राप्त करने हेतु संवाद और परिचर्चा की कार्य योजना के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर विनीता सिंह के निर्देशन में उपमहानिरीक्षक पंजीयन एवं कलेक्टर (मुद्रांक) डॉ. गोरधन लाल शर्मा को नोडल प्रभारी नामित किया गया है। इसके साथ दल में कोषाधिकारी जयपुर जय कौशिक, वरिष्ठ लेखाधिकारी आशीष नागर, मुख्य आयोजना अधिकारी रामेश्वर मीना तथा सहायक लेखाधिकारी प्रथम रामनिवास को शामिल किया गया है।

उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं कलेक्टर (मुद्रांक) डॉ. गोरधन लाल शर्मा ने बताया कि आगामी बजट को लेकर कार्यशाला में प्रतिदिन दो सत्रों में

- **संभाग स्तरीय बजट पूर्व हितधारक परामर्श कार्यशाला का होगा आयोजन**
- **27 से 29 जनवरी तक आयोजित होगा बजट पूर्व संवाद**

विभिन्न क्षेत्रों एवं विषयों पर चर्चा की जाएगी। सोमवार को प्रातः 11 बजे उद्घाटन सत्र में कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के हितधारक, कर सलाहकार एवं व्यवसायी वहीं, दिन के दूसरे सत्र में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधि बजट पूर्व संवाद करेंगे।

उन्होंने बताया कि मंगलवार 28 जनवरी को जनजातीय क्षेत्र विकास, किसान एवं पशुपालन क्षेत्र के हितधारक तो वहीं, बुधवार 29 जनवरी महिला प्रतिनिधि, मेघावी छात्र, युवा खिलाड़ी, गैर सरकारी संगठनों, सिविल सोसायटी एवं उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधि बजट पूर्व संवाद में अपनी राय रखेंगे।

शुभम कुमार शर्मा प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त हुए

जयपुर। ब्राह्मण समाज राजस्थान कार्यकारिणी के निर्णयानुसार प्रदेशाध्यक्ष अम्बिका प्रकाश पाठक ने शुभम कुमार शर्मा को युवा प्रकाष्ठ का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है।

महिलाओं की अश्लील फोटो खींच रहे थे 3 बदमाश

जयपुर। उप जिला अस्पताल में तीन बदमाशों द्वारा महिलाओं के अश्लील फोटो खींचने का मामला सामने आया है। इस मामले में उप जिला अस्पताल प्रशासन ने चौमूं थाने में मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस के अनुसार कुसलपुरा सामोद निवासी गोकुल चंद मीणा ने मामला दर्ज करवाया कि वह उप जिला अस्पताल चौमूं में सुरक्षा गार्ड है। यहां पर के एल सैनी और उसके दो साथी महिलाओं की फोटो खींच रहे थे। इस दौरान महिलाएं अपने बच्चों को स्तनपान करवा रही थी इसके अलावा बदमाश महिलाओं के इंजेक्शन लगाते समय की तस्वीर उतार रहे थे। जब इस मामले में महिला नर्सिंग कर्मियों ने आरोपियों को ऐसा करने से टोका तो वे अभद्रता पर उतार आए और उनके साथ धक्का-मुक्की की।

- **उप जिला प्रशासन ने कराया आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज**

सार-समाचार

बच्चों को गर्म कपड़े व कॉपियां बांटी

जयपुर। अभिलाषा वीमेन वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जरूरतमंद स्कूली बच्चों को गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। पत्रकार कॉलोनी में गणपतपुरा स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों को स्वेटर बांटे गए। राउंड टेबल इंडिया की ओर से बच्चों को कॉपियां वितरित की गईं। अभिलाषा वीमेन वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष डॉ रमा माथुर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को खाने के पैकेट भी दिए गए। स्वेटर, कॉपियां और फूड पैकेट पाकर बच्चे बेहद ख़ुश दिखे। स्कूल के प्रधानाध्यापक राजेंद्र कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग किया। इस अवसर पर सोसायटी की सचिव डॉ कल्पना माथुर, सांस्कृतिक सचिव जया कल्ला और डॉ अंटू सक्सेना सहित सोसायटी के सदस्य मौजूद थे। डॉ. रमा माथुर ने बताया कि सोसायटी समय-समय पर ऐसे जनोपयोगी कार्यक्रम आयोजित करती रही है।

गोविंद देवजी मंदिर में राष्ट्रीय उत्सव आज

जयपुर। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस का उल्लास रविवार को छोटीकाशी के मंदिरों में भी छाएगा। इस मौके पर आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में राष्ट्रोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सुबह नौ से ग्यारह बजे तक यहां देव भक्ति के साथ देशभक्ति के कार्यक्रम होंगे। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में होने वाले आयोजन में गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के विद्वान राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देश प्रेम से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि इस मौके पर निशुल्क गायत्री महायज्ञ भी होगा। इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। राष्ट्रोत्सव शुभारंभ देशभक्ति गीतों और गुरु वंदना के साथ होगा। इसके बाद वेदमाता-देवमाता-विश्व माता गायत्री गोविंद देवजी और गुरू सत्ता का पूजन किया जाएगा। गायत्री महायज्ञ में देश की आजादी के आंदोलन में शहीद होने वाले क्रांतिकारियों और शहीदों का पुण्य स्मरण करते हुए विशेष आहुतियां अर्पित की जाएंगी। लोग शहीदों की शहादत को याद रखें इसके लिए देशभक्तों के जीवन चरित्र पर आधारित पुस्तकों की स्टॉल भी लगाई जाएगी। यहां लागत दर पर पुस्तकें उपलब्ध रहेगी।

प्योर ईवी का एक्स प्लेटफॉर्म 3.0 लॉन्च

जयपुर। भारत के प्रमुख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माताओं में से एक "प्योर ईवी" ने शनिवार को एक्स प्लेटफॉर्म का एक महत्वपूर्ण अपग्रेड, एक्स प्लेटफॉर्म 3.0 लॉन्च करने की घोषणा की। एडवांस एआई तकनीक द्वारा संचालित यह नया प्लेटफॉर्म, यूजर एक्सपीरियंस बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वाहन के प्रदर्शन, कनेक्टिविटी और समग्र राइडर सुविधा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई एडवांस फीचर्स के साथ उपलब्ध है। थ्रिल मोड एक्स प्लेटफॉर्म 3.0 की मुख्य विशेषताओं में से एक है, जो टॉर्क और समग्र प्रदर्शन को 25 प्रतिशत तक बढ़ाता है। यह फीचर यूजर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो एक दमदार और पावरफुल ड्राइविंग एक्सपीरियंस की तलाश में हैं। यह फीचर इलेक्ट्रिक वाहन प्रदर्शन में नए मानक स्थापित करता है। यह जानकारी प्योर ईवी के संस्थापक और एमडी डॉ. निशांत डोंगरी ने दी है।

गणतंत्र दिवस पर शुभकामनाएं दी

जयपुर। पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने देश के 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों तथा राजस्थान पुलिस के समस्त अधिकारियों, जवानों और उनके परिवारजनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। पुलिस महानिदेशक साहू ने कहा कि आज हम विकसित गणतंत्र के नागरिक होना हमारा सौभाग्य है। यह गणतंत्र हमें आजादी के आंदोलन में देश की आन-बान और शान के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले अनगिनत अमर शहीदों के बलिदान से प्राप्त हुआ है। साहू ने कहा कि राजस्थान पुलिस की कर्तव्यपरायणता, अनुशासन और सेवाभाव पर हम सभी को नाज़ है। देश की एकता और अखण्डता को मज़बूत बनाए रखने और राष्ट्र की प्रगति में सतत योगदान देना हम सबका प्राथमिक दायित्व है। संविधान की मूल भावना के अनुरुप आचरण और व्यवहार करते हुए देश में शांति और भाईचारे की परम्पराओं को अक्षुण्ण रखना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। पुलिस महानिदेशक ने इस मौके पर पुलिस अधिकारियों और जवानों से अपील की है कि वे राज्य सरकार की मंशा के अनुरुप प्रदेश में जनसेवा और जनसुरक्षा के ध्येय को सर्वोपरि रखते हुए आने वाले समय में और अधिक सज़गता के साथ कत्तव्यों के सतत निर्वहन का संकल्प लें।

लिफ्ट देकर युवक से लूटपाट

जयपुर। लिफ्ट देकर बाइक सवार बदमाश ने एक युवक से नगदी व मोबाइल लूट लिया। इस सम्बंध में पीडित ने दौलतपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार मानपुरा निवासी श्रवण कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि वह घर जाने के लिए 12 नम्बर पुलिया पर खड़ा था इसी दौरान उसने एक बाइक सवार से लिफ्ट मांगी। आरोपी ने उसे बैठा लिया और वह उसे खेरवाड़ी पुलिया के पास ले गया। वहां पर आरोपी ने डरा धमका कर उससे 3000 रुपए और मोबाइल ले लिए और वहां से चला गया। इस पर पीडित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नशीला पेय पदार्थ पिलाकर चोरी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नशीला पेय पदार्थ पिलाकर सोने का ब्रासलेट चुराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पीडित राहूल सैनी निवासी करधनी ने दर्ज कराया कि 12 जनवरी को उसका बडा भाई राकेश सैनी होटल पर था। इस दौरान जानकार व्यक्ति जयकुमार सैनी उर्फ सोनू उर्फ अजय होटल पर आया। उसके बाद कुछ देर तक वहां बैठ कर बात-चीत की। तभी जय कुमार सैनी ने कहा कि उसे आपसे कोई बात करने के लिये दूसरे कमरे में ले गया। वहा पर जय कुमार सैनी ने उसके भाई को कुछ पेय पिलाया या कोई बेहोशी की दवाई सुंगाई। उसके बाद उसका भाई बेहोश हो गया। अगले दिन होश आया तब उसने खुद को संभाला तो पता चला की आरोपी जय कुमार सैनी ने उसके भाई के हाथ में पहना हुआ सोने का ब्रासलेट व एक सोने की अंगुठी जिनकी कीमत करीब 6 लाख रूपये से अधिक है तथा करीब 25 हजार रूपये नहीं है।

इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज कंगालते हुए आरोपी को चिन्हित किया ओर और फिर आरोपी जय कुमार सैनी उफ सोनू उर्फ अजय को दस्तयाब कर उसके कब्जे से चुराया गया सोने का ब्रासलेट(सोने का 51.127 ग्राम) को बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

नाम हस्तांतरण पत्र और लीज मुक्ति प्रमाण पत्र व्हाट्सएप पर ऑनलाइन जारी करेगा जे.डी.ए.

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण अब नाम हस्तांतरण पत्र और लीज मुक्ति प्रमाण पत्र व्हाट्सएप पर ही ऑनलाइन जारी कर देगा। आमजन की सुविधा और ऑनलाइन सेवाओं में विस्तार करते हुए यह नवाचार अपनाया गया है। आवेदक के सेल्फ डिक्लेरेशन के आधार पर ही डॉक्यूमेंटस सत्यापित किए जाएंगे, इसके लिए उन्हें जे.डी.ए. में आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह जानकारी जे.डी.ए. कमिश्नर आनंदी ने दी है।

जे.डी.ए. आयुक्त आनंदी ने बताया कि नागरिकों की सुविधा और ऑनलाइन सेवाओं में विस्तार करते हुए यह सुविधा प्रारंभ की गई है। इससे जे.डी.ए. की कार्यशैली में भी पारदर्शिता आयेगी। जे.डी.ए. ने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से नाम हस्तांतरण पत्र और ओटीएलसी व्हाट्सएप पर भेजे जाने की सुविधा शुरू की गई। इस सुविधा के बाद लोगों को जेडीए कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे उनके समय की बचत होगी। अब आवेदकों को नाम हस्तांतरण पत्र एवं ओटीएलसी (लीज मुक्ति प्रमाण पत्र) डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से ऑनलाइन जारी किए जा रहे है। आम जनता की सुविधा के लिए, जेडीए ने डिजिटल हस्ताक्षिरत नाम हस्तांतरण पत्र एवं ओटीएलसी को आवेदक के मोबाइल पर व्हाट्सएप के माध्यम से भेजने का प्रावधान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि इन सुविधाओं के साथ-साथ जेडीए द्वारा साइट प्लान में सुधार, नाम में सुधार, क्षेत्रफल में सुधार, पते में सुधार सेवाएं भी ऑनलाइन प्रारंभ की गई है।जेडीए का यह प्रयास मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के नेतृत्व में लोगों को बेहतर सेवा प्रदान करना है।

- **जयपुर विकास प्राधिकरण ने नवाचार अपनाते हुए ऑनलाइन सेवाओं में वृद्धि की : आयुक्त आनंदी**
- **आवेदक के सेल्फ डिक्लेरेशन के आधार पर ही सत्यापित किए जाएंगे डॉक्यूमेंटस, इसके लिए उन्हें जे.डी.ए. में आने की जरूरत नहीं पड़ेगी**

देशज ज्ञान व आधुनिकता के समन्वय से आदिवासी युवा राष्ट्र के विकास में योगदान दें : सांसद मंजू शर्मा

जयपुर। गृह मंत्रालय की और से माय भारत-नेहरू युवा केंद्र संगठन, जयपुर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 16 वां आदिवासी युवा आदान-प्रदान का उदघाटन कार्यक्रम विवेकानंद विश्वविद्यालय में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने माँ सरस्वती, भगवान बिरसा मुंडा एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मंजू शर्मा, सांसद जयपुर शहर ने आदिवासी युवाओं की समृद्ध संस्कृति और आधुनिक सोच को एक साथ लेकर चलने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास में आदिवासी युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के माय भारत पोर्टल द्वारा मिलने वाले अवसरों की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नेहरू युवा केंद्र संगठन, पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक, डॉ.भुवनेश जैन ने युवाओं को इस कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया। जय जौहार के नारे के साथ आदिवासी संस्कृति से सभी को जोड़ा और युवाओं को जयपुर में घर जैसा अनुभव मिलने का आश्वासन दिया। एस एस जोशी, सेवानिवृत्त, राज्यनिदेशक नेहरु युवा केंद्र ने युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान किया एवं राष्ट्रिनर्माण की गतिविधियों में भाग लेने का आव्हन किया ।विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित इंजिनियर ओंकार बगारिया ने युवाओं को शुभकामनाएं दीं। प्रोफेसर एन दी माथुर ने युवाओं को खेल, शिक्षा एवं नेतृतव कार्यों में समन्वय कर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम के आयोजक श्रीकृष्ण लाल, राज्य निदेशक ,नेहरू युवा केंद्र, राजस्थान ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में, बांसवाड़ा से वाग्धारा के जयेश जोशी ने आदिवासी युवाओं को जल, जंगल, जमीन के महत्व, जनजातीय क्षेत्र में कृषि की स्थिति, संस्कृति संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। द्वितीय सत्र में, जिज्ञासा मीणा, प्रोफेसर, राजस्थान विश्विद्यालय ने युवा सशक्तिकरण के अंतर्गत सांप्रदायिक संदर्भ में विभाजक बलों (क्षेत्रवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता) द्वारा उत्पन्न खतरे और चुनौतियों एवं इन्हें रोकने में युवाओं की भूमिका पर प्रभावशाली वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में ओडिशा के कंधमाल से आई सांस्कृतिक टीम ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया।

सांसद मंजू शर्मा

- **जयपुर में जल, जंगल, जमीन पर केंद्रित 16वें आदिवासी आदान प्रदान कार्यक्रम का उद्घाटन, कंदमाल, ओड़िशा के युवक-युवतियों की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने बांधा शमां**

सूने मकान व दुकान से नकदी और जेवर चुरा ले गए बदमाश

जयपुर। शहर में चोरों ने मकान-दुकान और स्कूल को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवरात व नगदी पार कर ली।

पुलिस के अनुसार बैंक कॉलोनी निवासी शंकर लाल ने मुरलीपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसकी मुरलीपुरा स्कीम में दुकान है। चोर दुकान की प्रथम मंजिल पर लगे कांच के टफन को तोड़कर दुकान में घुसे और दुकान के गल्ले से 1.20 लाख और महंगी साड़ी एवं चुन्नियां ले गए। घटना का पता उसे अगले दिन दुकान पर पहुंचने पर लगा। इस पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने साक्ष्य लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना 23 जनवरी की रात की है। मनु विहार विस्तार जामडोली निवासी महेश कुमार स्वर्णकार ने कानोता थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था पीछे से चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी से सोने चांदी के जेवरात व नगदी ले गए। घटना 21 जनवरी की है। घटना का पता पीडिता को वापस लौटने पर लगा। वापस लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ था और कमरों के साथ अलमारी का सामान बिखरा हुआ था। चोर मकान से सोने का मंगलसूत्र, सोने की चेन, सोने के टॉप्स, चांदी का रानीहार, चांदी का हंसहार, चांदी की रखडी धनोती के साथ, चांदी की पायजेब, 20 चांदी की बिछिया, चांदी के सिक्के, सोने का नोजपिन और 30 हजार रुपए ले गए। दूसरी घटना में गणेश नगर निवासी नरेश वशिष्ठ ने मुहाना थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और चांदी का सिंघासन, चांदी के पांच बर्तन, सोने का पेंडल, दो जोड़ी चांदी के पायजेब, दो जोड़ी चांदी के बिच्छवे और 10 हजार रुपए ले गए।

Indian Republic Day

Marking the day when the Constitution of India came into effect, thereby making *India a republic*, *Indian Republic Day* is a national holiday with parades, speeches, and cultural performances all over India. It's a time for Indians to come together and reflect on their national identity and the values that unite them as a nation. The Constitution of India was adopted by the Constituent Assembly on 26th November, 1949, but it came into effect on January 26th, 1950, thus making India a republic.

When They Fly Past...

We have fought wars and recorded our braves well, commemorated them and recorded for posterity. In many ways. And here is another, to remind ourselves of what our men are made of. These are paintings recreating the famous battles won, and some men lost, but not from our memories. Paintings are done by reading accounts from various sources, and corrections are made along for true narration.

Deb Gohain,
Gp Capt (Retd)

Mystere Vs Starfighter : Sargodha: Indo- Pak war, 1965

In this painting, I tried to recreate unmatched gallantry of a young Indian pilot, who, unfortunately, did not return from a raid over Sargodha, Pakistan, on 7th September, 1965.

Squadron Leader A.B. Devayya was part of a large formation of Mysteres of No. 1 Squadron, attacking Sargodha at the crack of dawn. Owing to the extreme range of the target, only a single pass attack was possible. It was suicidal to even undertake such a mission as minor navigational error could result in entire formation running out of fuel in the enemy territory. Also, for most pilots, it was their first mission deep inside enemy territory.

Defending the PAF airbase were few US made F-86 Sabres and F-104 Starfighters, both aircraft far superior to subsonic Mysteres, that IAF had acquired from France in mid- fifties.

Mysteres reached their target on time and as they pulled up for attack, all hell turned loose, with heavy anti-aircraft fire opening up. Each pilot now concentrated to deliver his weapon accurately on the intended target. Lady luck seemed to favour them and they came out of the attack, almost unscathed. As every member ducked to ultra low levels at full speed in the homebound course, Devayya joined in after his attack as the last aircraft in the trail.

Flight Lieutenant Amjad Hussain, the lone PAF pilot flying a Starfighter, was vectored by the radar to intercept the Mysteres as they were getting away. He positioned behind the last Mystere for a missile attack which happened to be Devayya. What happened subsequently can only be pieced together by some contradictory accounts available from Pakistani source. None of the members of Devayya's formation was aware of this attack developing on their tails.

From the accounts published in books and articles in Pakistan, IAF could reconstruct what now can be termed as an 'incredible act of heroism' by an airman, who decided to stand up and fight when this should have been the last option to exercise for a pilot, who had barely enough fuel to land back home and was hundreds of miles inside the enemy territory.

It is now believed, beyond doubt, that Devayya after being shot at and his aircraft damaged by the lethal cannon fired from the Starfighter, turned around to challenge his adversary in a 'fight to finish' like a true gladiator. In the classic air battle that followed between the vintage Mystere and the state of the art, supersonic Starfighter, Devayya managed to turn the tables in his favour and hunter became the hunted. Devayya's bullets tore into the Starfighter, causing a control failure, forcing Amjad Hussain to eject from his aircraft. Amjad barely survived the ejection at low level. He was awarded the 'Sitara-i-Jur'at,' Star of Courage, the third highest military award in Pakistan, soon after the war. Devayya was put on the list of 'Missing believed Killed' after the war. What led to his actual death still remains a mystery. It was revealed much later by Pakistan that Devayya's body was found almost intact by villagers, not very far from Sargodha and buried. It is quite possible that Devayya's Mystere finally went out of control, forcing him to abandon it at low level. Unfortunately, ejection seat, fitted in a Mystere, was not designed for safe operation at low levels.

Devayya's act of gallantry would have gone unknown and unrecognised by his countrymen, had it not been for the Pakistani account that acknowledged the extreme courage of this young Indian pilot. Some 23 years later, Devayya was decorated by Indian Government with a *Maha Vir Chakra* posthumously, country's second highest gallantry award.

Air Commodore Kaiser Tufail, a retired officer of PAF in his book, *Great Air Battles of Pakistan Air Force*, had summarised the encounter between Devayya and Amjad Hussain as below.

"For many decades, the famous dogfight has confounded historians and air enthusiasts alike. The respective Air Forces cited both pilots for courage as well as their shooting skills. Flt Lt Amjad Hussain was awarded the *Sitara-i-Jur'at* soon afte the war. Sqn Ldr Ajjamada Bopayya Devayya was posthumously awarded the *Maha Vir Chakra* in April 1988, after a passage of 23 years. It can be said that medals are testimony to the dogged determination of two air knights, who gave their best in this truly classic duel."

John Fricker, an American Defence Analyst, in his book on air operations in Indo-Pak war of 1965, also mentions that shooting down in air combat of a Lockheed Starfighter of the PAF by an obsolescent Dassault Mystere IVA is among the most creditable and least published achievements by IAF during the 1965 war.

Starfighter shot down over Jamnagar

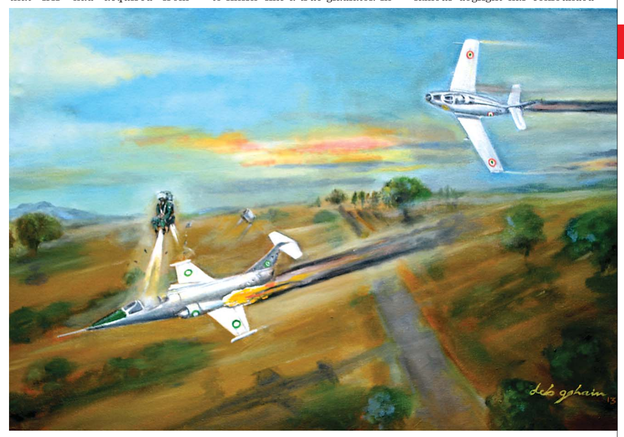

1971 war with Pakistan finally broke out on 03 Dec, 1971, with PAF carrying our pre-emptive strike against 12 IAF air bases. No. 47 Squadron, 'Black Archers' with six MiG-21FL ac were meanwhile deployed at Jamnagar for ORP duties. The detachment was headed by its CO, Wg Cdr HS Gill. Other pilots were Sqn Ldr Vinay Kapila, Vr C, Sqn Ldr Guni Saigal, Flt Lt SK (Neelu) Malik, Flt Lt BB Soni, Flt Lt IJS Boperoi etc. The recently added twin GSh-23mm cannon in gondola to MiG-21's main armament of 2 X K-13 heat seeking air-to-air missiles proved big morale booster for the squadron pilots.

The squadron had mounted dawn to dusk ORP since arrival at Jamnagar. With PAF raids limited to only few night time unsuccessful raids over the airfield, ORP duties were becoming quite tedious for the MiG pilots. The long awaited ORP hooter, however, finally came to life on 12 December, with Sqn Ldr Guni Saigal and Flt Lt BB Soni on ORP duty. CAP Controller was Flt Lt IJS Boperoi, assisted by two Pilot Officers from OCU.

MOPs positioned along the Saurashtra coast had reported two bandits flying low, crossing the coast in the general direction of Jamnagar. Two MiGs on ORP quickly got airborne to set up CAP overhead at 3 kms (10,000 Ft). Shortly, CAP Controller reported sighting of two bandits at low level, with No 2 in a long trail, approaching the airfield from the direction of the town. Bandits were identified as two PAF F-104A Starfighters. The lead Starfighters appeared to have spotted a MiG-21 on ground next to ORP 24, which was actually a decoy. He opened fire flying along the runway. No 2 Starfighter was seen turning hard onto Northerly direction, trying to align himself for a strafing attack on another decoy ac.

With CAP Controller providing running commentary on positions of two bandits, both CAP aircraft, reported visual contact. They positioned over the raiders and were to descend for engagement after going past the ack-ack envelopment. However, it later appeared that in the excitement, both pilots had positioned behind the lead Starfighter, letting the No 2 Starfighter make a clean escape. He was seen by OP going flat out with afterburner on at low level in general direction of Karachi.

It was finally Flt Lt BB Soni who positioned behind the lead Starfighter and closed in for a missile launch. The F-104 successfully used its IR flares to deflect the K-13 heat, seeking missiles fired at it, by BB Soni. Both aircraft were now skimming the sea level at extreme high speed with Soni in hot pursuit. With missile missing the target, Soni selected 'guns' for engagement at close range. As MiG started closing the gap between the hunter and the hunted, with speed clocking almost 1200 km/hr, the Pakistani fighter made a desperate attempt to shake his adversary by pulling up sharply to his right, perhaps, to throw off a second missile. The MiG-21 now rapidly closed distance, and from 300 meters, fired three sharp bursts with GSh-23mm cannons at the F-104, which started wobbling as if out of control. It pulled up momentarily and started to flame, and almost immediately, the Pakistani pilot ejected. Flt Lt Soni flew past the stricken enemy aircraft, and pulled up to see the parachute deploy. He informed the base of the ejection and kept in contact with the bright orange canopy of the ejected pilot's parachute, as it fell into the shark infested sea below, with the pilot still in harness. It is possible that the PAF pilot, during the process of ejection at very high speed, suffered serious injuries.

Flt Lt Soni informed the base to dispatch a rescue launch to the exact spot, and then, returned to base. However, the Pakistani pilot, later identified as Wing Commander ME Middlecoat, a war hero of 1965 war, was never found.

Years later, military strategists still wonder as to why PAF used the two F-104s with no air-to-ground weapon whatsoever, to attack a heavily defended airfield like Jamnagar. If it was not for the mix up of our CAP pilots, PAF would have certainly faced the ignominy of losing both the F-104s in the encounter. The disastrous outcome of the battle for the PAF also lays to bare the so called 'professionalism' of their pilots, which the foreign media, particularly the American press, always tries to cite to belittle IAF pilots. Aviation experts throughout the world followed the 1971 Indo-Pakistan War with great interest. The Starfighter was still the mainstay of the NATO air forces at that time, and for years, there had been a great deal of conjecture about how the American fighter would fare against modern Soviet equipment. F-104s and MiG-21s clashed a number of times in the 1971 war, and by end of the war, there could no longer be any doubt that the Starfighter was no match for the MiG-21, in every department of aerial warfare.

#PEACOCKS OF VALOUR

THE BATTLE OF LONGEWALA

The Battle of Longewala was one of the major decisive battles fought on the Western sector during the India-Pakistan War of 1971. On the night of 04/05 Dec, 1971, Pakistan forces comprising 4000 soldiers, T-59 and Sherman tanks, and a medium artillery battery crossed the Indian border to advance towards Jaisalmer. What followed was a complete debacle for Pakistan Army as their Chinese-made T-59 tanks started to get bogged down in the sand and the rear supply supports were not able to catch up with the forward elements for a rapid advance, essential for an armoured thrust into the enemy territory. At nightfall, the advancing column came across a small Indian border post at Longewala, manned by a handful of Indian troops of 23 Punjab. They had just one RCL gun that could be the only weapon to engage a tank. Till then, the advancing Pakistani force had achieved a complete element of surprise. Frantic calls to Indian Air Force at Jaisalmer to come to the assistance of the beleaguered Army troops at Longewala could not be realised as the Hunter fighters, based at Jaisalmer, were not designed to engage ground targets at night. The small Army unit, however, held on and that heroic resistance, led by Major KS Chandpuri, has been well-portrayed in the Bollywood film named 'BORDER.' At first light, the Hunters took to the air and what followed was a mayhem for Pakistani force. The Hunters systematically picked up the enemy tanks caught in the open desert, and went about engaging them with rockets and guns that IAF pilots termed it as 'Partridge shooting.' By end of the day, close to 30 tanks were seen fiercely burning along with an equal number of soft skinned vehicles. The pride of Pakistani armoured force lay in ruins. In retrospect, the Pakistani top brass had agreed that planning such a massive operation, to advance deep into the enemy territory without an air cover, was suicidal.

The Attack on Tiger Hill

AVM R Nambiar VM & Bar

On the 24 of June, 1999, the Indian Air Force dropped its first LGB in anger. The release was from a Mirage 2000, and I was privileged to have been the pilot in-command. In the days that followed, I was honoured to drop four more LGBs, thus dropping 5 out of the total of 8 LGBs delivered by the Mirage 2000 in the Kargil Conflict. This is my story.

Adampur is a major Air Force Base in Punjab and I had been deployed there since 22 May, 1999 for Operation Safed Sagar, which was Indian Air Force monikers for its Air Operations in Kargil. I was then a Wing Commander and posted as the Station Flight Safety and Inspection Officer of Air Force Station, Gwalior, where the Mirage 2000 is based. On the evening of 22 June, we were tasked to attack Tiger Hill with LGBs the next morning. I was selected to captain a two-seater with Sqn Ldr Monish Yadav as my backseater. The target was a set of enemy tents perched at the top.

Tiger Hill is unique in shape and size when viewed from the ground. But from 30,000 ft up, it is indistinguishable from the other tall peaks in the vicinity. The only mountain that stands out in this grand vista is K2, Mount Godwin-Austen, which at 28, 2510 ft towers over its surroundings. The aids on board the Mirage allowed us to spot Tiger Hill with relative ease. We had it in contact by 50 kms and were unpleasantly surprised to find a tiny cloud perched right on its tip, obscuring the DMPI and rendering the LGB impotent. The endurance of the Mirage allowed us to hold on station for about 30 mins, so that we went around three more times, hoping that the cloud would drift away and we could complete our mission. In the fourth attempt, as we turned away from the target, Monish yelled at me to 'flare left,' indicating a missile launch. I instantly throttled back to idle power and hauled the aircraft upwards in a steep left turn and commenced dropping flares. I did not spot the tiny shoulder launched missile, but Monish did see it climb towards us and thereafter fall away, as we were outside its envelope. We had no choice but to go back with our armament load and prepare for a reshoot the next day.

Morning briefing on the 24th was at 0500 hours, and by 0530 hours, a short brief was carried out with the CAS in attendance. The plan was for a three aircraft mission, with two lead aircraft armed with an LGB each, while the third aircraft would follow behind with the CAS in the backseat. The plan was to hit Tiger Hill first and then proceed to recce Point 4388, located 30 kms NW of Tiger Hill. By 0600 hours, we had walked to the aircraft. Walking to the aircraft is a tedious task in war time. We were overloaded with our G-suits, helmets and had to lug our Makarov 9 mm pistols, along with the various essential items necessary for a successful sortie, such as maps, call-sign cards, MIPs, EW MIPs, INU plans, authentication tables, all in all, a very cumbersome procedure. Tiger Hill was spotted from about 50 kms distance in the Litening Pod, and we were thrilled to see that there was not a speck of cloud around. Things then moved forward at a rapid pace. I had altered heading to a place that the aircraft tracked directly at a set of seven Artic tents, perched precariously on the South face of Tiger Hill. The white tents made good camouflage sense in winter, but in summer, with most of the snow melted away, they stood out in stark contrast against the black rock formation. Tiger Hill is at an altitude of 16,600 ft, and the pre-briefed altitude for the attack was 28,000 ft, to which we quickly descended. A glance at the INU indicated that the winds at this altitude was 70 kts in a westerly direction and at 90 deg to our planned track. This was excessive, and outside, there was lease envelope for the LGB. Going up was not an option as the Laser was known to switch off automatically at around 30,000 ft. A different direction was also not viable as the target would be shadowed. A quick decision was, therefore, taken to descend down to 26,000ft, placing us well within the envelope of shoulder fired SAMs.

At 28 kms, I pulsed the laser to designate the target for the first time. The Litening Pod instantly ranged the distance to target. We had, by then, accelerated to a groundspeed of 1000 kmph, and the distance to the release point rapidly reduced. I repeatedly re-designated the target as it became more discernible when we closed in. At the release range, I pressed the trigger and we felt the aircraft jerk upwards, as it suddenly shed 600 kgs of load. I immediately commenced a hard turn to the left at 4g and stated flaring. Monish took over pod, steering, and pointed the laser directly at the target, while I concentrated on the turn and monitored the video image. The Laser was steadily flashing, and we waited anxiously for the target to explode, thus, signalling a successful delivery. The time of flight of an LGB under the delivery conditions, that we had dropped it in, was under 30 sec, but to us in the cockpit, it appeared as an eternity. Our joy knew no bound as the entire video image of the target burst out into a soundless explosion.

On return, 15 mins later, we routed back via Tiger Hill to film the Hill from close to assess the damage. The target had been blown to smithereens, so, we filmed the rest of the hill for any other visible signs of the enemy. We accelerated our speed to get back to Base by 0800 hours.

After landing, we extricated the video tape from the Litening Pod, and headed to the crew room for the debrief. The entire squadron was gathered around the TV as the tape was rewound and played back. Clearly visible on the tape were four enemy soldiers, rushing across the screen, a few seconds before the bomb got to them. The video on the way back also revealed a person 2,000 ft below the hilltop, climbing painstakingly upwards to the camp.

Tuskers raid Peshawar: Indo-Pak War, 1965

This is an account of a few audacious Canberra crews, who flew almost 600 NMs into the enemy territory at night, trailing one another at near medium levels, without any escort and without any radar cover, to bomb a very formidable airbase of Pakistan Air Force (PAF) in 1965 war with Pakistan.

Unlike IAF in 1965, PAF with its US built F-104 Starfighters, equipped with Sidewinder AIM 9B missile, had night intercept capability and vintage Canberras practically were sitting ducks against this supersonic, state-of-the-art interceptor. PAF also was fortunate to receive from US an effective radar chain for early warning purposes. Against this background, planning a mission to Peshawar for Canberras was suicidal, as it entailed flying to a target at its extreme flying range, through the enemy heartland, with no allowance of fuel for any tactical routing. Fuel constraint also meant limited payload.

Attacking Peshawar became important for India as PAF had moved bulk of its attack force to its rear airfields, and almost the entire B-57 ac bomber force was shifted to Peshawar immediately after IAF carried out retaliatory strikes on most of PAF bases, with its Hunters and Mysteres on 07 Sep, 1965. PAF considered Peshawar to be outside the range of Indian strike aircraft, and hence, a safe haven for its strategic force of US made B-57 long range bombers. Yet, as night fell at Peshawar on 13 September, 1965, 08 (Eight) Canberras of 5 Squadron stealthily approached Peshawar. The typical profile of a Canberra raid was to approach to a pre-calculated pull up point between 200 and 500 ft AGL, pull up steeply to about 12,000 feet to drop the load, and then, climb progressively to 40,000 ft to escape from Pakistani territory.

As Canberras closed in to their target, the ack-ack batteries opened up, signalling that raiders have been detected. PAF pilots and ground crew ran to take shelter in trenches, and they had the rare privilege of seeing the first Canberra drop flares, to illuminate the airfield, and then thunder down the main runway at 200 feet, before pulling up at its end in an wingover to turn back and drop its bomb load at the end of a dispersal of parked aircraft. Had luck favoured the Tuskers, they would have wiped out the entire strategic strike component of the PAF with a single blow, as the entire force of sixteen B-57s were lined up wing tip to wing tip on a dispersal. Unfortunately, for IAF, the single 4000 lb bomb, that fell closest to the parked B-57s, hit soft soil and its explosive force was dissipated. However, bombs dropped from other members of Tusker force found their marks, as fuel dumps were set ablaze, ATC building was flattened and aircraft on ground were damaged. As Canberras set course for home, the inevitable happened. A lone Starfighter was vectored for an intercept on to the retreating bomber force. Canberras did all that was possible to do to prevent a massacre. Sqn Ldr Gautam saw a streak of flame appear in the darkness and made its way towards the bombers, as the Starfighter launched its missile. However, luck favoured the brave and the missile exploded harmlessly, possibly due to its proximity fuze malfunctioning. All eight Canberras landed safely at Agra. The raid shook the PAF out of its complacency. No airfield or town was out of range of Indian bombers. No one in Pakistan had thought that the IAF would bomb Peshawar with impunity. The raid also forced the Americans (USAF), that had maintained a full- fledged Signal Intelligence base, about 20 miles South of Peshawar, to evacuate all its personnel with families through Iran, and return only after cessation of hostilities.

Tuskers raid of Peshawar will certainly go down as one of most audacious bomber attacks in history of military aviation. The significance of the raid was a symbolic gesture, less material damage. Even John Fricker, the PAF commissioned hagiographer, was moved to an effusive turn of phrase in describing the raid as 'the most effective Canberra attack of the war.' The real heroes of the raid were, undoubtedly, the Navigators, whose chances of survival, without an ejection seat for them in Canberras, were very close to nothing. It is, therefore, rightly so that Navigators Sqn Ldr SN Bansal and Flt Lt P Dastidar were awarded Vir Chakras for their acts of exceptional gallantry and Commanding Officer Wg Cdr PP Sing was decorated with a Maha Vir Chakra, country's second highest gallantry award. Other members of the raid were Sqn Ldr JC Verma (Leader), Flt Lt Deshpande, Wg Cdr PP Singh, Sqn Ldr CR Mehta, Sqn Ldr VC Godwin, Navigators, Ahluwalia and S Kapoor. My painting 'Tuskers raid Peshawar' was inspired by the account that I read in the book The India-Pakistan Air War of 1965 by Jagan/Samir duo. So, it was initially composed entirely on impressions created in my mind of the attack, as it was narrated in the book. I was very fortunate to have received more inputs from Capt Vivian Goodwin, who was one of the members of this fateful raid of 1965 war. I am also glad that Canberra gang of veterans has appreciated my painting. I am told that they are an extremely close-knit lot and thick as thieves. It was wonderful to interact with few of them through e-mails and very sincerely hope that the painting evokes some memory for those remaining 'few good men' of 5 Squadron and JBCU of September 1965.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

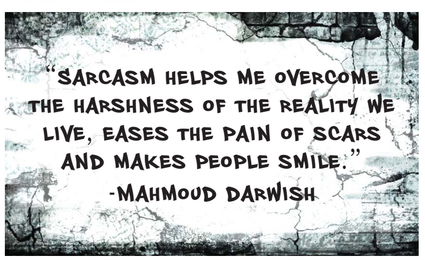

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

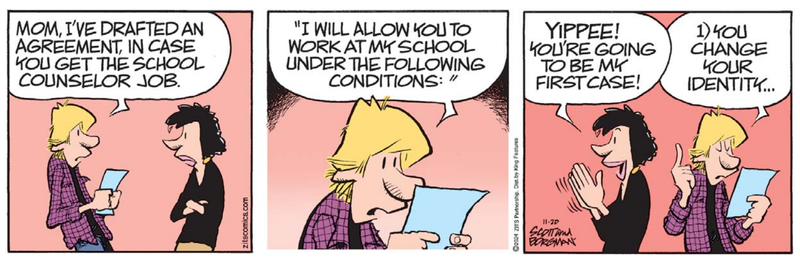

युवक की हत्या के मामले में छह जने गिरफ्तार, दो स्विफ्ट कार जप्त

प्रकरण में शेष आरोपियों व वाहनों की पुलिस तलाश कर रही है

सांभरझील, (निसं)। जोबनेर बाइपास रोड पर 18 जनवरी को एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना के काम में ली गई दो गाड़ियों को जप्त किया है।

आनन्द शर्मा उप महानिरीक्षक पुलिस सह पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने बताया कि इस मामले में रामेश्वरलाल पुत्र भंवरलाल जाट निवासी अणतपुरा, थाना रेनवाल, जिला जयपुर ने थाना जोबनेर पर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि थी कि राज मीणा, संजय जाखड़, दिनेश योगी उर्फ डीके आदि सहित 15-20 लड़कों ने परिवादी के चाचा के लड़के राहुल बिजारणिया की लाठी, सरिया आदि से हत्या कर दी। घटना पर प्रकरण दर्ज कर टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश शुरु की गई। पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस

जोबनेर हत्याकांड में पुलिस ने 6 जनों को गिरफ्तार किया।

अधीक्षक (मुख्यालय) जयपुर ग्रामीण रजनीश पूनियां एवं प्रियंका वैष्णव वृत्ताधिकारी जोबनेर के निकट सुपरविजन तथा सुहैल उप निरीक्षक थानाधिकारी जोबनेर के नेतृत्व में आरोपियों की तलाश हेतु अलग-अलग टीम गठित की गई।

गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता से घटना में फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया। हत्या करने में काम ली गई दो स्विफ्ट गाड़ियों को भी जप्त किया गया। प्रकरण में शेष आरोपियों व वाहनों की तलाश जारी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी अशोक नायक निवासी जैतपुरा पुलिस थाना फुलेरा जिला जयपुर, करतार चौधरी निवासी बातलियों की ढाणी आसलपुर थाना जोबनेर जिला जयपुर, राहुल यादव उर्फ कलोरा निवासी आसलपुर थाना जोबनेर जिला जयपुर, गजेन्द्र निठारवाल निवासी हरनाथपुरा थाना फुलेरा जिला जयपुर, संजय जाखड़ निवासी गोकुलपुरा थाना जोबनेर जिला जयपुर, दिनेश योगी उर्फ डीके निवासी कालख थाना जोबनेर जिला जयपुर के निवासी हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने में प्रमुख भूमिका सुहैल उप निरीक्षक थानाधिकारी जोबनेर, लेखराज सउनि, सत्यनारायण सउनि, भीवाराम सउनि पुलिस थाना जोबनेर, मदनलाल पुलिस थाना जोबनेर, मोहनलाल एचसी, कुरडाराम एचसी, महेश कानि. राकेश कानि. सुभाष कानि, राकेश कानि. कमलेश कानि. घनश्याम, रामचन्द्र कानि. शीशराम कानि. की रही।

वृद्धा की हत्या के मामले का खुलासा, युवती गिरफ्तार

वृद्धा के घर में घरेलू नौकरानी का काम करती थी युवती, उसे काम से निकाल दिया था

जोधपुर, (कासं)। फलोदी शहर के सबसे व्यस्ततम बाजार में शामिल जयनारायण व्यास सर्कल पर मकान में शुक्रवार दिनदहाड़े एक वृद्धा की गला काटकर हत्या करने के मामले का पुलिस ने बारह घंटे में पर्दाफाश कर दिया है। इस मामले में एक युवती को गिरफ्तार किया गया है। यह युवती मृतक वृद्धा के घर में घरेलू नौकरानी (केयरटेकर) का काम करती थी। उसे काम से निकल दिया गया था। उसने काम पर नहीं रखने की बात पर हुए झगड़े के कारण वारदात को अंजाम दिया था।

- युवती ने काम पर नहीं रखने की बात पर हुए झगड़े के कारण वारदात को अंजाम दिया था
- एफएसल टीम ने साक्ष्य लिये, पुलिस आरोपी युवती से पूछताछ कर रही है

फलोदी पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना ने बताया कि कस्बा फलोदी में गला काटकर वृद्ध महिला की हत्या कर देने की घटना में घर में काम करने वाली केयर टेकर लक्ष्मी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। फलोदी थानाधिकारी महेंद्र दत्त शर्मा ने बता कि जयनारायण व्यास सर्किल के पास रहने वाली राधा देवी (80) की शुक्रवार को हत्या हुई थी। घर पर शव को सबसे पहले स्कूल से लौटी उनकी पोती ऐश्वर्या (19) ने देखा था। राधा देवी का पुत्र चंद्रप्रकाश जोधपुर में था। पोती ऐश्वर्या स्कूल से लौटी तो उसने बिस्तर पर दादी के शव को खून से सनी हालत में देखा। इसके बाद उसने आस पड़ोसियों को इसकी जानकारी दी। ऐश्वर्या 12वीं क्लास में पढ़ती है। मां की चार साल पहले ही मौत हो चुकी है। राधा देवी के बेटे चंद्रप्रकाश ने घर में काम करने वाली नौकरानी लक्ष्मी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था जिस पर केयरटेकर लक्ष्मी भील (32) को डिटेन कर पूछताछ की गई।

पूछताछ में सामने आया कि राधा देवी ने लक्ष्मी को काम से निकाल दिया था। केयरटेकर लक्ष्मी बुजुर्ग राधा देवी के घर में रहती थी। शुक्रवार दोपहर को लक्ष्मी दोबारा काम कर रखने के लिए राधा देवी के घर पहुंची लेकिन राधा देवी ने लक्ष्मी को काम पर रखने से मना कर दिया। इससे नाराज होकर लक्ष्मी ने रसोई से चाकू लेकर राधा देवी का गला काट दिया। इसके बाद वह मौके से फरार हो गई। अपराह्न साढ़े तीन बजे पोती ऐश्वर्या स्कूल से घर लौटी तो दादी का खून से लथपथ शव देखा। इससे वह घबरा गई और चीखने-चिल्लाने लगी। उसने पिता को फोन कर जानकारी दी। उन्होंने अपने दोस्त के मार्फत पुलिस को सूचित कराया। आधा किमी दूर थाने से पुलिस वारदात स्थल पहुंची। अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। एफएसल को भी बुलाकर साक्ष्य संकलन करवाए गए। पुलिस आरोपी युवती से पूछताछ कर रही है।

भीषण आगजनी से 40 मवेशी जिंदा जले, एक वृद्ध घायल

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के ग्राम अमावरा के बैरवा मोहल्ले में शिव मंदिर के पास शुक्रवार रात्रि को एक छप्परपोश घर में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। इस आगजनी में घर में बंधे 40 मवेशी जिंदा जलकर राख हो गए एवं एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं घरेलू सामान, एक क्विंटल गेहूं व 60 हजार रुपए की नगदी भी जलकर राख हो गई। घटना की सूचना पर आसपास के ग्रामीणों ने

- 60 हजार की नगदी व घरेलु सामान भी आग की भेंट चढ़ा

एकत्रित होकर आगजनी पर काबू पाया एवं स्थानीय प्रशासन भी मौके पर पहुंचा लेकिन जब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात्रि को पीड़ित गुलाबचंद बैरवा निवासी अमावरा के छप्परपोश घास से बने घर में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। आगजनी के समय गरीब का परिवार इसी घर में रह रहा था इसी में इनका खाना बनाना व मवेशी भी बंधे थे। अचानक आग लग जाने के कारण घर में बंधी 24 बकरियां, 12 बकरियों के बच्चे व चार बड़े बकरे जिंदा जलकर राख हो गए एवं घर में रखा 1 क्विंटल अनाज घरेलू सामान व 60 हजार की नगदी भी आगजनी की भेंट चढ़ गई। सूचना पाकर स्थानीय प्रशासन भांवरा के नायब तहसीलदार राकेश मीणा, हल्का पटवारी आदि के साथ मौके पर पहुंचे एवं पीड़ित दंपती से घटना की जानकारी लेकर फर्ज मौका रिपोर्ट तैयार की। आगजनी की समय दोनों वृद्ध दंपती घर में ही थे जिन्हें एक बाहर से एक लड़की चंद्रकला की मदद से बाहर निकल गया, लेकिन आगजनी में बुजुर्ग झुलस कर घायल हो गया। पीड़ित परिवार का सब कुछ मिट जाने के कारण रो-रो कर बुरा हाल है।

सहायक आचार्य के खाते से 99 हजार पार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर स्थित सरदार पटेल पुलिस सुरक्षा विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य से 99 हजार की ठगी हो गई। अज्ञात शख्स द्वारा उनके खाते से दो बार रूपए निकाल लिए गए। पूर्व में परिवाद दिया गया था, मगर राशि होल्ड के साथ रिफंड नहीं हो पाई। रूपए एमपी से निकलना प्रतीत हो रहा है। फिलहाल मंडोर पुलिस ने इसमें अठिम अनुसंधान आरंभ किया है।

मंडोर थाना प्रभारी एवं एसआई अरूणा ने बताया कि मूलत: तमिलनाडू हाल लालबाग नागौरी गेट निवासी डॉ. रुफश डी पुत्र एस देवेएरायकम ने रिपोर्ट दी है। वे सरदार पटेल पुलिस सुरक्षा विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत है।

मामले के अनुसार 2 दिसम्बर 2023 को दोपहर 12.38 बजे उनके मोबाइल फोन पर एक मैसेज प्राप्त हुआ जिसमें पता लगा कि उनके एसबीआई एकाउंट से 95 हजार रूपए निकाले गए है। बाद में 4 हजार और निकाल लिए गए। इस पर उनके द्वारा तत्काल एसबीआई को शिकायत दी गई। फर्जी तरीके से रूपए निकलने के बाद उनके द्वारा अपने डेबिट कार्ड, एटीएम, एसबीआई ऑनलाइन पैमेट लिंक को ब्लॉक कर दिया गया।

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना के पास ग्राम पंचायत खादरा में नौ महीने पहले सेना में भर्ती हुए अग्निवीर संदीप कुमार सैनी (22) का शव घर के पास पेड़ से लटका हुआ पाया गया। वह बीकानेर के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में अभ्यास कर रहा था, जहां वह दो दिन पहले अचानक गायब हो गया था। शनिवार सुबह करीब सात बजे ग्रामीणों ने पेड़ से लटके हुए शव को देखा और पुलिस को सूचित किया।

- नौ महीने पहले सेना में भर्ती हुआ था, बीकानेर महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में अभ्यास कर रहा था
- पिछले महीने छुट्टी पर घर आया था युवक और दो जनवरी को ड्यूटी पर लौटा था

स्थानीय पुलिस के अनुसार, संदीप कुमार का शव घर से 300 मीटर दूर पेड़ पर लटका मिला। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर शव को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया। थानाधिकारी राजेश कुमार डूडी ने बताया कि संदीप सैनी नौ महीने पहले अग्निवीर योजना के तहत सेना में भर्ती हुए थे और अंबाला में ट्रेनिंग प्राप्त करने के बाद बीकानेर में अभ्यास कर रहे थे। वे पिछले महीने छुट्टी पर घर आए थे और दो जनवरी को ड्यूटी पर लौटे थे।

घटना के बाद, संदीप के परिजनों और ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही, उनका यह भी कहना है कि जवान को शहीद का दर्जा दिया जाए और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। परिजनों ने इस मुद्दे को लेकर अस्पताल के बाहर धरना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, धरना जारी रहेगा। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है, और लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय कार्यकर्ता गोपाल सैनी ने कहा कि कौन सा दबाव था, जिसके चलते संदीप ने यह कदम उठाया? जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, हम धरना जारी रखेंगे।

सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी थाना क्षेत्र के पपुरना में राजकीय स्कूल के पास मकान को बीती रात को चोरों ने निशाना बनाया है। इस दौरान चोर मकान से घरेलू सामान व बर्तन चोरी कर ले गए।

थानाधिकारी प्यारेलाल ने बताया कि पपुरना निवासी गोपाल महाजन ने रिपोर्ट दी कि नीमकाथाना से नानूवाली बावड़ी तक स्टेट हाईवे का निर्माण कार्य होने के कारण पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से मकान सड़क में आने के कारण मकान तोड़ने के निर्देश दिए थे, जिस पर करमाड़ी गांव में मकान लेकर रहने लगे तथा पपुरना में मकान में सामान खाली करने का काम किया जा रहा था।

इस दौरान मकान को सूना देखकर अज्ञात चोर मकान में घुस गए तथा मकान में रखा घरेलू सामान, बर्तन व पुरानी तिजोरी से 10 चांदी के सिक्के पार कर ले गए। इस दौरान पड़ोस के लोगों ने ताला टूटा होने की जानकारी पर मकान में पहुंचा तथा घर में रखे सामान के बारे में जानकारी जुटाई तो सामान गायब मिला। इस दौरान चोरी की सूचना पर खेतड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई।

'सरकार ने नीमकाथाना जिले को हटाकर गलत काम किया है'

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिला बनाने की मांग को लेकर 26 वें दिन भी धरना जारी रहा। जिसमें भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को विधायक सुरेश मोदी

- नीमकाथाना जिला हटाये जाने के विरोध में 26 वें दिन भी धरना जारी रहा

ने श्रीराम काजला ठिकरिया, अनिल काजला ठिकरिया, जगदीश काजला ठिकरिया, कालूराम वर्मा ठिकरिया, सुनील डांडिया छापर को माला पहनाकर धरने पर बैठाया।

विधायक मोदी ने कहा कि सरकार ने नीमकाथाना जिले को हटाकर बहुत गलत कार्य किया है, जिसका खामियाजा भाजपा को उठाना पड़ेगा। नीमकाथाना जिला अपने आप में सभी मापदंड पूरे कर रहा था उसके बावजूद राजनीतिक द्वेषता को लेकर नीमकाथाना को जिले से वंचित किया गया है। इसको लेकर 26 दिन से लोग

नीमकाथाना जिला बनाने की मांग को लेकर लोग धरने पर बैठे।

धरने पर बैठे हुए हैं और सरकार को ज्ञापनों के माध्यम से अवगत करवा रहे हैं, उसके बावजूद भी प्रदेश की सरकार ध्यान नहीं दे रही है।

शनिवार को अशोक कुमावत, घीसाराम, रामदेव, मालीराम गुर्जर, भागचंद, सुरेंद्र सिंह, नवीन गर्ग, पीयूष मेंगोतिया, दयाराम जाट, प्रहलाद सूबेदार, राधेश्याम शर्मा, अनिल सैनी, रविन्द्र सैन, सूरजमल सैनी, मदनलाल सैनी, मनोहर चेजारा, गजानंद यादव, दीपेन्द्र दिवाच, प्रेम यादव, सुरेश खैरवा, बलवीर खैरवा, राजू यादव, गिरधारी घायल पंच, सुमेर सिंह तंवर, प्रहलाद महारानियां, बहादुरमल, उमेश मुंडोतिया ने संघर्ष समिति को अपना समर्थन देकर संघर्ष को मजबूती प्रदान की है।

बालिका स्कूल में विज्ञान संकाय खुलवाने की मांग

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी के ग्रामीणों ने शनिवार को पांच सूत्री मांगों को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान राज्य सरकार की ओर जारी किए जाने वाले बजट में राजकीय बालिका स्कूल में विज्ञान संकाय खुलवाने की मांग की है।

- खेतड़ी के ग्रामीणों ने पांच सूत्री मांगों को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा
- ग्रामीणों ने बताया कि कांग्रेस की उदासीनता के चलते खेतड़ी विकास में प्रगति नहीं कर पाई

ग्रामीणों की ओर से विधायक इंजी. धर्मपाल गुर्जर को दिए ज्ञापन में बताया कि खेतड़ी रियासतकालीन समय से प्रदेश में जयपुर के बाद दूसरी सबसे बड़ी रियासत हुआ करती थी, जिसमें कोटपूतली, नीमकाथाना सहित 555 गांव आते थे। इसके अलावा झुंझुनूं जिले में अन्य उपखंड से खेतड़ी को सबसे पहले उपखंड बनाया गया था। खेतड़ी में आजादी के बाद से कांग्रेस पार्टी के विधायक कार्यकाल ज्यादा रहा है। कांग्रेस की उदासीनता के चलते खेतड़ी विकास में प्रगति नहीं कर पाई तथा रियासतकालीन समय से बनी पहचान को भी खो दिया गया।

ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में प्रदेश में भाजपा की सरकार तथा खेतड़ी में भाजपा का विधायक होने से आमजन को विकास को लेकर काफी उम्मीदें बनी हुई है। ऐसे में राज्य सरकार की ओर से फरवरी माह में जारी किए जाने वाले वार्षिक बजट में खेतड़ी में एडीएम व एएसपी कार्यालय खोलने, खेतड़ी रोडवेज डिपो में आमजन को सुगम यात्रा के लिए 20 अतिरिक्त बसें दिलाने, राजकीय जयसिंह स्कूल का पीएमश्री योजना में शामिल करवाने तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने व विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर बनाने के लिए खेतड़ी की राजकीय बालिका स्कूल में विज्ञान संकाय खुलवाने की मांग की। इस दौरान विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर ने जल्द उनकी मांगों को मुख्यमंत्री को भेजकर बजट में शामिल करवाने का आश्वासन दिया।

सायबर ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने सायबर ठगी के दो आरोपियों को दबोचा।

बौंली-बामनवास, (निसं)। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में सूरवाल थाना प्रभारी जयप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल हेड कांस्टेबल देशराज, कांस्टेबल रामभजन, महेंद्र सिंह व विजेंद्र सिंह की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दो मोबाइल चार सिम व एक बिना नंबरी बाइक जब्त की है।

सूरवाल थाना प्रभारी जयप्रकाश ने बताया कि सूरवाल थाने के सामने एक बाइक-15 बिना नंबरी को रुकवाकर दोनों सवरों की तलाशी ली गई तो उनके पास मोबाइलों को बारी-बारी चेक किया गया तो लाखों रुपए की सायबर ठगी के साक्ष्य मिले। इसके बाद राजकुमार मीणा एवं कृष्णा मीणा को दो एंड्राइड मोबाइल, चार सिम कार्ड, बिना नंबरी बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अन्य लोगों के नाम फर्जी आईडी बनाकर व बैंक अकाउंट के उपयोग कर लड़कियों के नाम पर फर्जी आईडी बनाकर साइबर ठगी करते थे। सूरवाल पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया।

हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथूनीपोल पुलिस टीम ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

कैथूनीपोल थानाधिकारी पुष्पेन्द्र बंशीवाल ने बताया कि 23 जनवरी को सराय का स्थान निवासी किशोर कुमार ने एमबीएस अस्पताल में पर्चा बयान में कहा कि 22 जनवरी की रात्रि को दोस्त के साथ सब्जी मंडी में बैठा था। बयान में कहा कि तभी दो जने आये और उसको बुलाकर गुमानपुरा की दुकान में कारपेट बिछाने का काम करने के दो हजार रूपये मांगे। थानाधिकारी ने बताया कि बयान में कहा कि जब उसने रूपये बाद में देने की बात कही तो दोनों ने उसके साथ मारपीट करते हुए चाकू से जानलेवा हमला कर उसे घायल कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किये और कार्यवाही करते हुए दो जनों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

कैदी की मौत

कोटा, (निसं)। सेन्ट्रल जेल में चोरी के मामले में बंद विचाराधीन कैदी की बीमारी के चलते मौत हो गई। मृतक इन्दौर निवासी अब्दुल रफीक था। पुलिस ने बताया कि उद्योग नगर थाना इलाके में 7 दिसंबर 2024 को चोरी के मामले में अब्दुल रफीक को पकड़ा और जेल भेजा था। सेन्ट्रल जेल में तबीयत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज में 20 जनवरी को भर्ती कराया था।

मीरांबाई के खिलाफ पुस्तक में टिप्पणी प्रकाशित करने वालों पर कार्यवाही की मांग

विधायक द्वारा कार्यवाही का आश्वासन दिये जाने के बाद धरना स्थगित किया गया

मेड़तासिटी, (निसं)। स्थानीय श्री चारभुजा चौक में नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट, उदयपुर के अध्यक्ष कैलाश मानव द्वारा प्रकाशित पुस्तक श्रीमद् भागवत सेवा महापुराण अमृतम् में भक्तशिरोमणी मीरांबाई के विरूद्ध अमर्यादित टिप्पणी प्रकाशित करने को लेकर आचार्य बालयोगी नोमीनाथ दास के सानिध्य में चल रहा क्रमिक धरना प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी रहा।

पांचवें दिन आचार्य बालयोगी नोमीनाथ दास के साथ श्यामसुन्दर दाधीच, नवरतनमल पंवार, देवकिशन पंवार, कृष्णगोपाल गौड़, गिरधारी लाल, राजकुमार दहिया, बाबूलाल अरोड़ा, सुरेश पारीक, राजेन्द्र व्यास धरने पर बैठे। करीब दोपहर एक बजे मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू धरना स्थल पर पहुंचे, जहां पर आचार्य बालयोगी नोमीनाथदास से मीरांबाई के खिलाफ की गई टिप्पणी को समझा। बाद में धरने को संबोधित करते हुए मेड़ता विधायक ने कहा कि मीरांबाई से मेड़ता की पहचान है और उनके

मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू ने धरना स्थल पर लोगों को संबोधित किया।

- 'मीरांबाई के मान सम्मान में की गई टिप्पणी को हम किसी भी हालत में सहन नहीं करेंगे'

मान सम्मान में की गई टिप्पणी को हम किसी भी हालत में सहन नहीं करेंगे। मैं इस मामले को राजस्थान विधानसभा के सदन में जोर-सोर से रखूंगा ताकि दोषियों के खिलाफ कार्यवाही हो। इस मौके पर उन्होंने आचार्य बालयोगी नोमीनाथ दास को शॉल व माला पहना कर अभिनन्दन किया और आग्रह पूर्वक जूस पिलाकर धरना स्थगित करवाया। इस मौके पर लादूसिंह खातोलाई, हनुमानसिंह राठौड़, सवाईसिंह मेड़तिया, विरेन्द्र वर्मा, पुखराज टाक, रामदयाल शास्त्री, राजकुंवार जांगिड़, धनसिंह राठौड़, कानदान खिड़ीया, गोपालसिंह, पन्नेसिंह कालवी, सुरेश सोनी, सन्तोष शर्मा, नन्दकिशोर व्यास, रामकिशोर सैनी, प्रेमचन्द वर्मा, भंवरसिंह राठौड़, शिवदयालसिंह, प्रतापसिंह, सुरेन्द्रकुमार बिड़ला, गजेन्द्रसिंह गागुड़ा, राजेन्द्रसिंह, लादूसिंह रासलियावास, बाबू अरोड़ा, घनश्याम सिखवाल, प्रदीप दाधीच, सुरेशचन्द पारीक, अशोक कुमार दायमा, प्रकाशचन्द मंत्री, मांगीलाल चौधरी, चन्द्रप्रकाश जांगिड़ सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यवाही हेतु कमेटी का गठन :- मीरांबाई के खिलाफ पुस्तक में प्रकाशित अमर्यादित टिप्पणी करने वालों के खिलाफ रणनिती बनाने व कार्यवाही करने के लिए मीरां स्वाभिमान रक्षा समिति मेड़ता का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक ठाकुर अभयसिंह भैसड़ा, पुखराज टांक, विरेन्द्र वर्मा को बनाया गया। समिति के अध्यक्ष आचार्य बालयोगी नोमिनाथ दास, महामंत्री नवरतनमल पंवार, श्यामसुन्दर दाधीच कोषाध्यक्ष कृष्णगोपाल गौड़, मंत्री रामदयाल शास्त्री, धनसिंह राठौड़ को बनाया गया है। सदस्य के रूप में दिलीपसिंह बछवारी, शिम्भूसिंह आंतरोली, पन्नेसिंह जालसू, जगदीशसिंह, हड़मानसिंह, सवाईसिंह, पवन परताणी, विमलेश व्यास, देवकिशन पंवार, रामकुंवार जांगिड़, गिरधारीलाल को शामिल किया गया।

संक्षिप्त

राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन

श्रीमाधोपुर । कस्बे में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया ।15 वे राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एसडीएम श्री अनिल कुमार ,एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जगदीश प्रसाद के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नव मतदाताओं को शपथ दिलाई गई । विभिन्न निर्वाचन से संबंधित ऐप के बारे में बताया। जिसमें निर्वाचन शाखा से बिजेंद्र सिंह कुड़ी,रतन लाल सैनी,सरिता,गोपाल सिंह मौजूद रहे साथ ही एस एस आर 2025 के दौरान श्रेष्ठ कार्य करने वाले बीएलओ एवं नव मतदाताओं को सम्मानित किया गया।

यादव बने एसोसिएशन के अध्यक्ष

नारायणपुर। कस्बे के भगतपुरा मोहल्ले में स्थित राधा-कृष्ण व्यापार एसोसिएशन का शनिवार को चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव प्रभारी राजकुमार अलक्खा और हेमंत यादव की देखरेख में सर्वसम्मति से मदन यादव को व्यापार मंडल का अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर सुनील खेडा को संरक्षक, डॉ. सचिन यादव को कोषाध्यक्ष और रामनिवास सैनी को सचिव नियुक्त किया गया। चुनाव प्रभारी ने बताया कि यह कार्यकाल एक वर्ष का होगा। इस दौरान दुकानदारों ने नई टीम से व्यापारियों के हित में बेहतर कार्य करने की उम्मीद जताई। अध्यक्ष मदन यादव ने सभी का आभार प्रकट करते हुए व्यापारियों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर मोनू शर्मा, मुरारी मीणा, गोपाल, राजू ठेकला, प्रताप प्रजापत, गिर्राज, मोहन समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव मनाया

नारायणपुर। ग्राम पंचायत अजबपुरा में स्थित राउमावि में शनिवार को वार्षिकोत्सव, प्रतिभावान, भामाशाह सम्मान एवं पूर्व विद्यार्थी मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच प्रियंका नरुका, पूर्व प्रधानाचार्य भंवर सिंह नरुका और संस्था प्रधान सुनील कुमार यादव ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। गीत, नृत्य और नाटक के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कलशयात्रा आज

निवाई। गांव हिंगोटिया में रविवार से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। रघुनाथ महाराज मंदिर समिति के अध्यक्ष व पूर्व सरपंच सूरजकिरण तिवाडी ने बताया कि हिंगोटिया में पंडित गिरिराजप्रसाद शर्मा के सानिध्य में 26 जनवरी से श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा का शुभारंभ भव्य कलशयात्रा के साथ किया जाएगा जिसमें 121 महिलाएं कलश धारण करेंगी। बालाजी के मंदिर से कलशयात्रा पूजा अर्चना के साथ रवाना होगी जो गांव के मुख्य मार्गो से होते हुए कथा स्थल श्री सीताराम जी के मंदिर में पहुंचेगी जहां पर विद्वान पंडितों के सानिध्य में मंत्रोच्चारण के साथ कलशों की स्थापना की जाएगी।

भजन संध्या में झूम उठे श्रद्धालु

चाकसू।श्री श्याम निशान संघ परिवार चाकसू के तत्वाधान में कृषि मंडी चाकसू में शुक्रवार रात्रि को श्री श्याम गुणगान भजन संध्या महोत्सव का आयोजन हुआ।मुख्य अतिथि राम सिंह चौहान ट्रस्टी एवं विजेंद्र सिंह चौहान मंत्री श्री श्याम मंदिर कमेटी रींगस श्यामजी रहे। अमित बाहेती एडवोकेट ने बताया कि संजय गुप्ता, श्याम खंडेलवाल (बापू गांव वाले) ने आरती करके कार्यक्रम की शुरुआत की। भजन संध्या में भजन प्रवाहक प्रेम शर्मा लक्ष्मणगढ़, महेश परमार जयपुर, चंचल भाटी बूंदी, दीपक जांगिड़, श्रेष्ठ सोनी और बनवारी जाट चाकसू, कमलेश राव के भजनों से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

एसडीएम बृजेश कुमार राज्य स्तर पर सम्मानित

कोटपूतली। 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शनिवार को राजधानी जयपुर के राजस्थान इन्टरनेशनल सैन्टर में राज्यपाल एवं राज्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा कोटपूतली एसडीएम बृजेश कुमार चौधरी को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि एसडीएम बृजेश कुमार को विभाग द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मापदण्डों, विभिन्न मानकों के आधार पर निर्वाचन सम्बंधी समस्त कार्य पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ सम्पन्न करवाये जाने पर राज्य स्तर पर सम्मानित किया।

दुनिया का मंत्र है, जो हिट है वहीं फीट है : भूपेंद्र यादव

- किशनगढ़ बास के बीबीरानी में भूपेंद्र यादव ने मैराथन दौड़ को दिखाई हरी झंडी,
- भूपेंद्र यादव ने स्वास्थ्य केंद्र भवन का किया लोकार्पण, कॉलेज में खेल स्टेडियम का किया शिलान्यास

किशनगढ़ बास। खैरथल तिजारा जिले के कोटकासिम उपखंड के गांव बीबीरानी में अलवर सांसद खेल उत्सव कार्यक्रम के तहत मिनी मैराथन प्रतियोगिता का शुभारंभ करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव का किशनगढ़ बास पूर्व विधायक रामहेत यादव के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों व पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया।

बाद में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पूर्व विधायक रामहेत यादव, पूर्व मंत्री हेम सिंह भड़ाना, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, संजय नरूका सहित भाजपा नेता खुली जीप में सवार होकर ग्रामीणों का अभिवादन स्वीकार करते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। इस दौरान रास्ते में जगह-जगह लोगों की ओर से मंत्री भूपेंद्र यादव सहित भाजपा नेताओं का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व विकास कार्यों की जानकारी साझा की और खैरथल को जिला यथावत रखने और जिले को इआरसीपी योजना से जोडऩे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार प्रकट किया। मंत्री यादव ने कहा कि दुनिया का मंत्र है जो हिट है वही फिट है।

उन्होने खासकर युवाओं से कहा की आने वाले समय में आप को 40-50 सालों तक जीवन जीने के साथ ही कार्य करने है। अभी से अपने आप को फिट रखने से ही लंबे समय तक जीवन का सफर तय कर पायेगें। उन्हाने ने कहा कि 7, 8 व 9 फरवरी को हमने अलवर में खेल उत्सव का आयोजन किया जाना तय है। उन्होने कहा की 9 फरवरी को सबसे बड़ी प्रतियोगिता मैराथीन की रखी गई है। जिसमें चार वर्गो में 18 से 29, 29 से 39, 39 से 50 तथा 50 से 60 वर्ष के लोगो की दौड करायी जायेगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को दो लाख रूपये की राशि से पुरूष्कृत किया जायेगा।

अलवर सांसद खेल उत्सव के अंतर्गत आयोजित मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर मंत्री भूपेंद्र यादव ने बीबीरानी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन का लोकार्पण कर जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा किया। कॉलेज में खेल स्टेडियम का शिलान्यास कर युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने का कदम उठाया। ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की अपील की।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने क्षेत्र के लोगों की और से पूर्व विधायक रामहेत यादव की और से रखी गई मांग पर जिला कलेक्टर को राज्य सरकार के पास नगर पालिका निर्माण के लिए प्रस्ताव भिजवाने के लिए कहा गया।

बीबीरानी से करवड होते हुए तिजारा तक 10 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण की घोषणा की। साथ ही खेल मैदान को आधुनिक और सुंदर स्टेडियम के रूप में विकसित करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान जिला कलेक्टर किशोर कुमार एसपी मनीष चौधरी सहित अन्य विभागों के अधिकारी व जन प्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी व हजारों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन

फुलेरा । कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत त्योदा में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा व भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन प्रधानाध्यापक छोटूराम रैगर की अध्यक्षता एवं सरपंच हरदेव जैवल्या के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पारितोषिक देकर पुरस्कृत किया गया।

इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान भामाशाह एवं रा.उ.मा.विद्यालय जैतपुरा के अध्यापक छीतरमल ठोलिया की ओर से विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को स्वेटर और मिठाई वितरण की गई। इसके चलते विद्यालय परिवार ने संयुक्त रूप से भामाशाह ठोलिया का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन ओमप्रकाश जाट के द्वारा किया गया।

विधायक धनकड़ ने किया विकास कार्यों का उद्घाटन, शिलान्यास व लोकार्पण

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान भाजपा पावटा बालाजी मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी ने बताया कि विधायक कुलदीप धनकड ने ग्राम पंचायत बागावास अहिरान में शमशान घाट मोक्षधाम पर चारदीवारी में टीन सेड का शिलान्यास विधायक कुलदीप धनकड के मुख्य आतिथ्य व सरपंच मिन्तरा यादव की अध्यक्षता एवं जिला पार्षद विमला यादव, पंचायत समिति सदस्य मन्तेश मीणा , बूथ अध्यक्ष रामकिशोर जांगिड, कुलदीप मिश्रा के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। वहीं ओम मार्किट बीलवाडी में सड़क उद्घाटन कार्यक्रम, बंजारा बस्ती बीलवाडी में सड़क उद्घाटन कार्यक्रम, पीएचसी बीलवाडी चारदिवारी लोकार्पण कार्यक्रम, मेड रोड से ख़ुटला की ढाणी बीलवाडी में सड़क उद्घाटन कार्यक्रम, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ढाणी मालियों की कक्षा कक्ष का शिलान्यास सहित विकास कार्यों के उद्घाटन, शिलान्यास व लोकार्पण व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागावास अहिरान, राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय विराटनगर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बीलवाडी में वार्षिकोत्सव समारोह में शिरकत की।

विभिन्न विद्यालयों में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में विधायक धनकड ने विद्यार्थियों की अद्भुत प्रतिभाओं की सराहना करते हुए कहा कि आयोजन न केवल छात्रों की रचनात्मकता और विकास को प्रदर्शित करने का एक बेहतरीन अवसर है, बल्कि यह शिक्षा के महत्व को भी उजागर करता है। शिक्षा केवल ज्ञान का संचय नहीं, बल्कि यह समाज के विकास और समृद्धि का मार्ग है। इस दौरान विधायक कुलदीप धनकड ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

लेकिन हम सबको एकजुट होकर आपसी मतभेद को दूर करने की जरूरत है। मेरे द्वारा क्षेत्र में अनेको विकास कार्यों की सौगात हर ग्राम पंचायत वार दी गई है। साथ ही आगे भी क्षेत्र के विकास कार्यों में हर सम्भव प्रयास जारी रहेगा। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों व विद्यालय परिवार द्वारा माला व साफा पहनाकर विधायक धनकड का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, ग्रामीण व भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इन्द्र-इन्द्राणियों ने किया भक्ति नृत्य

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य इन्द्रनन्दी महाराज संघ के सानिध्य में आयोजित 16 दिवसीय भक्तामर महामण्डल अनुष्ठान के चलते श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर पर अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भक्तामर महामण्डल अनुष्ठान में सोधर्म इंद्र अशोक कुमार, राकेश कुमार, मनीष, अंकित डारडा, कुबेर इंद्र पदमचंद, दिनेश, सुनील पीपलू, पादपक्षालन करने का सौभाग्य महावीर प्रसाद, पारस, दिनेश, जैकी सर्राफ एवं जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य, विमल कुमार, कैलाश देवी बरवाड़ा को मिला। इन्द्र बनने का सौभाग्य दिनेश सर्राफ, विमल भाणजा, विमल बरवाड़ा, नेमीचंद पाटनी, चेतन गिन्दोडी, पदम बनेठा, श्रीकांत जयपुर, हेमराज चंवरिया, पारस चैनपुरा, मोहन सवाईमाधोपुर, जैन सखी संगठन सहित सभी इन्द्र इन्द्राणियों ने महामण्डप पर 1040 श्रीफल अघ्र्य समर्पित किए।

नकबजनी की घटना में तीन आरोपी गिरफ्तार

- मकान में घुसकर जेवरात व नगद रूपये चोरी कर ले जाने वाले तीनों आरोपी गिरफ्तार

श्रीमाधोपुर । उच्चाधिकारियों का निर्देशन व पर्यवेक्षण महानिरीक्षक पुलिस रेंज जयपुर रेन्ज जयपुर अजयपाल लाम्बा, पुलिस अधीक्षक सीकर भुवन भूषण यादव,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमकाथाना गिरधारी लाल शर्मा आरपीएस व उमेश गुप्ता आर.पी.एस वृत्ताधिकारी वृत अजीतगढ के निर्देशानुसार में श्रीमाधोपुर थानाधिकारी विजय सिंह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में सम्पति संबन्धी अपराधों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के तहत थाना श्रीमाधोपुर में 5 दिन पूर्व रात्री के समय सूने मकान से सोने चान्दी के जेवरात व नगद रूपये चोरी कर ले जाने वाले अज्ञात आरोपीगण की तलाश कर आरोपीगण विपिन भदौरिया, राहुल जाटव व करन जैन को गिरफतार किया गया। विदित थे कि गत 20 जनवरी को परिवादी राहुल रोलानियां पुत्र महेन्द्र रोलानियां निवासी बामरडा जोहडा पुलिस थाना अजीतगढ़ हाल वार्ड न. 16 तपोवन विहार कालोनी सीकर बाजार श्रीमाधोपुर ने एक रिपोर्ट इस आशय की पेश की कि 19 जनवरी की रात्री को उसके मकान का मुख्य दरवाजे का ताला तोडकर अज्ञात चोर सोने चान्दी के जेवरात व नगदी रूपये चोरी करके ले गये। दर्ज रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा नम्बर 23/2025 धारा 305 (ए), 331 (4) भारतीय न्याय संहिता 2023 में दर्ज कर अनुसंधान शुरू की गई। करीबन 60 सीसीटीवी फुटेज देखे गये व तकनिकी साक्ष्यों से आरोपीगण की तलाश के भरसक प्रयास किये जाकर आरोपीगण की पहचान कर फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश से मुल्जिमान को दबिश देकर दस्तयाब कर बाद अनुसंधान 24 जनवरी को देर शाम को गिरफ्तार किया गया। मुलजिमों को शनिवार 25 जनवरी को माननीय न्यायालय में पेश कर पीसी रिमाण्ड पर लिया गया है। गठित टीम में विजय सिंह पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना श्रीमाधोपुर, श्रीराम हैड कानि. 70 पुलिस थाना श्रीमाधोपुर, राजवीर सिंह कानि न. 375 पुलिस थाना श्रीमाधोपुर, सुभाष कानि न. 1348 पुलिस थाना श्रीमाधोपुर,मनोज कुमार कानि न. 1322 पुलिस थाना श्रीमाधोपुर व राकेश कुमार कानि न. 1393 साईबर सैल जिला सीकर शामिल थे।

ग्यारहवां पाटोत्सव होगा धूमधाम से

निवाई। श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में इंद्रा कोलोनी में स्थित श्याम मन्दिर का ग्यारहवां पाटोत्सव बडी धूमधाम से मनाया जाएगा। पाटोत्सव के आयोजन को लेकर शुक्रवार को मंदिर प्रांगण में संरक्षक व नगर पालिका एवं श्याम धर्मार्थ सेवा संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी की अध्यक्षता में साधारण सभा का आयोजन किया गया जिसमें पाटोत्सव के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गइ। श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने बताया कि श्याम मन्दिर का दो दिवशीय ग्यारहवां पाटोत्सव 19 एवं 02 फरवरी को मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 19 को भव्य निशान यात्रा एवं भजन संध्या का आयोजन होगा व 20 को अखंड ज्योति पाठ का आयोजन किया जाएगा। बैठक में उपाध्यक्ष राजू खंडेलवाल, मंत्री दीनदयाल शर्मा, शशि टोडवाल, पुरषोत्तम शर्मा, विनोद तिवाडी, भंवर जायसवाल, रामचरण विजय, सर्वेश द्विवेदी, नरोत्तम अग्रवाल, अजय जैन, मुरारी अग्रवाल, रवि पारीक, मोहित अग्रवाल, मनीष साहू, जगदीश शर्मा, हीरू सिंधी, विश्वास पारीक व राकेश सैन सहित श्याम मित्र के कई सदस्य एवं श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस पर आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

- एडीएम ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर लिया तैयारियों का जायजा
- कलेक्टर ने समारोह की तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

कोटपूतली-बहरोड़। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय समारोह का आयोजन राजकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय, कोटपूतली के खेल मैदान में 26 जनवरी, रविवार को प्रातः 9 बजे से किया जाएगा। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि कार्यालय जिला कलक्टर कोटपूतली-बहरोड़ सहित समस्त राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुए समारोह की तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण ने बताया कि ध्वजारोहण के उपरान्त मुख्य अतिथि द्वारा परेड निरीक्षण और मार्च पास्ट, महामहिम राज्यपाल महोदय का संदेश वाचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, उद्धबोधन, पीटी प्रदर्शन, विभिन्न विभागों द्वारा झांकी प्रदर्शन, पुरूस्कार वितरण व अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी को सायं 5 बजे से राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपूतली में जिले के विद्यालयों व महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण एवं नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट ने शनिवार को गणतंत्र दिवस की तैयारियों के संबंध व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए राजकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय कोटपूतली में आयोजन स्थल का निरीक्षण किया. उन्होंने सभी तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए. उन्होंने आगंतुकों के बैठने की उचित व्यवस्था, पेयजल, झांकी व सांस्कृतिक कार्यक्रम, मंच सहित अन्य व्यवस्थाएं पुख्ता करने के निर्देश दिए. इस दौरान नगर परिषद एक्सईएन दीपक मीणा, एईएन मुकेश कुमार सैनी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

यूडीएच मंत्री ने विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

- यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने श्यामसिंह वाली कुंभा वाली तक , ब्रह्मचारी मोड़ और ब्रह्मचारी मोड़ से कोटड़ी तक बनने वाली सड़कों का शिलान्यास किया

श्रीमाधोपुर। यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने श्रीमाधोपुर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने श्यामसिंह वाली कुंभा वाली तक , ब्रह्मचारी मोड़ और ब्रह्मचारी मोड़ से कोटड़ी तक बनने वाली सड़कों का शिलान्यास किया। ग्रामीण इलाकों में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान मंत्री खर्रा का भव्य स्वागत हुआ।श्यामसिंह वाली गांव में मंत्री खर्रा पारंपरिक घोड़ी पर सवार होकर शिलान्यास स्थल पहुंचे, जहां डीजे की धुनों और फूलों की वर्षा के साथ ग्रामीणों ने उनका अभिनंदन किया। इसी कड़ी में कंचनपुर गांव में राउमावि के नवनिर्मित प्रवेश द्वार का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य संजय कुमार मीणा ने मंत्री के समक्ष विद्यालय की दीवार निर्माण की समस्या रखी। इस पर मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दीवार का निर्माण जल्द पूरा किया जाए। इस दौरान विधानसभा प्रभारी अजय सिंह खर्रा,सरपंच सुनील जांगिड़,बनवारी लाल यादव किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि रामदेव सिंह रोलानियां कल्याणपुरा, भाजपा कार्यकर्ता सीताराम बाडीगर अरनिया,पंचायत समिति सदस्य गोकुल मीणा,भवानी सिंह शेखावत जोरावर नगर , सरपंच कल्याणपुरा थोई पवन कुमार सांई ,सरपंच कोटडी बिमला झरवाल, संदीप सिंह भाजपा नेता मुंडरु सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहें।

कंचनपुर विद्यालय में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया,जहां विद्यार्थियों ने देशभक्ति और राजस्थानी गानों पर मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मंत्री खर्रा ने विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय के सहयोगी भामाशाहों को साफा और प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। ग्रामीणों ने मंत्री को पारंपरिक बग्गी में बैठाकर समारोह स्थल तक ले जाकर उनका स्वागत किया। हरदाका वाली सड़क का शिलान्यास भी इस दौरे का मुख्य आकर्षण रहा। मंत्री खर्रा ने कहा कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र को बेहतर ढांचा मिलेगा और लोगों की यातायात से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी। मंत्री ने नांगल नाथूसर से त्रिलोकपुर,आसपुरा मोड़ से डेरा वाली और सुरानी / सुरानी सड़क का शिलान्यास कर ग्रामीणों को सड़कों की सौगात दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन सड़कों से यातायात सुगम होगा और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी।

यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने भारणी आवास पर जनसुनवाई की,जहां उन्होंने आमजन की समस्याओं को सुना और समाधान का भरोसा दिलाया। मंत्री के साथ एसडीएम अनिल कुमार और तहसीलदार जगदीश प्रसाद बैरवा भी मौजूद रहे। जनसुनवाई में लोगों ने व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याएं रखीं, जिनके शीघ्र समाधान के लिए मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए।

ग्रामीणों ने मंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से यातायात और आधार भूत संरचना की समस्याओं का समाधान होगा। समारोह के दौरान मंत्री खर्रा ने कहा,हमारा लक्ष्य क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता देना है। जनता की जरूरतों को पूरा करना ही हमारी पहली जिम्मेदारी है। शनिवार को इन कार्यक्रतमों में डीजे, बग्गी और घोड़ी के अनोखे नजारे देखने को मिले, जो इस अवसर को और भी खास बना गए। मंत्री के इन प्रयासों से क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है।

आई.ई.डब्ल्यू. 2025 का आयोजन 11-14 फरवरी तक

मुंबई। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज मुंबई में कहा कि भारत ऊर्जा सप्ताह यानि इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) 2025 का आयोजन एक लाख वर्ग मीटर में फैला है। भागीदारी, प्रदर्शनी स्थल और सत्रों के संदर्भ में यह विश्व स्तर पर ऊर्जा क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा आयोजन होगा 11-14 फरवरी को नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि में आयोजित होने वाले आईईडब्ल्यू 2025 में मंत्रियों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के दिग्गजों की अद्वितीय वैश्विक भागीदारी होगी, जो ऊर्जा क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगा। मीडिया से बातचीत करते हुए, पुरी ने आईईडब्ल्यू 2025 के दौरान आयोजित होने वाले स्वच्छ पाक कला मंत्रिस्तरीय सम्मेलन पर प्रकाश डाला। भारत की अत्यधिक सफल प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) ऊर्जा पहुंच से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक वैश्विक टेम्पलेट के रूप में मूल्यवान अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रणालियों को प्रदर्शित करते हुए केंद्र में रहेगी।

सार-समाचार

पार्क की दीवारों पर चित्रकारी के बजाय डंपिंग यार्ड पर करवाई

सांभरझील। सांभर में पर्यटन महोत्सव शुरू होने के एन वक्त पर विभाग की ओर से पूरे 1 साल बाद फिर से खुद की डंप पड़ी संपत्तियों की सुध ली तथा पर्यटको को आकर्षित करने के लिए प्रमुख चिन्हित जगहों पर चित्रकारी भी कार्रवाई। नगरपालिका ने सांभर शहर के मध्य स्थित नेहरू पार्क की खूबसूरती को निखारने के बजाय नरैना रोड पर स्थित डंपिंग यार्ड की दीवारों पर खूबसूरत चित्रकारी मंडवा दी। पर्यटन विभाग की ओर से सांभर परिक्षेत्र में बनवाई गई अनेक संपत्तियों का रंग रोशन और साफ-सफाई का काम करवाया। सांभर से फुलेरा तक 7 किलोमीटर की दूरी पर विगत एक साल से गहरे गड्ढे जिनको भरवाने के लिए कभी पीडब्ल्यूडी और न ही नगरपालिका की ओर से लाख मिन्नतें करने के बावजूद भी ठीक नहीं करवाया गया, लेकिन जैसे ही महोत्सव की शुरुआत होने को आई तो मंत्रियों के आगमन की सूचना पर आनंद-फानन में पेचवर्क का काम करवा कर सड़कों पर वाहनों को चलने लायक स्थिति में किया। सरकार रोजगार देने के लिए कटिबद्ध है लेकिन महोत्सव की आड़ में प्रशासन का डंडा फुटकर और ठेले थड़ी वालों पर भी चला, जो यहां पर अपना व्यवसाय कर परिवार का पालन पोषण कर रहे थे, बेशक यह अतिक्रमण की परिभाषा में आता हो लेकिन यह लोग तो पहले से ही यहां अपना धंधा कर रहे थे तो स्थानीय पालिका प्रशासन के संज्ञान में क्यों नहीं आया और खुद एसडीएम ने इसकी जिम्मेदारी हटाने की उठाई। यहां तक की जिन निराश्रित पशुओं से आए दिन लोग चोटिल हो रहे थे, वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी। अनेक दफा यहां के लोगों ने पशुओं को पकड़वाने के लिए पालिका से लिखित में और मौखिक अनुरोध किया, लेकिन कभी कोई कार्रवाई नहीं हुई और जैसे ही बड़े अधिकारियों का या यूं कहे सरकार का दबाव पड़ा तो पालिका ने एक दो रोज में ही 30 से अधिक निराश्रित पशुओं को पकड़कर उन्हें गौशाला भिजवाया।

भामाशाह सम्मान समारोह मनाया

मनोहरपुर। कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तोपचीखाना में वार्षिक उत्सव हर्षौल्लास से मनाया गया।कार्यक्रम के दौरान आगंतुक अतिथियों का साफा माल्यार्पण कर भव्य स्वागत सम्मान किया गया । इसी प्रकार तोपचीवाडा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य सीताराम की अध्यक्षता व पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रजापत के मुख्य अतिथित्य में वार्षिकोत्सव मनाया गया।कार्यक्रम के दौरान सरकार स्कीम विद्यालय के टॉपर तीन बालक बालिकाओं को लैपटॉप भेंट किए गए।इस दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बालक बालिकाओं के द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई।इस दौरान हाजी सरदार बशीर खान वेलफेयर सोसाइटी की ओर से विद्यालय में टॉपर रही दो लड़कियां व एक लड़के को 2100 रुपए का नगद पुरस्कार व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।वही भाजपा नेता सिद्धार्थ गुर्जर ने विद्यालय की कक्षा के लिए 10 कुर्सियां देने की घोषणा की गई। इस दौरान हाजी गफ्फार खान ने विद्यालय में 5 कुर्सियां भेंट करने की घोषणा की। वही अध्यक्ष शहीद चौहान ने बालक बालिकाओं को नगद पुरस्कार भेंट किया।

अवैध मीट की दुकानें करवायी बंद

पावटा। नगरपालिका पावटा प्रागपुरा ने गुरुवार को पावटा कस्बे के नहर रोड पर बड़ा अभियान चलाकर अवैध रूप से चल रहे कैफे और गेस्ट हाउस को सील कर दिया। नगरपालिका पावटा प्रागपुरा ईओ फतेह सिंह मीणा ने बताया कि नगरपालिका क्षेत्र में काफी दिनों से इसकी शिकायत मिल रही थी। जांच के लिए पहुंचे पालिका अमले को शिकायत सही मिली। जिस पर तत्काल कार्रवाई कर सील किया गया। नगरपालिका पावटा प्रागपुरा ईओ फतेह सिंह मीणा ने बताया कि पावटा कस्बे के नहर रोड पर आए दिन बिना अनुमति के चल रहे कैफे व गेस्ट हाउस की शिकायतें पालिका को मिल रही थी। यहां पर कैफे के नाम पर कारोबार किया जा रहा था। शिकायत पर ईओ फतेह सिंह मीणा ने टीम को जांच के लिए भेजा। इस दौरान सभी कैफे व गेस्ट हाउस संचालक से संचालन की अनुमति संबंधी दस्तावेजों की मांग की। कैफे व गेस्ट हाउस संचालन से संबंधित किसी के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले। इसलिए पालिका ने एक कैफे व एक गेस्ट को सील कर दिया। वहीं पावटा कस्बे मे अवैध मीट की दुकानें और बूचड़खाने पर पावटा प्रागपुरा नगरपालिका ने कार्यवाही करते हुए बंद करवाया।

छात्राओं ने निकाली सड़क सुरक्षा रैली

राजगढ़। कस्बे के बांदीकुई मार्ग स्थित कल्पना चावला पीजी गर्ल्स कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में छात्राओं ने सड़क सुरक्षा रैली निकाली। इस रैली को बृजेंद्र सिंह बबेली अध्यक्ष अतिरिक्त एवं सहायक विकास अधिकारी संघ अलवर एवं निदेशक डी एस नरूका ने झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम अधिकारी हंसराज वर्मा ने बताया कि सड़क सुरक्षा प्रमुख मार्गो से होती हुई वापस महाविद्यालय परिसर पहुंची। वाहन चालकों को रोक कर सड़क सुरक्षा के नियम भी बताएं। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में निदेशक नरूका ने उपस्थित छात्रों को सड़क सुरक्षा के बारे में यातायात के नियम बताएं। कार्यक्रम में डॉ सावित्री सिंह, मोहनलाल गुप्ता, ओमी एवं मधु सैनी सहित अन्य मौजूद रहे।

'संगठन के प्रति निष्ठा के साथ करें कार्य'

कोटपूतली। विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के नवनियुक्त मण्डल अध्यक्ष क्रमशः नगर मण्डल के अरूण सैनी, पूर्व मण्डल के राजवीर यादव, पश्चिम मण्डल के दाताराम शर्मा व दक्षिण मण्डल के राजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को स्थानीय डाक बंगला परिसर में विधायक हंसराज पटेल से शिष्टाचार भेंट की। साथ ही विधायक का स्वागत किया।विधायक ने कहा कि संगठन के प्रति समर्पण व निष्ठा के साथ कार्य करें। यदि एकजुट होकर कार्य करेगें तो आगामी निकाय व पंचायती राज चुनाव में सफलता पार्टी के कदमों में होगी। इस मौके पर पूर्व चौयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी, एड. दयाराम गुर्जर, रघुवीर गोयल, राजेन्द्र रावत, सरपंच मालाराम गुर्जर, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, भूपेन्द्र यादव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

अल्का ने संभाला प्राचार्य का पदभार

मालपुरा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालपुरा मे पदस्थापित उपप्राचार्य अल्का पारीक ने शनिवार को प्राचार्य का पदभार संभाला। राज्य सरकार के निर्देशो पर शिक्षा विभाग द्वारा उपप्राचार्य से प्राचार्य पद पर विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयनित सभी प्रधानाचार्य के यथावत कार्यग्रहण के हुये आदेशो की पालना मे राउमावि मालपुरा मे कार्यरत उपप्राचार्य अल्का पारीक ने इसी विद्यालय मे पदोन्नत होकर शनिवार को प्रधानाचार्य का पदभार संभाला। इस दौरान विद्यालय स्टाफ सचिव जगदीश गुर्जर,दीपक गुप्ता,राजेन्द्र प्रसाद,जीतराम चौधरी,गिरधर शर्मा,अमित पारीक,सत्यनारायण शर्मा,देवकीनन्दन शर्मा,रश्मी शर्मा, सीमा आहला, मीना वर्मा, सरिता शर्मा, आदि ने अल्का पारीक को माला पहना दी बधाई।

महाकुम्भ यात्रा के लिये श्रद्धालू रवाना

कोटपूतली। श्री कल्याण परिवार द्वारा द्वितीय प्रज्ञा महाकुंभ यात्रा के लिये शनिवार को करीब 42 श्रद्धालूओं को रवाना किया गया। श्रद्धालू प्रज्ञा और काशी होते हुये वापस कोटपूतली पहुंचेगें। जिनकी यात्रा 25 से 27 जनवरी तक पूरी होगी। यात्रा का नेतृत्व कर रहे प्रेमभगत हलवाई व अशोक शर्मा द्वारा भक्तों को तीर्थ यात्रा करवाई जा रही है। शनिवार को अग्रवाल समाज अध्यक्ष योगेश शरण बंसल व महामंत्री नितेश डिंपल ने झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। रजत जिंदल ने यात्रियों का माला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान बाबूलाल लखेरा, मनीष यादव, रजनीश बंसल, दिलीप बंसल, शिवम बंसल व प्रेम कुमावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मोहम्मद अमान ने जीता स्वर्ण पदक

टोंक। बैडमिटन एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के तत्वाधान में बैंगलोर में आयोजित बैडमिटन प्रतियोगिता के फाईनल मैच में टोंक के मोहम्मद अमान ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार टोंक के मोहम्मद अमान ने बैडमिटन प्रतियोगिता में अपने पार्टनर डिकू सिंह के साथ पुरूष डबल्स केटेगरी में दिल्ली टीम को हराकर स्वर्ण पदक जीता। अब देहरादून में 28 जनवरी को होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में वह राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगें।

संगोष्ठी का आयोजन

दूदू । निकटवर्ती पड़ा सोली स्थित टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज एवं बॉम्बे वर्ल्ड स्कूल के सभागार में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर डॉक्टर निम्मी महर्षि द्वारा छात्र-छात्राओं को पीसी-पीएनडीटी एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

दिया कुमारी ने विद्याधर नगर लोहामण्डी में उच्च जलाशय का शिलान्यास किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-द्वितीय के अन्तर्गत विद्याधर नगर विधानसभा के लोहा मण्डी में 8 करोड़ 96 लाख रुपये की लागत से बनने वाले उच्च जलाशय निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके साथ ही विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 करोड़ 80 लाख 75 हजार की निर्माण लागत के अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इसमें नगर निगम जयपुर ग्रेटर के वार्ड नं.15 में वॉलीबॉल कोर्ट का शिलान्यास व विभिन्न लोकापर्ण शामिल हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा इस 17 लाख 50 हजार लीटर क्षमता वाली टंकी के निर्माण के बाद आने वाले समय में क्षेत्र के वार्ड नम्बर 2 के सुभाष नगर, बालाजी विहार, गणेश नगर, अरावली विहार, भगवान नगर, विलोची नगर, अमन एन्क्लेव और आस-पास के क्षेत्र की पेयजल समस्याओं का समाधान होगा।

दिया कुमारी ने नगर निगम जयपुर ग्रेटर के वार्ड नं. 15 में देवधारा कॉलोनी में 21 लाख की लागत का सी.सी. सडक कार्य, शंकर विहार व विकास नगर में 36 लाख की लागत का सी. सी. सड़क कार्य, देव नगर में 19 लाख की लागत का सी.सी. सड़क निर्माण कार्य, रामेश्वर धाम में 30 लाख 75 हजार की लागत का सी. सी. सड़क एवं ब्लॉक टाईल्स कार्य, आर्य नगर विस्तार एवं बालाजी विहार में 18 लाख की लागत का ब्लॉक टाईल्स कार्य, गंगा जमुना विहार एवं शिवपुरी में 16 लाख की लागत का ब्लॉक टाईल्स कार्य, विकास नगर विस्तार में 20 लाख की लागत का डामर सड़क निर्माण कार्य सहित कुल 1 करोड़ 60 लाख 75 हजार के कार्यों के लोकार्पण किये। इसी प्रकार उन्होंने नगर निगम जयपुर ग्रेटर के वार्ड नं. 15 में दादी का फाटक आर.ओ.बी. के नीचे 20 लाख की लागत से वॉलीबॉल कोर्ट के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

वहीं दूसरी ओर दिया कुमारी ने

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा के लोहा मण्डी में 8 करोड़ 96 लाख रुपये की लागत से बनने वाले उच्च जलाशय निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

- विद्याधर नगर विधानसभा के वार्ड नम्बर 3 पार्षद कार्यालय का उद्घाटन किया

विधाधर विधानसभा क्षेत्र के श्रीनाथ कुंज कॉलोनी, अनोखा गांव, हरमाड़ा में वार्ड संख्या 3 के पार्षद हरिशंकर बोहरा के नवनिर्मित पार्षद कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समय पर निराकरण और क्षेत्र के विकास में पार्षद कार्यालय का महत्वपूर्ण योगदान होता है जहां आमजन स्थानीय स्तर पर अपनी समस्याओं को लेकर जाता है। ऐसे में यह पार्षद कार्यालय क्षेत्रवासियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस दौरान जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, पार्षद हरिशंकर बोहरा, मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा, वार्ड 103 पार्षद महेंद्र शर्मा, सुनीता राठौड़, सुरेश जांगिड़, सुनील करोड़िया, विजय शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ता और वार्डवासी उपस्थित रहें।

'मतदान बहुत बड़ी ताकत'

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में शामिल हुए।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि मतदान में इतनी ताकत है कि इससे छोटे को बड़ा किया जा सकता है और बहुत बड़े को भी छोटा किया जा सकता है। उन्होंने बगैर लालच के निर्भीक होकर मतदान में सभी को भाग लेने का आव्हान किया।

बागडे शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर सभी को निर्भीक और निष्पक्ष होकर मतदान करते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की शपथ भी दिलाई।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय मूल की संस्कृति, आचार पद्धित विश्व भर में प्रेरणा देने वाली रही है। इस संस्कृति के कारण ही लोकशाही हमारे यहां आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि आजादी मिलने पर चर्चिल ने कहा था कि भारत अज्ञानी देश है, यहां लोकतंत्र पनप नहीं सकेगा। पर यह हमारी मानवीय मूल्यों पर आधारित संस्कृति ही है, जिससे भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र बना। उन्होंने नए युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने और मतदान में भागीदार बनने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने सभी को मतदान करने, मतदान सूचियों की त्रुटियां दूर करने में सहयोग करने और एक मतदाता का दो या तीन स्थानों पर नाम होने पर स्वयं प्रेरित होकर उसे एक ही स्थान पर सूची में नाम रखने का आव्हान किया।

उन्होंने कहा कि "मतदाता दिवस" की सार्थकता इसमें है कि सामुहिक प्रयासों से अधिकाधिक मतदान हो। मतदान से कोई वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस मतदान के प्रति जागरूक ही नहीं करता बल्कि वोट देकर लोकतंत्र को मजबूत करने से जुड़ा प्रेरक पर्व है। उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी सभी को मिलकर प्रयास करने का आव्हान किया। राज्यपाल ने समारोह में मतदान जागरूकता के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले 35 अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। आरंभ में उन्होंने मतदान जागरूकता के आलोक में निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन कर मतदान और लोकतंत्र से संबंधित पेंटिंग्स की सराहना की। उन्होंने नवीन युवा मतदाताओं को इस अवसर पर सम्मानित किया।

भारत निर्वाचन आयोग के आयुक्त राजीव कुमार का संदेश भी इस दौरान प्रसारित किया गया। इसमें उन्होंने कहा कि भारत में मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है। जल्द ही देश सौ करोड़ मतदाता वाला राष्ट्र हो जाएगा। यह कई देशों के संयुक्त मतदाता संख्या से भी अधिक है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मधुकर गुप्ता ने मतदान दिवस को उत्सव के रूप में मनाने का आव्हान किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने मतदान के महत्व की चर्चा करते हुए राजस्थान में मतदान के किए किए गए नवाचारों और मतदान दिवस के इतिहास और महत्व के बारे में विस्तार से अवगत कराया। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज भी इस अवसर पर मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर डा. जितेंद्र सोनी ने सभी का आभार जताया।

समारोह में आदिवासी कलाकारों द्वारा "वोट तुम डारो रसिया, लोकतंत्र की सुनो पुकार मत खोना अपना अधिकार" पर नृत्य और संगीत प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में करेंगे शिरकत

जयपुर। मुख्यमंत्री उदयपुर के महाराणा भूपाल स्टेडियम में राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में प्रात: 9.30 बजे शामिल होंगे। इससे पहले वे प्रात: 9 बजे उदयपुर में शहीद स्मारक (नगर निगम) पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे।

जितेन्द्र कुमार सोनी को जयपुर संभागीय आयुक्त का अति.प्रभार

जयपुर। राज्य सरकार ने आज एक आदेश जारी कर दो कलेक्टरों को संभागीय आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

आदेशानुसार जयपुर कलेक्टर जितेन्द्र डॉ.कुमार सोनी को जयपुर संभाग का और भरतपुर कलेक्टर डॉ. अमित यादव को भरतपुर संभाग का संभागीय आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है।

प्रबोधकों के नियम विरुद्ध किए तबादला आदेशों की क्रियान्विति पर रोक

जयपुर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने प्रबोधकों का ट्रांसफर तृतीय श्रेणी लेवल-1 के पद पर करने के आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख शिक्षा सचिव और शिक्षा निदेशक से जवाब मांगा है। अधिकरण ने यह आदेश संजय कुमार जैन व अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अधिकरण को बताया कि अपीलार्थी उच्च प्राथमिक स्कूलों में प्रबोधक के पद पर कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति राजस्थान पंचायती राज प्रबोधक सेवा नियम के तहत हुई थी। ऐसे में उनका ट्रांसफर समकक्ष पद पर ही किया जा सकता है। वहीं ट्रांसफर से पहले जिला परिषद की जिला स्थापना समिति से अनुमोदन लेना भी जरूरी है। इसके बावजूद भी शिक्षा विभाग ने इन सेवा नियमों का पालन किए बिना ही उनका ट्रांसफर किया है और जिला स्थापना समिति से भी अनुमोदन नहीं लिया गया। यह राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 289 की भी अवहेलना है। इसलिए तबादला आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाए।

गणतन्त्र दिवस पर देवनानी की शुभकामनाएं

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 76वें गणतन्त्र दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। देवनानी ने कहा है कि गणतन्त्र दिवस पर हम सभी को राष्ट्रके विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेना होगा।

देवनानी ने कहा है कि भारत की आत्मा भारतीय संविधान है। भारत के संविधान के प्रति श्रद्धा और जागरूकता बढाने के लिए राजस्थान विधान सभा में संविधान दीर्घा का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा है कि इस दीर्घा का उद्देश्य आमजन और युवाओं को भारत और भारत की सांस्कृतिक नैतिकता से परिचित कराना है।

डिफेक्टिव स्लीपर बेचने पर वुडलैंड पर 45 हजार रुपए का हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने ग्राहक को डिफेक्टिव स्लीपर बेचने को अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस करार दिया है। वहीं विक्रेता एरो क्लब यानि वुडलैंड इंडिया पर 45 हजार रुपए हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही परिवादिया से स्लीपर की कीमत के तौर पर वसूली गई 1836 रुपए की राशि भी ब्याज सहित लौटाने को कहा है। आयोग अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीना व सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश सुनीता कुमावत के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि उसने विपक्षी के यहां से स्लीपर की एक जोडी खरीदी थी। इसके एक महीने बाद ही स्लीपर में डिफेक्ट आना शुरू हो गया। स्लीपर का कलर उतर गया और वह जगह-जगह से फट गया। वह किसी भी तरह से पहनने लायक नहीं रही। इस पर उसने विपक्षी से संपर्क कर बताया कि उन्होंने इस पर 90 दिन की गारंटी दी थी लेकिन यह एक महीने में ही खराब हो गई है। जिस पर उसे नवंबर 2020 के प्रथम सप्ताह में आने के लिए कहा। वह वापस गई तो विपक्षी टालमटोल करने लगा। ऐसे में उसकी स्लीपर ना तो बदली और ना ही उसकी कीमत ही वापस की।

कांग्रेस ने एक परिवार को खुश करने के लिए तो भाजपा ने जनहित में किए संविधान संशोधन : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा के संविधान गौरव अभियान के तहत शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि एक ओर भाजपा है जिसने सदैव जनमत का सम्मान और लोकतंत्र का आदर किया। भाजपा ने अखंड भारत और जनहित के लिए संविधान में संशोधन किया और कश्मीर से धारा 370 हटाई। इतना ही नहीं, भाजपा ने संशोधन किया तो सीएए कानून पारित किया, भाजपा ने संविधान संशोधन किया तो हमारी बहनों को तीन तलाक से आजादी दिलाने के लिए किया। जबकि कांग्रेस ने सर्वाधिक 75 बार संविधान में संशोधन करके केवल एक परिवार को लाभ पहुंचाने का काम किया तथा जनता के मौलिक अधिकारों का हनन करने का काम किया।

- 'भाजपा ने अखंड भारत और जनमत के सम्मान में किए संविधान संशोधन, कश्मीर से हटाई धारा 370, तीन तलाक को किया समाप्त'

राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में प्रवेश करने के साथ ही संविधान को प्रणाम किया। संविधान का सम्मान और संविधान निर्माताओं का सम्मान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। भाजपा सर्वे भवंतु सुखिने की भावना के साथ काम करती है, जबकि कांग्रेस एक परिवार को खुश करने की नीति पर कार्य करती है। कांग्रेस दबाव डालकर, अफवाह फैलाकर भ्रमित करने की राजनीति कर रही है। ऐसे में संविधान और बाबा साहब के लिए भाजपा द्वारा किए गए कार्यों को हमें जनता तक पहुंचाना है। जनता को जागरूक करना है कि कांग्रेस ने सदैव संविधान और बाबा साहब का अपमान करने का कार्य किया है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस तो आरक्षण तक के विरोध में है। जबकि भाजपा ने पंचायती राज और नगरीय निकायों में एसटी-एससी वर्ग को आरक्षण देने का कार्य किया था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए बयान को कांग्रेसियों ने देश के सामने तोड़ मरोड़ कर पेश किया। केवल वोट बैंक और एक वर्ग के समर्थन के लिए मिथ्या भ्रम फैलाने की राजनीतिक प्रयास किया। लेकिन हकीकत यह है कि कांग्रेस ने बाबा साहब का कभी सम्मान नहीं किया। इंदिरा गांधी ने 1971 में मौलिक अधिकारों के साथ छेडछाड़ करने का प्रयास किया। हमारे देश की निर्वाचित सरकारों को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने का काम किया। वहीं भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा बांग्ला देश से आने वाले घुसपैठियों को शरण देने जैसे बयान के बाद भी उस निर्वाचित सरकार को बर्खास्त नहीं किया, क्योंकि भाजपा लोकतंत्र का सम्मान करती है।

संगोष्ठी में जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि संविधान निर्माता सदस्यों में हमारी 15 बहनों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इतना ही नहीं, हमारे राजस्थान से भी 12 गणमान्य लोगों ने संविधान निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई थी। ऐसे में हम उन सभी लोगों के आभारी है जिसने दुनिया में सर्वश्रेष्ठ संविधान निर्माण किया। संविधान गौरव अभियान के प्रदेश संयोजक एवं धोद विधायक गोरधन वर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए बताया कि कांग्रेस मिथ्या नेरेटिव सेट करने का कार्य करती है। इस मिथ्या नेरेटिव को दूर करने के लिए भाजपा की ओर से संविधान गौरव अभियान चलाया गया। कांग्रेस ने एसटी-एससी वर्ग को भाजपा से दूर करने का प्रयास किया लेकिन यह भारतीय जनता पार्टी है जिसमें इस वर्ग से सर्वाधिक विधायक, सांसद, मंत्री बनाए है। कार्यक्रम में मंच पर विधायक कैलाश वर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राघव शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील कोठारी, चंद्रमोहन बटवाडा, जयपुर जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, उप महापौर पुनित कर्नावट, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रक्षा भंडारी, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, तेज सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राघव शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया और मंच संचालन भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत ने किया।

भाजपा के संविधान गौरव अभियान के तहत शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर संगोष्ठी का प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने उद्घाटन किया।

रिटायर नायब तहसीलदारों से वसूली, हाईकोर्ट ने लगाई रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिटायर नायब तहसीलदारों व गिरदावरों के खिलाफ निकाली गई राशि की वसूली पर अंतरिम रोक लगाते हुए प्रमुख राजस्व सचिव, पेंशन निदेशक सहित तहसीलदार सपोटरा से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश नूरुद्दीन व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता करौली जिले की सपोटरा तहसील में गिरदावर के पद पर कार्यरत थे। उन्हें बाद में कार्य व्यवस्था के तौर पर नायब तहसीलदार पद की जिम्मेदारी दी। वे अपना कार्य नियमित तौर पर करते रहे। इस दौरान दो से चार साल पहले वे अपने पदों से रिटायर हो गए। वहीं तहसीलदार सपोटरा ने नवंबर 2024 में उन्हें बिना कोई नोटिस व सुनवाई का मौका दिए उनके सेवाकाल में रहने के दौरान के यात्रा भत्ता बिलों को अनियमित भुगतान माना।

वहीं उन्हें इस राशि की वसूली का आदेश जारी कर दिया। इसे याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि वसूली आदेश से पहले उनसे ना तो कोई स्पष्टीकरण मांगा है और ना ही यह स्पष्ट किया है कि यह राशि कौन से समय की है। वहीं राज्य सरकार ने समय-समय पर परिपत्र जारी कर रखे हैं कि रिटायर कर्मचारियों से तीन साल पहले के मामलों में कोई जांच कार्रवाई नहीं होगी। इसलिए उनसे होने वाली राशि की वसूली पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने रिकवरी पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया पाया

मेरा मकान सं.114/321, प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का मूल नियमितिकरण लैटर व समस्त दस्तावेज कन्वेंश डीड व परपिच्युल डीड आदि कहीं गुम हो गयी है। मिलने पर सम्पर्क करें। शान्ती देवी, मो.-9950603591

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम चन्द्रकान्त परेवा से बदलकर चन्दन परेवा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। ग्राम- गिदानी, तहसील दूदू, जिला जयपुर (राज.)

मैं, अभिनव सिंह पुत्र भगवान सहाय बैरवा, पताः बैरवा की ढाणी, दयालपुरा, जयपुर, 303905 ने 1 अप्रैल 2021 को प्रकाशित साधारण राजपत्र के माध्यम से अपना नाम शत्रुघ्न बैरवा से बदलकर अभिनव सिंह कर लिया है।

I Priyal Jogani S/o Naresh kumar Jogani R/o C1-504 Samarth Enclave VIP Road Vesu Surat City, Gujarat 395007. Have changed my name from Jogani Priyal Naresh to Priyal Jogani for all future purposes.

I priti khatana D/O Shankar Lal R/O village post samaspur tehsil mahwa district Dausa that in my education documents my father name Shanker Lal is wrong entered but correct name is Shankar Lal gurjar. in future my father name called as SHANKAR LAL GURJAR for all purposes.

I, UMMED KANWAR legally wedded spouse of Army No JC-236710M Ex- Risaldar Laxmi Narayan Singh Rao, R/O E-3 Jai Jawan Apartment, Sector-1, Vidhyadhar Nagar Jaipur have my name as UMED KUNWER (DOB 9/9/1958), which is wrongly entered in service record of my husband and the correct details are - UMMED KANWAR (DOB 25/12/1961) as per vide affidavit dated 23 Jan 2025 before district Notary Jaipur.

सार्वजनिक सूचना **जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर**
क्रमांक: जविप्रा/जोन-6/2025/डी-209 दि. 24.01.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती पुष्पा शर्मा पत्नी स्व. श्री महेश कु. शर्मा द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र, सजरा शपथ पत्र, रजि. हकत्याग पत्र एवं रजि. उपहार पत्र के आधार पर सुभाष सिंधी गृ.नि.स.स. की योजना स्कीम नम्बर- 22 के भूखण्ड संख्या 9-ए क्षेत्रफल 194.44 व.ग. का नाम हस्तान्तरण पत्र जारी करने हेतु आवेदन किया है। जविप्रा द्वारा उक्त भूखण्ड की लीजडीड दिनांक 06.02.2003 को श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री नानगराम शर्मा के पक्ष में जारी की गई है। अतः इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/कम्पनी/सह खातेदार व अन्य किसी को कोई आपत्ति हो, तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत करे, अन्यथा योजना स्कीम नम्बर- 22 के भूखण्ड संख्या 9-ए का नाम हस्तान्तरण श्रीमती पुष्पा शर्मा के पक्ष में जारी करने की नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। मयाद पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नही होगी।
उपायुक्त जोन-6, जविप्रा, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चन्दन शर्मा पुत्र श्री ओमप्रकाश शर्मा निवासी फ्लैट नम्बर 103, करतार शान्ति विला, बनीपार्क, जयपुर द्वारा मकान नम्बर 352 चौकडी पुरानी बस्ती नाहरगढ रोड, गली जगन्नाथ जी, जयपुर जिसका कुलक्षेत्र 11.55 वर्गगज अर्थात 9.66 वर्गमीटर में अविभाजित हिस्सा 1/2 स्थित है को उसके वर्तमान स्वामी श्री विक्रम सिंह पुत्र श्री मदन सिंह से विक्रय पत्र द्वारा क्रय किया जा रहा है। उक्त सम्पत्ति के विक्रय किये जाने के संबंध में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन की तारीख से सात दिवस के अन्दर अद्योलिखित कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें।
दिनांक-24/01/25 गौरव स्वामी (एडवोकेट)
जयपुर मो.-7976169305

संख्यांक 2
विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय, स्थान बत्ती
पप्पू वगैरा विरुद्ध गोपाल वगैरा
वाद बाबत घोषणा, इन्द्राज दुरुस्ती एवं स्थायी निषेधाज्ञा
वाद सं. 136 सन् 2013
प्रतिवादी संख्या 12 द्वारका पुत्र सव. सूज्या जाति माली
प्रतिवादी संख्या 13 काना पुत्र स्व. सूज्या जाति माली
प्रतिवादी संख्या 18 जगदीश पुत्र रेवड जाति माली
प्रतिवादी संख्या 28 फूलीदेवी बैवा जगदीश जाति माली
प्रतिवादी संख्या 29 भागचन्द पुत्र जगदीश जाति माली
प्रतिवादी संख्या 30 लोकैश पुत्र जगदीश जाति माली
प्रतिवादी संख्या 31 मुकेश पुत्र जगदीश जाति माली
प्रतिवादी संख्या 32 राहुल पुत्र जगदीश जाति माली
प्रतिवादी संख्या 34 ज्ञानी पुत्री जगदीश जाति माली
प्रतिवादी संख्या 44 दुर्गा पुत्र कल्याण जाति माली
प्रतिवादी संख्या 49 रामबाबू पुत्र सौहन जाति माली प्रतिवादी संख्या 51 नौरती बेवा कल्याण जाति माली प्रतिवादी संख्या 52 राकेश पुत्र कल्याण जाति माली
प्रतिवादी संख्या 53 चन्द्रकान्ता पुत्री कल्याण जाति माली
प्रतिवादी संख्या 54/1 ग्यारसी पत्नि लल्लूराम जाति माली
प्रतिवादी संख्या 54/2 प्रेमचन्द पुत्र लल्लूराम जाति माली
स्थान : ग्राम बस्ती ढाणी ढोल्या की बाड्या, तहसील बत्ती, जिला जयपुर ने आपके विरूद्ध घोषणा के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 29 माह 02 सन् 2025 को दिन में 10 ए. एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद सै सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे।
आपको सूचित किया जाता है कि उमर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुप स्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 19 माह 11 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।
मोहर अदालत
न्यायाधीश
उपखण्ड अधिकारी
बस्सी (जिला जयपुर)

आम सूचना सभी आम लोगों को सूचित किया जाता है कि हम जमीलुल इस्लाम व पत्नी फरजाना परवीन, निवासी- 5316, रैगरों की कोठी, जयपुर के है। मेरी पुत्रवधु निमरा हसन का व्यवहार मेरे व परिजनों के प्रति क्रूरता व लड़ाई-झगड़े व खुद को जान से मारने की धमकी देने व मेरे परिवार को झूठे केसों में फंसाने की धमकी देने के कारण हम सभी घरवालों का जीना दुर्भर हो गया है। इसलिए हम दोनों अपनी चल व अचल सम्पत्ति से पुत्र शाहनवाज खान व पुत्रवधु को वेदखल करते है। यदि यह किसी भी प्रकार की किसी को हानि पहुंचाती है तो उसकी जिम्मेदारी मेरी व मेरी पत्नी की नहीं होगी।
जमीलुल इस्लाम, फरजाना परवीन
मो.-6377150720

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक: D-126 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक: 24.01.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नागरिक सेवा केन्द्र के पंजीयन नम्बर 199798 से आवेदक श्री विपुल अग्रवाल पुत्र श्री सीताराम अग्रवाल ने जविप्रा द्वारा जारी लीजडीड पश्चात एक से अधिक बेचान के आधार पर जविप्रा की योजना वैशाली नगर के भूखण्ड संख्या एफ-150, क्षेत्रफल: 222.08 व.ग. का नाम हस्तांतरण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन किया गया है। जविप्रा की योजना वैशाली नगर के भूखण्ड संख्या एफ-150, क्षेत्रफल: 222.08 व.ग. का लीजहोल्ड पट्टा दिनांक 24.12.2008 को श्रीमती डॉ. चन्द्र किरण पुत्री श्री चन्दूमल पत्नि डॉ. टी.के. खुबलानी के नाम से जारी किया गया। उक्त दस्तावेजों के आधार पर जविप्रा की योजना वैशाली नगर के भूखण्ड संख्या एफ-150, क्षेत्रफल: 222.08 व.ग. का नाम हस्तांतरण पत्र जारी किये जाने के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ फर्म/ कम्पनी एवं अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो सार्वजनिक सूचना जारी दिनांक से 07 दिवस की अवधि में अपने हक स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज सहित आपत्ति उपायुक्त जोन-07, जेडीए के कार्यालय में पेश कर सकते हैं।
यह सूचना आज दिनांक 24.01.2025 को जारी की गई है।
उपायुक्त जोन-07, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय श्रीमान ADJ-10 सांगानेर जयपुर
स्थान प्रथम
हेमलता विरूद्ध नवीन
वाद/प्रार्थना पत्र S-13 HMA
प्रार्थना-पत्र संख्या 337 सन् 2024
नाम नवीन सिंह कटारिया पुत्र श्री सत्यवीर सिंह कटारिया जाति.... पता नि.- एस.आई.एस.स्कूल मानसरोवर जयपुर (राज.)
उक्त प्रार्थिया ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि..........
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि.3 माह 3 सन् 2025 को 10.30 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक यप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता. 24 माह 1 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
आज्ञा से-शरिस्तेदार
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम संख्या-10 जयपुर महानगर-प्रथम, मुख्यालय सांगानेर

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University-Jobner), Bhusawar (Weir) Bharatpur (Rajasthan)-321406
No. : F.( )/Dean-COAB/2025/856-61 Dated :- 21/01/2025
NOTICE INVITING BID
Bid for open tender regarding Furniture are invited from interested bidders up to 11 A.M., 30.01.2025. other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.raj.nic.in)** of the state or **www.sknau.ac.in** University website.
NIB code SKN2425A0315 and UBN is SKN2425GSOB00317
Raj.Samwad/C/24/10811 DEAN

DEPARTMENT OF PHYSICS
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR-313001
Email: physics@mlsu.ac.in Website: www.mlsu.ac.in
No.-PHY/CS/FIST/E-Tender/2025/68 Date-24/01/2025
CORRIGENDUM
In reference to "Supply of Accessories for UV-Vis- NIR & Fluorescence Spectrophotometer' vide tender No. PHY/CS/FIST/E-tender/2025/67 dated 22-01-2025, "project of RUSA 2.0" should be read as "project of DST-FIST" in the bid documents as well as in the notice inviting E-bid in newspapers
NIB CODE- SUU2425A0096 UBN No- SUU2425GLOB00137
Head, Department of Physics

योजना का शुभारंभ 27-01-2025 | **रिचवैल एन्टरप्राईजेज प्रा. लि.** जी-1, वेस्टर्न हाईट्स, एस-21, श्याम नगर, जयपुर। | आवेदन की अन्तिम तिथि 12-02-2025

योजना का नाम : "वर्धमान एंप्रेस"
मैसर्स रिचवैल एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वंदेमातरम रोड, मानसरोवर, जयपुर पर विकसित की जा रही परियोजना "वर्धमान एंप्रेस" के 5% BAR के एवज में स्प्लिट लोकेशन पर "एंपायर एस्टेट" महापुरा, अजमेर रोड, जयपुर पर मुख्यमंत्री जन आवास योजना 2015 के अंतर्गत आर्थिक दृष्टि से कमजोर एवं अल्प आय वर्ग के लिए फ्लैट्स आवंटन की लॉटरी की सूचना :-

क्र. सं.	विवरण	कमजोर आय वर्ग (EWS) श्रेणी	अल्प आय वर्ग (LIG) श्रेणी
1.	रेरा पंजीयन क्रमांक	RAJ/P/2022/2147	
2.	योजना में फ्लैट्स की संख्या	201 फ्लैट्स (EWS)	313 फ्लैट्स (LIG)
3.	योजना में फ्लैट्स का क्षेत्रफल (सुपर बिल्टअप वर्गफीट में)	1: 446.32; 2: 464.72	1: 737.81; 2: 744.59; 3: 790.64; 4: 827.34; 5: 869.84; 6: 881.24; 7: 897.38; 8: 906.10; 9: 926.33; 10: 928.70; 11: 936.77; 12: 1038.66; 13: 1044.58; 14: 1058.57; 15: 1094.83
4.	आवंटन दर	2121 रूपये (प्रति वर्गफीट सुपर बिल्टअप एरिया पर) (आवंटन दर में 50/- प्रति वर्गफीट संबंधित नगरीय निकाय (ULB Charges), 50/- प्रति वर्गफीट संधारण मद (Maintenance Corpus) तथा 75/- प्रति वर्गफीट लिफ्ट चार्जेज के सम्मिलित हैं)	
5.	आवेदनकर्ताओं की सूची का प्रकाशन	दिनांक 13.02.2025	
6.	प्राप्त आवेदन के निस्तारण की अवधि	दिनांक 14.02.2025 से 16.02.2025	
7.	विकासकर्ता का नाम एवं कार्यालय का पता :	रिचवैल एन्टरप्राईजेज प्रा.लि. जी-1, वेस्टर्न हाईट्स, एस-21, श्याम नगर, जयपुर . 302019	
8.	निर्माणकर्ता का नाम एवं कार्यालय का पता	एम्पायर एस्टेट रियलटी : खसरा नं. 1036/1, 1037/1, 1074/2, 1071/1, 1073, ग्राम महापुरा, जयपुर-302033 (राजस्थान)	
9.	पात्र आवेदकों की लॉटरी तिथि, समय एवं स्थान	दिनांक 18.02.2025, समय : सुबह 11:30 बजे, स्थान : एम्पायर एस्टेट साईट कार्यालय, पता : खसरा नं. 1036/1, 1037/1, 1074/2, 1071/1, 1073, ग्राम महापुरा, जयपुर-302033 (राजस्थान)	

योजना से संबंधित अधिक जानकारी, नियम एवं शर्ते इत्यादि साईट आफिस या मुख्य कार्यलय पर देखी जा सकती है।। नोटः आवेदनकर्ता आवेदन से संबंधित दस्तावेजों को रिचवेल एन्टरप्राईजेज के कार्यालय में जमा करावें।
विकासकर्ता के हस्ताक्षर

कार्लोस अल्कराज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान मेरी पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था।
– नोवाक जोकोविच

टेनिस खिलाड़ी, अपने खिंचाव आने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डी गुकेश

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने यहां टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के छठी बाजी में संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के साथ ड्रॉ खेला, जबकि आर प्रज्ञानानंदा ने गत चैंपियन चीन के वेई यी के साथ अंक साझा किये। छह में से 4.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज है जबकि गुकेश चार अंकों के साथ उनके बाद है। साल के पहले बड़े टूर्नामेंट में अभी सात बाजियों के मुकाबले बाकी हैं। गुकेश ने अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ मुकाबले में पकड़ ढीली पड़ने के बाद अच्छी वापसी की और 64 चालों के बाद इसे ड्रॉ करने पर सहमत हो गये।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम के धाकड़ बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 18 अगस्त 2008 में 19 साल की उम्र में श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू किया था।

ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर खिलाड़ियों ने देश को किया गौरवान्वितः राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 25 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आकाशवाणी और दूरदर्शन से प्रसारित के राष्ट्र के नाम संबोधन में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में सहित अन्य प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की उपलब्धियों का उल्लेख किया। मुर्मु ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हमारा बढ़ता आत्मविश्वास खेलों के क्षेत्र में भी दिखाई देता है। हमारे खिलाड़ियों ने सफलता के प्रभावशाली अध्याय रचे हैं। पिछले वर्ष, हमारे खिलाड़ियों ने ओलंपिक खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा पैरालंपिक खेलों में, हमने अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा, जिसने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के शतरंज (फिडे) ओलंपियाड में हमारे खिलाड़ियों ने विश्व समुदाय को अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया तथा पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीते। मुर्मु ने कहा कि वर्ष 2024 में डी. गुकेश ने अब तक का सबसे कम उम्र का विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया।

प्रियांशु ने ग्रैंड मास्टर लक्ष्मण को ड्रा पर रोका

जयपुर, 25 जनवरी। जयपुर ओपन रैपिड प्रतियोगिता में 5वें राउंड में आज प्रतियोगिता का पहला उलटफेर दर्ज किया गया, जिसमें पश्चिम बंगाल के प्रियांशु बरुआ ने रेलवे के आर लक्ष्मण को बाराबारी पर रोका। खेले गए 6 राउंड के पश्चात मित्राभा गुहा पश्चिम बंगाल, सुयोग वाघ महाराष्ट्र, आर्यन वैष्णव दिल्ली टूर्नामेंट लीड कर रहे हैं। ग्रैंड मास्टर आर. लक्ष्मण रेलवे, फिडे मास्टर नमित सिंह वालिया पंजाब, कैंडिडेट मास्टर नवीन जैन हरियाणा, सेजल साई संजय महाराष्ट्र दूसरे स्थान खिलाड़ी 5.5 पॉइंट के साथ प्रतियोगिता में जीत के लिए नाम हुए हैं।

जयपुर की जायसवाल ने अंडर 15 में सिल्वर मेडल जीता

जयपुर, 25 जनवरी। मुम्बई में आयोजित विलिंगडन स्पोर्ट्स क्लब क्लासिक ओपेन स्क्वैश चैंपियनशिप 19 से 23 जनवरी 2025 में गुलाबी नगरी जयपुर की गौरी जायसवाल ने अंडर 15 वर्ग गर्ल्स में सिल्वर मेडल जीत राजस्थान का नाम रोशन किया। कोच खांगा राम चौधरी ने बताया कि गौरी जायसवाल माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर के कक्षा 8 की स्टूडेंट हैं जिसमें पहले राउंड में बाय मिली, प्री क्वार्टर में महाराष्ट्र की जिद्न्यासा मुरादे को 11-3,11-3,11-3, से क्वार्टर फाइनल में महाराष्ट्र की मान्या संघवी को 11-9,11-7,11-6, से सेमी फ़ाइनल में तेलंगाना स्टेट की अर्ना द्विवेदी को 11-13,11-7,11-9,11-7, से फ़ाइनल में उतर प्रदेश की फ़बीना नफीस 2- 11,6- 11,4-11, से हार का सामना करना पड़ा और सिल्वर मेडल अपने नाम किया। प्रिंसिपल अशोक वैद, और वाईस प्रिंसिपल डी डी पाठक, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर ने जीतने पर गौरी एवं कोच को बधाई एवम शुभकामनाएं दी।

खिलाड़ी राष्ट्रीय खेलों में राजस्थान के राजदूतः राज्यवर्धन

जयपुर, 25 जनवरी। आप बहुत भाग्यशाली है, जिन्हें राष्ट्रीय खेलों में खेलने का अवसर मिला। एक राजदूत की हैसियत से इन खेलों में आप राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे, यह बात खेल एवं युवा मामले मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने शनिवार को सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में 38वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने जा रहे विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों को सैंडऑफ सेरेमनी (दल रवानगी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम) में कही। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों की जर्सी लॉच करते हुए कहा कि रांष्ट्रीय खेल ऐसा मंच है, जहा पूरे देश के खिलाड़ी खेलने आते है। इसमें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी होते है, जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। खिलाड़ियों के लिए यह बहुत अच्छा अवसर है कि इनसे सीखे और अपने खेल को बहतर करने की कौशिश करें। इस अवसर पर राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ में अध्यक्ष तेजस्वी गहलोत, खेलमंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सभी टीमों को किट वितरित की। इस अवसर पर मौजूद राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मैडिसन कीज ने अपने नाम किया महिला सिंगल्स का खिताब

फाइनल में सबालेंका को हराया

मेलबर्न, 25 जनवरी। अमेरिका की 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 का महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया। इस दौरान उन्होंने महिला रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी अरीना सबालेंका को हराया। हालांकि, इस मैच को सभी को उम्मीद थी कि सबालेंका खिताब जीतने में कामयाब होंगी लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी मैडिसन ने बड़ा उलटफेर करने के साथ तीन सेट में मुकाबले को अपने नाम कर दिया। इस मैच में सबालेंका ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में वापसी तो की लेकिन तीसरे और निर्णायक सेट को मैडिसन ने जीतने के साथ अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल भी जीता। मैडिसन कीज और अरीना सबालेंका के बीच खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 महिला सिंगल्स ग्रैंड स्लैम फाइनल मुकाबले को लेकर बात की जाए तो उसमें पहले सेट को मैडिसन ने 6-3 से अपने नाम किया वहीं इसके बाद दूसरे सेट में अरीना सबालेंका ने शानदार वापसी करने के साथ उसे 6-2 से जीता।

अब 1-1 से मैच बराबरी पर आने के बाद सभी फैंस की नजरें तीसरे और निर्णायक सेट पर थी जिसमें मैडिसन ने फिर से वापसी करने के साथ इस रोमांचक सेट को 7-5 से जीता और अरीना साबलेंका का तीसरी बार खिताब जीतने का सपना भी तोड़ दिया। अगर सबालेंका ऐसा करने में कामयाब होती तो वह साल 1997 से 1999 में मार्टिना हिंगिस के बाद पहली महिला खिलाड़ी होती जो मेलबर्न पार्क में लगातार तीन बार ऑस्ट्रेलियन ओपन को अपने नाम करती।

वहीं अमेरिका की खिलाड़ी ने जीत दर्ज करते ही अपना चेहरा अपने हाथों से ढक लिया, फिर हाथों को ऊपर उठा का जश्न मनाया। उन्होंने इसके बाद अपने पति और कोच (2023 से) ब्योर्न फ्रैटांगेलो और टीम के अन्य सदस्यों को गले लगाया। सबालेंका ने कीज को बधाई देने के बाद अपने टेबल के पास जाकर रैकेट को जोर से जमीन पर पटका और अपनी भावनाओं को छिपाने के लिए सफेद तौलिये से चेहरा ढक लिया। अमेरिकी ओपन 2015 में फ्लाविया पेनेटा के 33 साल की उम्र में चैम्पियन बनने के बाद कीज सबसे उम्रदराज महिला ग्रैंड स्लैम चैम्पियन हैं। कीज अपने 46वें ग्रैंड स्लैम में चैम्पियन बनी।

रोहित शर्मा टी-20 टीम ऑफ द ईयर के कप्तान

चार भारतीय खिलाड़ी शामिल, अर्शदीप साल के बेस्ट टी-20 प्लेयर

दुबई, 25 जनवरी। आईसीसी ने शनिवार को साल 2024 की टी-20 टीम ऑफ द ईयर की घोषणा कर दी है। इस टीम में 4 भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। रोहित शर्मा को कप्तान बनाया गया है। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह भी टीम में शामिल हैं। भारत के अलावा किसी भी अन्य देश से एक से ज्यादा खिलाड़ियों को मौका नहीं मिला है। टीम में पाकिस्तान के बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और अफगानिस्तान के राशिद खान भी टीम में शामिल हैं। एक दिन पहले शुक्रवार को ने टेस्ट टीम ऑफ ईयर और वनडे टीम ऑफ ईयर का ऐलान किया था। टेस्ट में भारत के तीन प्लेयर्स को जगह मिली थी। जबकि वनडे टीम में कोई भारतीय नहीं है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल हर साल खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर तीनों फॉर्मेट की टीम जारी करता है।

रोहित की कप्तानी में भारत ने जीता था टी-20 वर्ल्ड कप भारतीय टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 29 जून को टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीता था। ब्रिजटाउन के मैदान पर भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराया था। अर्शदीप सिंह टी-20 क्रिकेट ऑफ ईयर चुने गए भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को ने टी-20 क्रिकेटर ऑफ ईयर चुना है। उन्होंने पिछले साल 18 मुकाबलों में 36 विकेट झटके हैं। इस अवॉर्ड के लिए ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, पाकिस्तान के बाबर आजम और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा के नाम भी रेस में थे।

भारत ने इंग्लैंड को दो विकेट से हराया

चेन्नई, 25 जनवरी। गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बाद तिलक वर्मा (नाबाद 72) की अर्धशतकीय और रवि बिश्नोई की (नाबाद नौ) रनों की साहसिक पारियों की बदौलत भारत ने शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराया। इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली हैं।

इंग्लैंड के 165 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 19 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। अभिषेक शर्मा (12) और संजू सैमसन (पांच) रन बनाकर आउट हुये। तीसरे विकेट के रूप में बल्लेबाजी करने आये तिलक वर्मा ने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। छठें ओवर में ब्राइडन कार्स ने सूर्यकुमार यादव (12) को आउटकर भारत को तीसरा झटका दिया। इसके बाद ध्रुव जुरेल (चार), हार्दिक पंड्या (सात) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय वॉशिंगटन सुंदर ने तिलक वर्मा के साथ पारी को संभाला। ब्राइडन कार्स ने वॉशिंगटन सुंदर (26) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद अक्षर पटेल (दो) और अर्शदीप सिंह (छह) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रवि बिश्नोई ने तिलक वर्मा का बखूबी साथ निभाया। तिलक वर्मा ने 55 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के लगाते हुए (नाबाद 72) रनों की पारी खेली। वहीं रवि बिश्नोई पांच गेंदों में (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 19.2 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन बनाकर मुकाबला दो विकेट से जीत लिया।

इंग्लैंड की ओर से ब्राइडन कार्स ने तीन विकेट लिये। जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, आदिल रशीद, जेमी ओवर्टन और लियम लिविंगस्टन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मंधाना, ऋचा, दीप्ति को मिली आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में जगह

नई दिल्ली, 25 जनवरी। दिग्गज सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, विकेटकीपर ऋचा घोष और हरफनमौला दीप्ति शर्मा को शनिवार को भारतीय खिलाड़ियों की दबदबे वाली आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय साल2024 की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया। इस टीम में तीन भारतीयों के अलावा दक्षिण अफ्रीकी और श्रीलंका के दो-दो जबकि इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और पाकिस्तान से एक-एक खिलाड़ी हैं। धाना और दीप्ति को शुक्रवार को आईसीसी महिला वनडे साल की सर्वश्रेष्ठ टीम 2024 में भी शामिल किया गया था। मंधाना के लिए साल 2024 शानदार रहा। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 54 रनों की शानदार पारी के साथ और इसका अंत घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार तीन अर्धशतकों के साथ किया। इस सलामी बल्लेबाज ने इस दौरान 23 मैचों में 763 रन बनाये और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी। मंधाना ने इस दौरान 8 अर्धशतक, 42.38 के औसत और 126.53 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

// तीसरी दिग्विजय सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप //

राजस्थान शूटिंग टीम ने तीन पदक हासिल किए

जयपुर, 25 जनवरी। राजस्थान शूटिंग टीम ने भोपाल में आयोजित प्रतिष्ठित तीसरी दिग्विजय सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिप में क्ले पिजन स्कीट इवेंट व्यक्तिगत सीनियर मास्टर मेन केटेगरी और व्यक्तिगत मेन केटेगरी में 02 पदक और क्ले पिजन स्कीट जूनियर मेन टीम इवेंट में -01 पदक हासिल कर कुल 3 पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया है। चैंपियनशिप में देश भर के कुछ बेहतरीन निशानेबाजों ने भाग लिया, जिन्होंने उल्लेखनीय कौशल और खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

स्वर्ण पदक सरोष खान (क्ले पिजन स्कीट इवेंट व्यक्तिगत सीनियर मास्टर मेन केटेगरी), कांस्य पदक, अनंतजीत सिंह नरुका (क्ले पिजन स्कीट इवेंट व्यक्तिगत मेन केटेगरी)-1 कांस्य पदक (1) यशवर्धन सिंह (2) राजवीर सिंह (3) अंजनेया सिंह (क्ले पिजन स्कीट जूनियर मेन टीम इवेंट)

प्रत्येक एथलीट ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट सटीकता, समर्पण और संयम का प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत/ टीम की सफलता में योगदान दिया। राजस्थान राइफल एसोसिएशन ने टीम के प्रदर्शन पर बहुत गर्व व्यक्त किया और राज्य में शूटिंग प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर प्रयास करने का वादा किया। दिग्विजय सिंह की स्मृति को सम्मानित करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शूटिंग के खेल को बढ़ावा देना और उभरती प्रतिभाओं के लिए एक मंच प्रदान करना था। इस टूर्नामेंट में राजस्थान की शूटिंग टीम की उपलब्धियाँ खेल में अग्रणी टीमों में से एक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि करती हैं।

// इनविटेशन गोल्फ कप का 5वां संस्करण संपन्न //

जसवंत सिंह मील ने जीती बेस्ट सीआईआई गोल्फर की ट्रॉफी

जयपुर, 25 जनवरी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई)-वेदांता हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड इनविटेशन गोल्फ कप का 5वां संस्करण शनिवार को रामबाग गोल्फ क्लब में आयोजित किया गया। टूर्नामेंट का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। समारोह के दौरान अलग-अलग श्रेणियों और हैंडीकेप्स में विजेता व उप विजेता दोनों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें बेस्ट सीआईआई गोल्फर की ट्रॉफी जसवंत सिंह मील ने जीती।

टूर्नामेंट में गोल्फर्स सहित ब्यूरोक्रेट्स, इंडस्ट्री मेंबर्स, जज, आर्मी, रेलवे ऑफिसर्स आदि जैसी विभिन्न पृष्ठभूमियों से लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इसमें पुरुष, महिला, वेटरन (60), और मेम्बर आदि श्रेणियां शामिल थीं। यह टूर्नामेंट स्टैबलफोर्ड सिंगल पियरियो फॉर्मेट में खेला गया। इस अवसर पर दिल्ली से प्रसिद्ध प्रोफेशनल महिला गोल्फर श्वेता मान सिंह भी उपस्थित रहीं।

अन्य श्रेणियों में विजेता और उपविजेताओं के नाम कुछ इस प्रकार रहे- हैंडीकैप श्रेणी (18-24) में गौरव रूंगटा विजेता रहे; हैंडीकैप श्रेणी (13-17) में अनुरोध सारस्वत और हैंडीकैप श्रेणी (0 - 12) में अर्जुन कुच्छल विजेता रहे। विजेताओं को पुरस्कार के साथ आईटीसी रूम वाउचर भी प्रदान किए गए। वहीं, हैंडीकैप श्रेणी (18-24) में ओम सारस्वत उपविजेता, हैंडीकैप श्रेणी (13-17) में धीरज झामरिया और हैंडीकैप श्रेणी (0 -12) में संदीप शर्मा उपविजेता रहे। इसके अतिरिक्त, बेस्ट वेटरन गोल्फर का पुरस्कार अंशुमन गुप्ता और बेस्ट लेडी गोल्फर का खिताब रितु ओबरॉय ने जीता। इसी प्रकार, क्लोजेस्ट टू द पिन का पुरस्कार अखिल अग्रवाल को, स्ट्रेटेस्ट ड्राइव का पुरस्कार आभा गुप्ता को, लॉन्गेस्ट ड्राइव का पुरस्कार सिद्धार्थ शर्मा को और बीट द प्रो के विजेता हैदर अली रहे।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैंड का किया सुपड़ा साफ

एडिलेड, 25 जनवरी। बेथ मूनी (नाबाद 94) रनों की अर्धशतकीय पारी और जॉर्जिया वेयरहम (तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने शनिवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को 72 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज 3-0 से जीत ली हैं। ऑस्ट्रेलिया के 165 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और 48 के स्कोर तक अपने सात विकेट गवां दिये। सोफिया डंकली (पांच), ऐलिस कैप्सी (छह), नेट साइवर ब्रंट (एक), डेनिएल वायट (17), एमी जोंस (शून्य), फ्रेया कैंप (पांच) और शार्लेट डीन (एक) रन बनाकर आउट हुई। हालांकि इस दौरान कप्तान हीथर नाइट एक छोर थामे खड़ी रही। सोफी एकल्सटन (पांच) और लिंसी स्मिथ (एक) रन बनाकर आउट हुई। इंग्लैंड का आखिरी विकेट हीथर नाइट (40) रूप में गिरा। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड की पूरी टीम 17.3 ओवर में 90 रन पर ढ़ेर हो गई।

राजस्थान के लाम्बा की शतकीय पारी व सचिन शतक से चूके

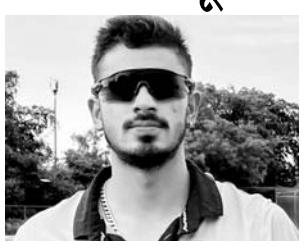

जयपुर, 25 जनवरी। नागपुर में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रीय अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी के आज से शुरू हुए राजस्थान -विधर्भ मैच के पहले दिन राजस्थान के कप्तान करण लाम्बा ने शानदार नाबाद शतकीय पारी खेलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम ने कप्तान करण लाम्बा की शानदार नाबाद शतकीय पारी व सलामी बल्लेबाज सचिन यादव के अर्धशतक की सहायता से पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 4 विकेट के नुकसान पर 282 रन बना लिए थे। सलामी बल्लेबाज सचिन यादव मात्र 4 रनो से अपने शतक से चुके।

राजस्थान - विधर्भ रणजी मैच (तीसरे दिन का स्कोर) राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रिय सीनियर रणजी ट्रॉफी के जयपुर में के एल सैनी स्टेडयम पर खेले जा रहे राजस्थान - विधर्भ रणजी मैच के तीसरे दिन का स्कोर :- विधर्भ पहली पारी 165 आल आउट। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए विधर्भ टीम राजस्थान के गेंदबाज खलील अहमद , मानव सुथार व अन्य अजय कुकना की शानदार गेंदबाजी की सामने मात्र 165 रनो के स्कोर पर आल आउट हो गयी। टीम के लिए करुण नायर 39 , ऐ वाडकर 34 व हुते 34 रनो का योगदान दिया।

राजस्थान के गेंदबाज अजय कुकना 92/3, मानव सुथार 94/2 खलील 52/1 व अनिकेत चौधरी 63/1 विकेट प्राप्त किये।

// जयपुर पोलो सीजन 2025//

जयपुर टीम ने जीता रघु सिन्हा माला माथुर मेमोरियल कप

जयपुर, 25 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2025 का पहला एग्जीबिशन मैच, रघु सिन्हा माला माथुर मेमोरियल कप आज राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला गया। बड़ी संख्या में दर्शकों ने इस रोमांचक खेल का आनंद लिया। टीम जयपुर और टीम बैंगलोर ग्रेज़/कृष्णा पोलो के बीच हुए इस मुकाबले में टीम जयपुर ने 13-9 के स्कोर से जीत हासिल की। इस अवसर पर जीओसी, 61 सब एरिया, मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा मुख्य अतिथि रहे।

टीम जयपुर के लिए लांस वॉटसन के 6 गोल ने टीम को शानदार जीत दिलाई। वहीं एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ऑफ जयपुर ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 5 गोल और राव हिम्मत सिंह बेदला ने 2 गोल किए। टीम में देवव्रत सिंह झालामंड भी शामिल थे। इसी प्रकार, टीम बैंगलोर ग्रेज़/कृष्णा पोलो की ओर से डेनियल ओटामेंडी ने 4 गोल और नवीन सिंह ने 3 गोल किए। वहीं डीनो धनखड़ ने टीम के लिए 2 गोल किए। टीम से अनिरुद्ध मावाजी भी खेले।

राजस्थान यूनाइटेड क्लब ने टेबल टॉपर चर्चिल ब्रदर्स एफसी को 1-0 से हराया

जयपुर, 25 जनवरी। विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित फुटबॉल के रोमांचक आई-लीग मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने चर्चिल ब्रदर्स एफसी को 1-0 से हराया। क्लब के चेयरमैन के के टॉक ने बताया कि रोमांचक मुकाबले के मैच में हाफ टाइम में गोल रहित रहा इसके बाद हाफ टाइम के बाद वाले क्षणों में जीवंत हो गया। क्योंकि राजस्थान यूनाइटेड ने 6 मिनट के अतिरिक्त समय के दौरान गोल किया। दोनों टीमों के लिए पहला हाफ एक तंग मामला था, जिसमें दोनों टीमों ने ठोस रक्षात्मक संरचनाओं को प्रदर्शित कर कुछ अवसर पैदा किए। चर्चिल ब्रदर्स एफसी ने लचीलापन दिखाया, जबकि राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने अपने बचाव को तोड़ने के लिए संघर्ष किया। दोनों पक्ष हाफ टाइम ब्रेक में आगे बढ़ गए।

ड्रा मैच को बनाया रोमांचकः- क्लब की डायरेक्टर रोशनी टॉक ने कहा कि मैच ड्रॉ के लिए लग रहा था, लेकिन मेजबानों को चोट के समय में अपनी सफलता मिली। जैसे ही खेल ने स्टॉपेज टाइम के छठे मिनट में प्रवेश किया। राजस्थान यूनाइटेड ने अंतिम आक्रमण शुरू किया। 93वें मिनट में उनके स्ट्राइकर जेरार्ड आर्टिगास (जर्सी नंबर 99) से गोल में एक निर्दोष टैप द्वारा बॉक्स में एक सही समयबद्ध क्रॉस मिला, नेट के पीछे का पता लगाया और गोल कर घरेलू भीड़ को उत्साह में भेज दिया। चर्चिल ब्रदर्स एफसी की उत्साही प्रतिक्रिया के बावजूद, राजस्थान यूनाइटेड ने सभी तीन बिंदुओं का दावा करने के लिए दृढ़ता रखी, उन्हें आई-लीग स्टैंडिंग में ऊपर ले जाया गया।

खेलों के साथ बढ़ेगा ट्यूरिज्म, बढ़ेगी इकोनामी: दिया कुमारी:- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

ने फुटबाल मैचों को बढ़ाने के लिए आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इस तरह के मेचों का आयोजन किया जाएगा। इससे युवाओं में खेल के प्रति भावना जागृत होगी। युवा खेलों की तरफ ध्यान देगा तो उसका ध्यान इधर-उधर नहीं भटकेगी, खाली बैठा युवा कई बार गलतियां कर बैठता है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी युवाओं को खेल के लिए हमेशा प्रोत्साहन करते रहते हैं। जिससे युवा स्वस्थ एवं सुखी रहेगा। आईफा के लिए राजस्थान एवं जयपुर तैयार है इसके आयोजन से टूरिज्म बढ़ेगा, इकोनामिक बढ़ेगी लोगों को रोजगार मिलेगा। फिल्मों की शूटिंग के लिए भी राजस्थान में अच्छा वातावरण बनाया जा रहा है।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ''एट होम'' में शामिल, 15 पुलिस अधिकारियों को पुलिस पदक दिये

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उदयपुर की सहेलियों की बाड़ी में कला व साहित्य की प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया

उदयपुर, (कासं) 25 जनवरी। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उदयपुर में गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर सहेलियों की बाड़ी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शनिवार को ''एट होम'' कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कला, साहित्य और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान भी किया।

- राज्य स्तरीय कार्यक्रम में, जनजाति विकास मंत्री, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, लोकसभा सांसद, स्थानीय विधायक व संभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उदयपुर में गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में कला, साहित्य और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया।

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े शनिवार अपराह्न बाद सहेलियो की बाड़ी पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनकी अगवानी की। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय धुन के साथ हुआ। इसके पश्चात राज्यपाल ने 15 पुलिस अधिकारियों को पुलिस पदक प्रदान किए तथा विशिष्ट उपलब्धियों के लिए 6 लोगों को प्रशस्ति पत्र दिए गए।

कार्यक्रम में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल आदि मौजूद थे।

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, 25 जनवरी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने 26/11 मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स की ओर से यह जानकारी सामने आयी है। अमेरिका की एक अदालत ने मामले में उसकी दोषसिद्धि के खिलाफ रिव्यू पिटीशन खारिज कर दी, जिससे राणा के भारत प्रत्यर्पित होने से बचने का आखिरी कानूनी मौका भी खत्म हो गया। यह रिट नवंबर 2024 में निचली अदालत के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें भारत में उसके प्रत्यर्पण के पक्ष में फैसला सुनाया गया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्टिओरीरी रिट एक कानूनी दस्तावेज है, जो उच्च न्यायालय को निचली अदालत के मामले की समीक्षा करने की अनुमति देता है। राणा के भारत प्रत्यर्पण से मुंबई आतंकी हमलों के मामले में कई संवेदनशील खुलासे होने की उम्मीद है। 26/11 के आरोपी राणा पाकिस्तानी अमेरिकी आतंकवादी डेविड हेडली का करीबी था, जिसने मुंबई में हमले की जगहों की रेकी भी की थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं

जयपुर, 25 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 76वें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के पावन अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि गणतंत्र दिवस लोकतंत्र और संविधान में देशवासियों की आस्था का प्रतीक है। यह दिन हमें हमारे महान संविधान निर्माताओं की याद दिलाता है, जिन्होंने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के महान आदर्शों को संविधान के जरिए अंगीकार किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आव्हान किया कि वे देश की एकता और अखण्डता को बनाए रखने तथा देश-प्रदेश की उन्नति में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लें, ताकि विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार किया जा सके।

तुरंत प्रभाव से विदेशों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीमो कहता है कि वर्तमान विदेशी सहायता के स्टॉप वर्क आर्डर तत्कालीन जारी हो जायेंगे तथा तब तक जारी रहेंगे, जब तक रुबियो समीक्षा नहीं कर लेते।

यूएस एजेन्सी फॉर इंटरनैशनल डवलपमैंट (यूएसएआईडी) के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने, अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा, ''यह एक निर्मित दुर्व्यवस्था है।''

उक्त अधिकारी ने कहा, ''सभी संस्थाओं को अपनी सारी गतिविधियाँ रोक देनी पड़ेंगी तथा इसी प्रकार सभी जीवनरक्षक चिकित्सा सेवाएं, एचआईवी/एड्स, पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, सभी कृषि कार्य, शिक्षा तथा सिविल सोसायटी संगठनों की सारी सहायता रुक जायेगी।''

यूएसएआईडी के एक अधिकारी, जिन्होंने उनका नाम उजागर न करने का अनुरोध किया, ने कहा कि यूक्रेन में विभिन्न प्रोजैक्टों के जिम्मेदार अधिकारियों को सारा काम रोक देने के लिये कह दिया गया है। उस अधिकारी ने कहा कि रोक दिये गये प्रोजैक्टों में स्कूल तथा चिकित्सा सहायता, जैसे आपातकालीन मातृ-चिकित्सा तथा बच्चों के वैक्सीनेशन आदि शामिल हैं।

अगले 85 दिनों तक चलने वाली समीक्षा के बाद, क्या रुबिनो द्वारा निर्णय लिये जायेंगे कि ये सहायता कार्यक्रम जारी रहेंगे, संशोधित होंगे या रद्द कर दिये जायेंगे। उस समय तक, रुबियो ढ़ील बरतने की स्वीकृति दे सकते हैं।

मीमो के अनुसार, रुबियोने आपातकालीन खाद्य सहायता के मामलों में भी ढील दे दी है। यह ढील गाज़ा स्ट्रिप में दी गई मानवीयता की खातिर दी गई है, जहाँ इज़रायल और फिलिस्तीनी उग्रवादियों ने हमास में रविवार को युद्ध विराम की शुरुआत की थी। इसके अलावा, सूडान सहित, विश्व के अन्य कई भूख-पीड़ित क्षेत्रों में इस किस्म की ढील दी गई है।

स्टेट डिपार्टमैंट के मीमो में यह भी कहागया है कि रुबियो ने इन छूटों की स्वीकृति ''इज़रायल तथा मिस्र के लिये विदेशी सैन्य वित्त-पोषण तथाउन प्रशासनिक खर्चों, जिनमें वेतन शामिल हैं, जो विदेशी सैन्य वित्त-पोषण के संचालन के लिये आवश्यक हैं।

फॉरेन मिलिट्री फायनेंसिंग के रूप में, इज़रायल को करीब 3.3 अरब डॉलर तथा मिस्र को करीब 1.3 अरब डॉलर मिलते हैं।

2025 में इस प्रकार की फायनेंसिंग के लिये चिन्हित किये गये अन्य देश हैं- यूक्रेन, जॉर्जिया, एस्टोनिया, लैटविया, लिथूनिया, ताइवान, इंडोनेशिया, फिलिपींस, थाइलैंड,ख वियतनाम, डीजीबोती, कोलम्बिया, पनामा, इक्वेडोर, इज़रायल, मिस्र तथा जॉर्डन। इसके लिये पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन सरकार ने कांग्रेस से अनुरोध किया था।

इस अनुरोध में यह भी कहा गया था कि फॉरेन मिलिट्री फायनेंसिंग ''लिबनान की सशस्त्र सेनाओं की क्षमता को बढ़ाने की कोशिश करेगी, ताकि वहाँ अस्थिरता की संभावना कम हो तथा ईरान के दुष्प्रभाव का प्रतिकार किया जा सके।'' लिबनान की सेना इस समय देश के दक्षिण में तैनात होने की कोशिश कर रही है, क्योंकि इज़रायली सेनाएं युद्ध विराम समझौते के तहत वहाँ से हट रही हैं। इस समझौते के अनुसार, ईरान-समर्थक हिज़बुल्लाह हथियार और लड़ाकू भी उस क्षेत्र से हटाये जाने हैं।

मध्य प्रदेश में शराबबंदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुजरात शामिल हैं, को लेकर भारी चिंता जताई जाती है, क्योंकि वहाँ शराब का बड़ा बाज़ार पनप रहा है, जहाँ प्राय: खतरनाक और मिलावटी शराब की बिक्री होती है।

दूसरी तरफ, राज्य सरकारों को राजस्व का बहुत बड़ा नुकसान होता है तथा इसे लागू करने पर सवाल खड़े होते रहे हैं तथा इसे लागू करने पर सवाल खड़े होते रहे हैं तथा भ्रष्टाचार तथा पुलिस-प्रताड़ना के आरोप भी लगते रहे हैं।

जहाँ बिहार जैसे राज्यों में पूर्ण शराबबंदी लागू है, वहीं गुजरात विदेशियों तथा भारत के अन्य भागों से आये हुये लोगों को यह अनुमति देता है कि वे शराब खरीदने के लिये परमिट हेतु ऑनलाइन आवेदन करें तथा राज्य के 35 रजिस्टर्ड स्टोरों में से किसी से भी शराब खरीद लें। नागालैंड में 1989 में शराब की बिक्री और उपभोग पर रोक लगा दी थी, लेकिन रोक में ढ़ील दी जा चुकी है तथा राज्य में ''भारत निर्मित विदेशी शराब'' खुले रूप में उपलब्ध बताई जाती है। कांग्रेस ने इस मद्य-निषेध नीति को ''पूरी तरह विफल'' बताया है तथा कहा है कि इसे हटा लिया जाये।

आंध्र प्रदेश ने 1952 में शराबबंदी का प्रयोग किया था तथा उसके बाद एक बार 1994 में भी, लेकिन चंद्रबाबू नायडू ने 1997 में इसे यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि सीमा पार से तथा राज्य के अंदर होने वाली लीकेज़ के कारण, शराबबंदी सफल और व्यवहार्य नहीं है। मध्य प्रदेश में भी इससे पहले उमा भारती तथा शिवराज सिंह के कार्यकालों में शराबबंदी लागू करने की कोशिशें की जा चुकी है।

इस सप्ताह साठ वर्ष पूर्व चर्चिल की मृत्यु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप में छवि बहुत बड़ी थी, और पाश्चात्य जगत के लोग उन्हें ''स्वतंत्र विश्व'' को बचाने वाले प्रचारित करते है लेकिन क्लैमेंट एटली उस समय की जरूरतों को समझने में सक्षम था।

चर्चिल जब बहुत युवा थे तब ही से भारत के प्रति उनकी एक सोच विकसित हो गई थी। उन्होंने ब्रिटिश काल में बतौर पत्रकार यहा काम किया। उन्होंने भारतीय सीमाओं पर लड़े गए कई युद्धों के बारे में लिखा। कोलकाता में उन्होंने तत्कालीन वायसरॉय लॉर्ड कर्जन से मुलाकात की इसके बाद वे ब्रिटेन लौट गए।

जब चर्चिल दूसरे विश्व युद्ध में हिटलर के खिलाफ मित्र देशों की सेना का नेतृत्व कर रहे थे उस समय 1942 में बंगाल भी जब अकाल से जूझ रहा था और ये चर्चिल ही थे, जिन्होंने उस अकाल को भीषण त्रासदी में बदल दिया था क्योंकि उन्होंने बंगाल के लिए भेजे जा रहे अनाज के जहाजों को मित्र देशों की सेनाओं के लिए भेज दिया था और लाखों भारतीय भूख से मर गए थे।

- यह भी सोच अब पनप रही है कि जर्मनी पर, यहूदियों को ''कन्सन्ट्रेशन कैम्प'' आदि में की गई हत्याओं के कारण, ''वार क्राइम्स'' (युद्ध के अपराधों) के अंतर्गत मुकदमा चल सकता है, तो बंगाल में हुई भुखमरी के लिये चर्चिल व इंगलैंड पर मुकदमा क्यों नहीं चलाया जा सकता।

ऐसा नहीं था कि मित्र देशों की सेना भोजन के संकट से जूझ रही थी या उन्हें पर्याप्त राशन नहीं मिल रहा था, चर्चिल ने ऐसा सिर्फ इसलिए किया कि कहीं मित्र देशों की सेनाओं को अकस्मात अनाज की जरूरत पड़ जाए। चर्चिल का वह युद्ध अपराध बहुत बड़ा था पर इस पर इसलिए ध्यान नहीं दिया गया क्योंकि अकाल और भूख से मरने वाले लाखों भारतीय असहाय थे।

भारत के लिए 1942 बेहद कठिन समय था, जिसे चर्चिल ऐसा सुनहरा समय बता कर प्रचारित कर रहे थे जो हजारों सालों में एक बार आता है। यह समय है कि भारत को उन लोगों की याद में एक स्मारक बनाना चाहिए जो चर्चिल निर्णय (अन्यायपूर्ण निर्णय) की वजह से भूख से मारे गए थे। जिस अनाज की उस समय भारतीयों को सख्त जरूरत थी वह चर्चिल ने मित्र देशों की सेनाओं को दिलवा दिया।

युद्ध खत्म होने के बाद विजयी मित्र राष्ट्रों ने जर्मनी के युद्ध अपराधों पर विचार किया, जहां लाखों यहूदी व अन्य लोग यातना शिविरों व गैस चैम्बरों में मार डाले गए थे, पर उन्होंने भारत में भूख से मरे लाखों लोगों का कारण बने एक अपराध पर कभी भी विचार नहीं किया।

युद्धकाल में अगर चर्चिल को कोई व्यक्ति नापसंद था तो वह थे महात्मा गांधी जो चर्चिल एकदम विपरीत थे। गांधी ने ब्रिटिश साम्राज्य की ''सिविलाइज़्ड फोर्स'' होने की धारणा को अस्वीकार कर दिया और चर्चिल को यह अस्वीकृति कतई पसंद नहीं थी।

प्रशिक्षित सैनिक चर्चिल ब्रिटिश समाज के पारम्परिक समाज और रूढिवादी परम्पराओं साथ पले बढ़े थे। इसके विपरीत गांधी ने ताकत को अंतिम परीक्षण के रूप में नकार दिया था। गांधी की राजनीति चर्चिल को स्त्रियोचित लगती थी। चरखा चलाने को चर्चिल औरतों का काम मानते थे।

क्लेमैंट ऐटली को श्रमिक नेता के रूप में चर्चिल ने उपप्रधानमंत्री बनाया था। ऐटली ने कई बार चर्चिल की सहायता की थी ऐटली एक जाने वाले वकील के बेटे थे वे 1920 के दशक में भारत आए थे और स्वतंत्रता संग्राम को उन्होंने खुद देखा था।

अगर 1947 में ऐटली ने भारत छोड़ने की प्रक्रिया तेज नहीं की होती तो भी भारत ब्रिटेन से आज़ादी छीन लेगा। भारतीय इतिहासकारों को सत्ता हस्तांतरण से संबंधित दस्तावेजों का गंभीरता से अध्ययन करना चाहिए और इसमें ऐटली की भूमिका को विस्तार से देखना चाहिए। यह नए सिरे से पुर्नमूल्यांकन करने का समय है।

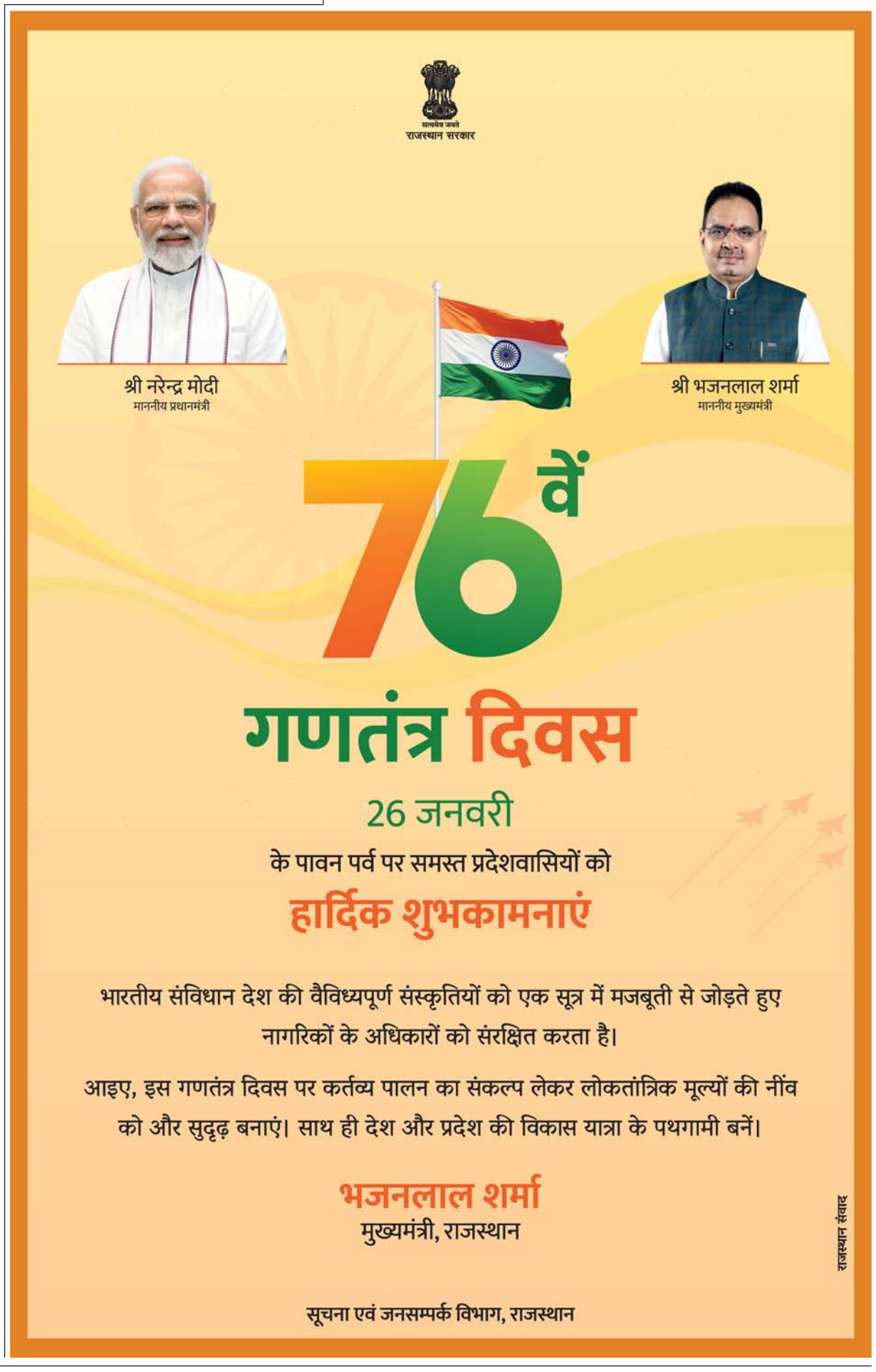

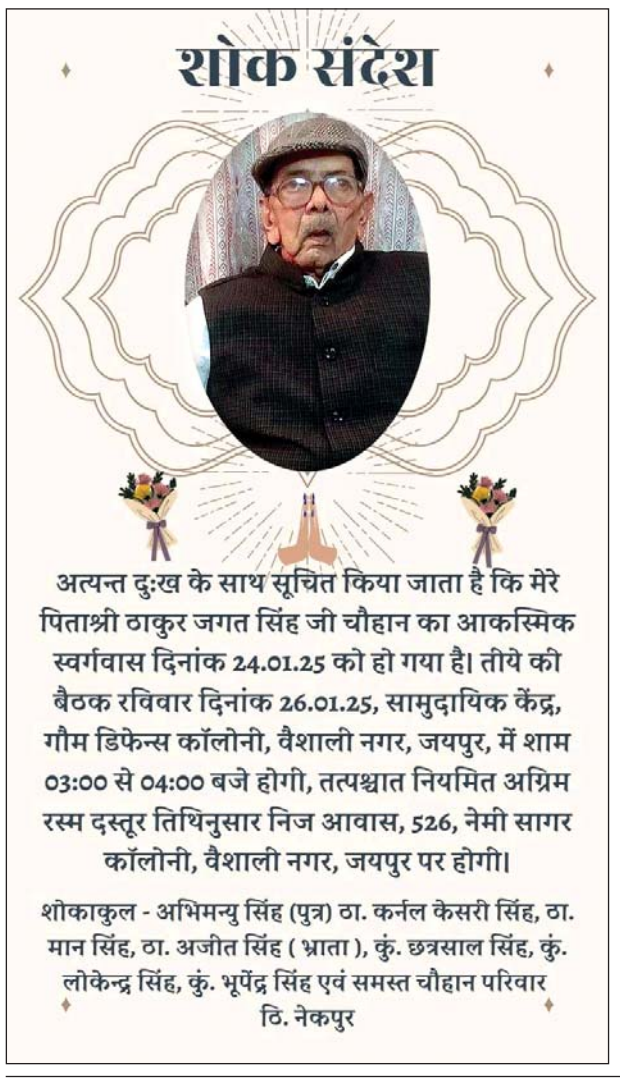

ट्रम्प द्वारा चयनित नये...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चिंता व्यक्त की है। उनका तर्क है कि इससे आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी को और ज्यादा आधुनिक बनाने, परमाणु निरोध के प्रबंध, उभरते वैश्विक खतरों का मुकाबला करने और रणनीतिक रक्षा पहलों को प्रभावी ढंग से लागू करने में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

डिफैन्स सैक्रेटरी की भूमिका अमेरिकी प्रशासन में कितनी महत्वपूर्ण और गंभीर है, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि सैन्य कमान श्रृंखला में रक्षा सचिव राष्ट्रपति के बाद दूसरे स्थान पर होते हैं। यहाँ तक कि सबसे उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारी, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष को भी सैन्य संचालन करते समय रक्षा मंत्री के माध्यम से ही राष्ट्रपति को जानकारी देते है।

रक्षा सचिव वाइट हाउस और कांग्रेस के साथ मिलकर व्यापक विदेशी नीति के तह पहलों को विकसित करता है। सभी सैन्य विभाग एकीकृत होकर पेंटागन में एक एकल इकाई के रूप में कार्य करते हैं, जो देश का सैन्य मुख्यालय है। रक्षा विभाग के मुख्य कार्यकारी के रूप में, रक्षा सचिव पेंटागन में सभी संचालन की निगरानी करते हैं।

इसके अतिरिक्त, चूंकि सशस्त्र सेवाएं केवल युद्ध नहीं करतीं, रक्षा विभाग में मजबूत खुफिया संचालन भी होते हैं और ये जानकारी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) को रिपोर्ट की जाती है। रक्षा सचिव इस खुफिया जानकारी को समन्वित करने में मदद करते हैं।

इसके अलावा हैगसेथ महिलाओं के युद्ध में भाग लेने के खिलाफ बयान दे चुके हैं जिसके लिए उनकी कड़ी आलोचना हुई थी। सेना में स्त्री-पुरुष समानता पर उनके विचारों पर चिंता व्यक्त की जा रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, नए रक्षा सचिव पर भारी शराब पीने और महिलाओं के प्रति आक्रामक व्यवहार करने के आरोप भी लगाए गए हैं, जिसमें 2017 का एक यौन हमले का आरोप भी शामिल है, जिसे उन्होंने कोर्ट के बाहर निपटाया।

कश्मीर में पहली वंदे भारत ट्रेन का सफल ट्रायल सम्पन्न

श्रीनगर, 25 जनवरी। शनिवार को कटरा में माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन से मध्य कश्मीर तक पहली वंदे भारत ट्रेन के सफल परीक्षण के साथ कश्मीर के लिए ट्रेन का लंबे समय से प्रतीक्षित सपना आखिरकार वास्तविकता के करीब है। उम्मीद है कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने इस सेवा का उद्घाटन करेंगे, जिसके बाद कश्मीर के लिए बहुप्रतीक्षित ट्रेन आधिकारिक तौर पर परिचालन शुरू हो जाएगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908